* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

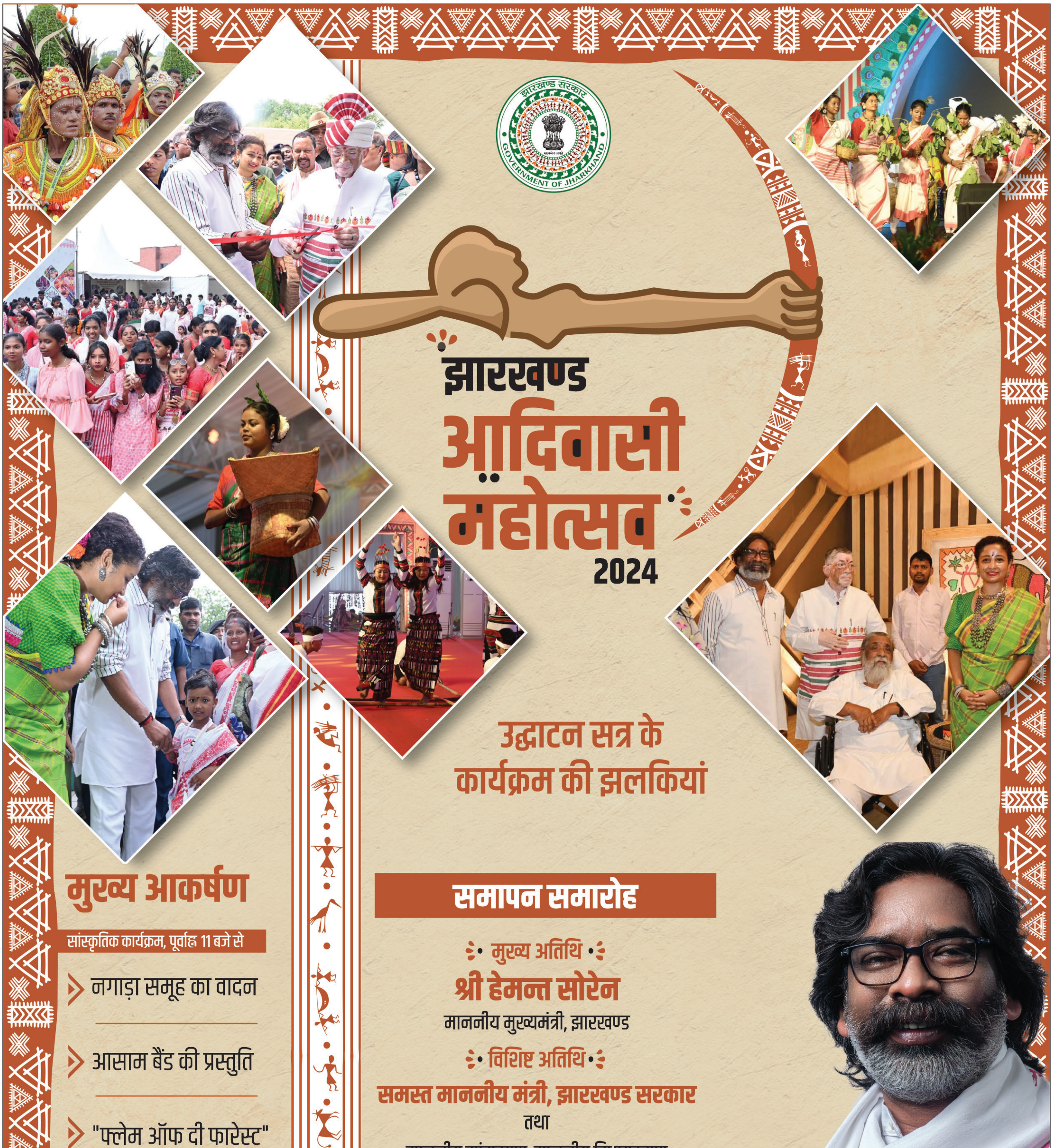

10 अगस्त, 2024
श्रावण, शुक्ल पक्ष, षष्ठी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 09, अंक 291

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सभ्यता, संस्कृति और मान-सम्मान के साथ समझौता नहीं किया : हेमंत

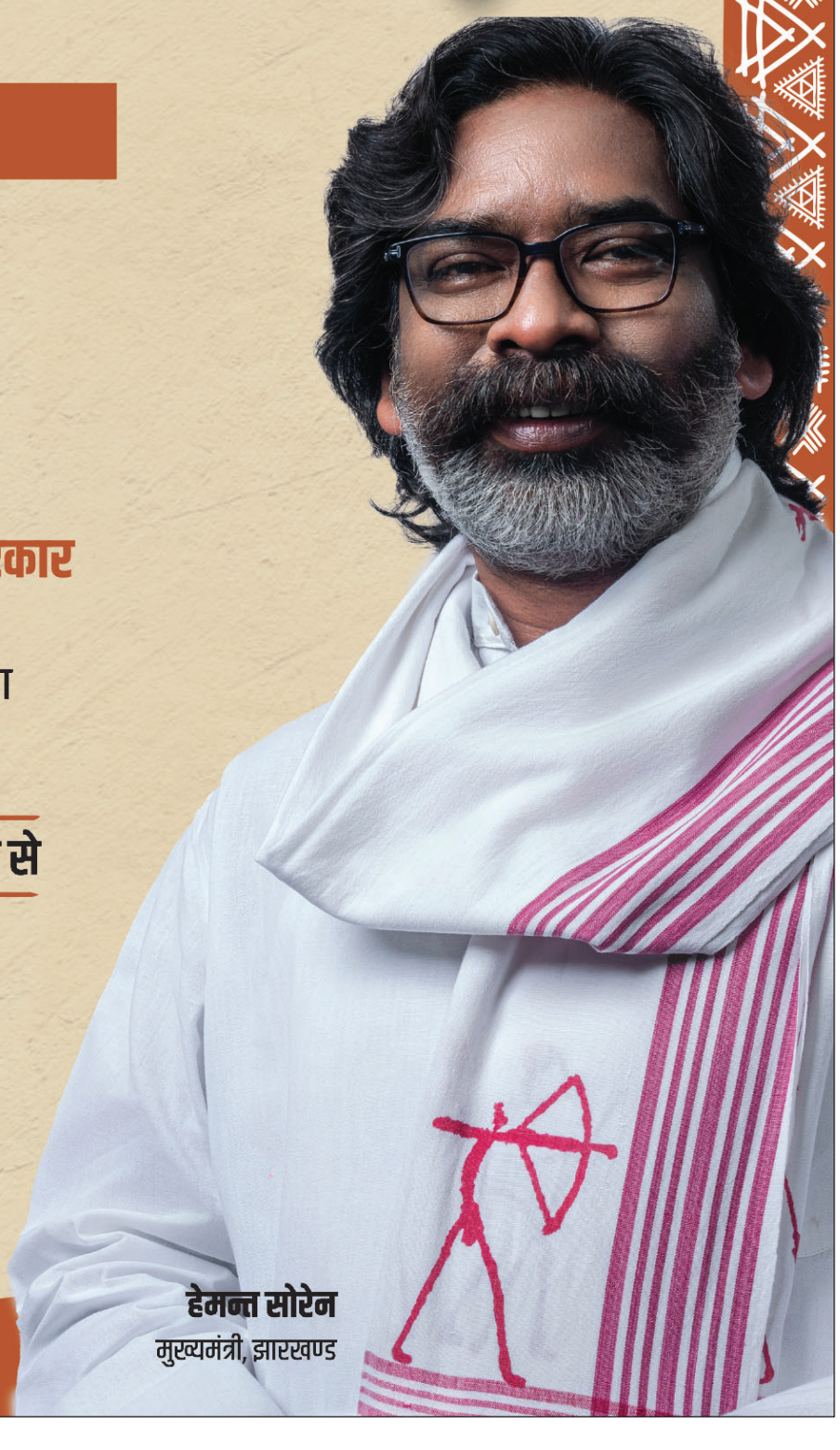

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 65,800 रु./10 ग्राम
चांदी 84,000 रु./प्रति किलो

धनबाद के छह विस क्षेत्रों में कर्म की कसौटी पर परखे जायेंगे प्रत्याशी

■ देश की कोयला राजधानी में एनडीए और इंडी अलायंस के सामने चुनौतियों का पहाड़

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

गीता के द्वितीय अध्याय, श्लोक 47 में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि कर्म पर ही मनुष्य का अधिकार है, कर्म के फलों पर कभी नहीं... इसलिए कर्म को फल के लिए मत करो। अतः तू कर्मफल का हेतु भी मत बन और तेरी अकर्मण्यता में भी आसक्ति न हो। कहते हैं कि कलयुग में श्रीकृष्ण का महात्म्य और बढ़ेगा। श्रीकृष्ण सिर्फ कर्म करने की प्रेरणा देते हैं। उनके मुख से निकली गीता में काफी सारे श्लोक जीवन दर्शन का एहसास कराते हैं। सत्ता के लिए द्वापर युग में हुए महाभारत में गीता का ज्ञान जो श्रीकृष्ण के मुख से निकला, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना तब था। झारखंड में विधानसभा चुनाव नजदीक है और इसमें कर्म की परीक्षा होगी। सत्तारूढ़ इंडी गठबंधन के कर्म को जहां कसौटी पर कसा जायेगा, वहीं एनडीए गठबंधन को चुनौती और भविष्य के झारखंड के विकास के मापदंड की तुला पर परखा जायेगा। राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों की गतिविधियां इन दिनों तेज हैं। रांची से लेकर दिल्ली तक जहां मंथन और चिंतन हो रहा है, वहीं टिकट से लेकर प्रत्याशी की जीत-हार और चुनाव परिणाम पर अब चौक-चौराहों, हाट-बाजार, घर-आंगन से लेकर राजनीतिक दलों के कार्यालयों तक चर्चा चल रही है। इन चर्चाओं के बीच देश की कोयला राजधानी धनबाद के छह विधानसभा क्षेत्रों में क्या है जमीनी हकीकत और प्रत्याशियों को लेकर चर्चा तथा क्या राजनीतिक गणित, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता मनोज मिश्र।

आजाद सिपाही विशेष

धनबाद संसदीय क्षेत्र अंतर्गत छह विधानसभा सीटें, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, बाघमारा और टुंडी शामिल हैं। इनमें से झरिया और टुंडी को छोड़ कर चार पर भाजपा का कब्जा है। 2019 के विधानसभा चुनाव में सिंदरी से भाजपा के इंद्रजीत महतो, निरसा से अपर्णा सेनगुप्ता, धनबाद से राज सिन्हा और बाघमारा से ढुल्लू महतो ने जीत हासिल की थी। झरिया में कांग्रेस की पूर्णिमा नीरज सिंह विजयी रहीं। वहीं टुंडी में झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो विजयी हुए। अभी हाल में हुए लोकसभा चुनाव में इन सभी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त मिली। पार्टी प्रत्याशी ढुल्लू महतो को सिंदरी में 1.29 लाख, निरसा में 1.40 लाख, धनबाद में 1.51 हजार और झरिया में 97 हजार वोट मिले।

अब यहां विधानसभा चुनाव कर्म की कसौटी पर कसा जायेगा। इन सभी क्षेत्रों के लोगों को राज्य की नयी सरकार से गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं का समाधान, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और भ्रष्टाचार और सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों का समाधान होने की उम्मीद है। ऐसे में इन छह विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता ऐसे विधायक और सरकार चाहते हैं, जो विकास और समृद्धि के लिए काम करे। ऐसे में इस क्षेत्र में उम्मीदवार कौन होगा, इस सवाल को लेकर जब आम लोगों से बात की गयी और राजनीतिक दलों के भीतर हो रहे मंथन के बाद जो बात सामने आयी, वह चौंकानेवाली है।

धनबाद के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में बदलाव की बयार बह रही है। राजनीतिक दलों के सामने भी बदलाव की ही हालत है।

दरअसल, प्रदेश में राजनीतिक समीकरण में हो रहे बदलाव पर धनबाद की जमीनी सियासत में उलटफेर की प्रबल संभावना बन गयी है। जदयू में विधायक सरयू राय की एंट्री से भी धनबाद की सियासत में असर पड़ेगा। वहीं बाघमारा से विधायक ढुल्लू महतो अब धनबाद सांसद बन गये हैं। ऐसे में बाघमारा से कौन होगा प्रत्याशी, यह भी अहम सवाल है। वहीं मार्क्सवादी समन्वय समिति (मासस) का भाकपा-माले में विलय की खबर है। बताया जा रहा है कि सीट शेयरिंग पर बगोदर से भाकपा माले विधायक बिनोद सिंह इंडी गठबंधन के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। यदि ऐसा होता है, तो सिंदरी और निरसा से भाकपा-माले अपना उम्मीदवार उतार सकता है। अभी के समीकरण में धनबाद, बाघमारा और झरिया सीट कांग्रेस के खाते में है। वहीं टुंडी, निरसा और सिंदरी झामुमो के खाते में है। यदि सिंदरी और निरसा सीट पर भाकपा-माले की दावेदारी होती है, तो एक नया समीकरण देखने को मिल सकता है। इन दोनों सीटों पर भाजपा के विधायक हैं और दोनों ही सीट लाल झंडे का गढ़ है। इन दोनों सीटों पर झामुमो तीसरे स्थान पर रहता आया है। बताया जा रहा है कि इस बार झामुमो इन दोनों सीटों पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगा और भाकपा-माले को दे सकता है। यदि ऐसा होता है, तो यह भाजपा के लिए खतरे की घंटी होगी। निरसा में भाकपा माले के उम्मीदवार अरूप चटर्जी से भाजपा का मुकाबला होगा और तब भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं सिंदरी में भाजपा का मुकाबला चार बार विधायक रहे मासस के केंद्रीय अध्यक्ष आनंद महतो के बेटे बबलू महतो से हो सकता है। झरिया में एक बार फिर मुकाबला देवरानी और जेठानी के बीच होगा। वहीं टुंडी से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो के भी मैदान में उतरने की अटकल है, जबकि कहा यह भी जा रहा है कि धनबाद विधानसभा सीट से भाजपा पूर्व सांसद पीएन सिंह को मैदान में उतार सकती है। राजस्थान और मध्यप्रदेश जैसा प्रयोग भाजपा झारखंड में भी आजमायेगी।

इन छह विधानसभा क्षेत्रों में सबसे ज्यादा चर्चा सिंदरी विधानसभा सीट को लेकर है। सिंदरी से भाजपा के वर्तमान विधायक इंद्रजीत महतो पिछले 39 महीने से कोमा में हैं। वह 2021 के अप्रैल में मधुपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए गये थे। उसी दौरान कोरोना ने उनको जकड़ लिया। पहले उनका इलाज धनबाद में हुआ। फिर 17 अप्रैल 2021 को एयर एंबुलेंस से हैदराबाद ले जाया गया था। वह वहीं हैं। ऐसे में भाजपा के संभावित प्रत्याशी को लेकर चर्चा का बाजार गर्म है।

सिंदरी से चार नामों पर चर्चा खास

अविभाजित बिहार के समय 'लालखंड' नाम से पहचान रखनेवाला सिंदरी विधानसभा क्षेत्र झारखंड बनने के बाद से भगवा रंग में रंगा हुआ है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी यहां से भाजपा को करीब 1.29 लाख वोट मिले थे। विधानसभा चुनाव में भाजपा की तरफ से चार नामों में से किसी एक के उतरने की चर्चा है। सभी मंडलों और ग्रामीण भाजपा पदाधिकारियों ने भी इन्हीं चार नामों पर सहमति दी है। झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने भी इन्हीं चार नामों पर अपनी सहमति दी है। इनमें सिंदरी के वर्तमान विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मजीत सिंह, ग्रामीण जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर तथा व्यवसायी नंदलाल अग्रवाल शामिल हैं। इनमें से धर्मजीत सिंह ऐसा नाम है, जिन्होंने भाजपा में शामिल होने से पूर्व क्षेत्र में अपनी पहचान बनायी है। भाजपा में शामिल होने के बाद से उन्होंने यहां पार्टी को मजबूत किया।

यहां यह भी बता दें कि धर्मजीत सिंह का नाम साल 2019 के चुनाव में भी चर्चा में रहा, लेकिन भाजपा ने पुराने कार्यकर्ता इंद्रजीत महतो को टिकट देकर कुर्मी महतो वोटरों को साधने की कोशिश की। इंद्रजीत महतो जीत तो गये, लेकिन महतो कुर्मी ने भाजपा पर भरोसा नहीं जताया। बीते लोकसभा चुनाव में भी सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के कुर्मी महतो वोटरों ने भाजपा को वोट नहीं दिया। हालांकि क्षेत्र के कुर्मी वोटर, जो वामपंथी मासस के कोर वोटर माने जाते हैं, में सेंधमारी जरूर हुई, लेकिन वह वोट भाजपा को नहीं, अन्य के खाते में गया। ऐसे सीटिंग विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी के नाम की भी चर्चा जोरदार है। भाजपा का एक धड़ा मानता है कि तारा देवी को टिकट देने से सहानुभूति मिलेगी। हालांकि तारा देवी क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं।

भाजपा प्रत्याशी के रूप में तीसरा नाम ग्रामीण जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर का है। वह बलियापुर क्षेत्र से आते हैं और यहां इनकी पकड़ भी मानी जाती है। घनश्याम ग्रोवर 90 के दशक से भाजपा से जुड़े हुए हैं। बलियापुर में भाजपा को मासस के लाल झंडे के खिलाफ स्थापित करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। हालांकि, घनश्याम अपने सीमित दायरे से कभी बाहर नहीं आ पाये। सीधे-सरल स्वभाव के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं में वह जरूर प्रिय हैं, लेकिन जनता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। चौथा नाम व्यवसायी नेता नंदलाल अग्रवाल का चर्चा में है। वह गोबिंदपुर से आते हैं, लेकिन सिंदरी विधानसभा क्षेत्र की जनता से उनका संबंध '36' का ही रहा है। गिने-चुने लोगों के घेरे में रहना ही इनकी दिनचर्या है।

वामपंथी बबलू महतो होंगे उम्मीदवार

सिंदरी में मासस के साथ भाजपा का सीधा मुकाबला होता रहा है। इस बार मासस का विलय भाकपा माले में होने की बात कही जा रही है। ऐसा होने अथवा नहीं होने, दोनों ही स्थिति में बबलू महतो मासस के भावी उम्मीदवार के तौर पर घोषित हैं। हालांकि, औपचारिक घोषणा अभी बाकी है। बबलू महतो का जीवन सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो के तले बीता है। वामपंथी विचारधारा से पोषित हुए, लेकिन वे पिता की तरह छबि नहीं बना पाये। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के कुर्मी वोटर आनंद महतो को अपना नेता मानते हैं, लेकिन बबलू महतो के पक्ष में खड़े नहीं दिखाई देते। बबलू महतो की कमजोरी रही है कि वे अपने पिता के नाम के अलावा अपनी खुद की पहचान स्थापित नहीं कर पाये। फलस्वरूप, बीते लोकसभा चुनाव के दौरान मासस का कोर महतो कुर्मी वोटर जयराम महतो की पार्टी की तरफ खिसक गया। बबलू महतो का भविष्य आगामी विधानसभा चुनाव पर निर्भर है। मासस के कोर वोटर अगर लोकसभा चुनाव की तरह टूटा, तो बबलू महतो के लिए मुश्किल साबित होगा। सिंदरी विधानसभा में कुर्मी महतो के करीब 65 हजार वोटर हैं। बीते लोकसभा चुनाव में करीब 12 हजार कुर्मी महतो ने जयराम महतो के उम्मीदवार अखलाक को वोट दिया। इधर मुसलमान भी झारखंडी भाषा खतियानी संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) को वोट देने का मन बना रहे हैं। झामुमो ने अपना पत्ता नहीं खोला है। झामुमो के भावी उम्मीदवारों में मन्नू आलम और धरनीधर मंडल का नाम चर्चा में जरूर है।

मुसलमान मांग रहे हैं अपना प्रतिनिधि

सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के मुसलमानों का कहना है कि यहां करीब 65 हजार वोटर हैं। धनबाद और बाघमारा में भारी संख्या में मुसलमान रहते हैं। इंडी गठबंधन से मांग की गयी है कि धनबाद के छह विधानसभा क्षेत्रों में एक मुसलमान को टिकट मिलना चाहिए। यदि इंडी गठबंधन इस पर फैसला नहीं लेता है, तो मुसलमान जयराम महतो की पार्टी को समर्थन देंगे। मुसलमानों के नेता और मौलवियों का भी यही कहना है। झामुमो के धनबाद जिला सचिव मन्नू आलम ने भी इस बात का समर्थन किया है।

सिंदरी विधानसभा क्षेत्र का गणित

सिंदरी विधानसभा क्षेत्र में करीब 3.40 लाख मतदाता हैं। इनमें करीब 1.80 लाख पुरुष तथा 1.60 लाख महिला हैं। बीते लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा को 1.29 लाख और कांग्रेस को 87 हजार वोट मिले थे। वहीं 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 81 हजार, मासस के आनंद महतो को 73 हजार और झामुमो के फूलचंद मंडल को 34 हजार मत मिले थे। यदि आगामी विधानसभा चुनाव में झामुमो अपना उम्मीदवार नहीं उतारता है, तो करीब 15 फीसदी मत इधर-उधर होंगे।

सिंदरी में करीब 65 हजार भाजपा के कोर वोटर हैं, जो ब्राह्मण, भूमिहार, रवानी, राजपूत, मंडल आदि विभिन्न जातियों के है। वहीं करीब 65 हजार महतो कुर्मी वोटर हैं, जो आनंद महतो के साथ वामपंथी को वोट देते आ रहे हैं। वहीं करीब इतने ही मुसलमान वोटर हैं, जो झामुमो के कोर वोटर माने जाते हैं। अनुसूचित जनजाति के मतदाताओं की संख्या करीब 83 हजार है, तो वहीं अनुसूचित जाति की संख्या करीब 10 हजार। यहां ग्रामीण मतदाताओं की संख्या करीब 2.53 लाख है, तो वहीं करीब 65 हजार शहरी मतदाता हैं। आकड़ों के अनुसार सिंदरी विधानसभा में मुस्लिम 19.5 प्रतिशत, महतो 13.9 प्रतिशत, मंडल 5.3 फीसदी, सिंह 4.6, रजवार 2.7, बोरी दो प्रतिशत, मुर्मू दो प्रतिशत, गोराई 1.8 प्रतिशत, गोप 1.6 तथा दास 1.6 प्रतिशत, मांझी-मुसहर 1.6 प्रतिशत, कुम्हार 1.6, रे-1.6, रवानी-1.6, प्रसाद 1.6, पांडे 1.3, सोरेन 1.1, चौधरी 1.1, हेंब्रम 1.1, मरांडी 1.1 प्रतिशत हैं। वहीं टुडू और कुंभकाय 1-1 प्रतिशत तथा शर्मा और रजक 1-1 प्रतिशत हैं। जबकि, किस्कू, रविदास 0.8-0.8 प्रतिशत हैं। वहीं यादव भी 0.8 प्रतिशत हैं। सिंदरी में वर्ष 2005 में भाजपा के राजकिशोर महतो विधायक चुने गये। इसके बाद वर्ष 2009 में झाविमो के फूलचंद मंडल ने कब्जा जमाया। वर्ष 2014 में फूलचंद फिर से यहां के विधायक बने। 2019 में भाजपा के इंद्रजीत महतो ने जीत हासिल की।

निराश बैठे हैं जमशेदपुर की छह में से चार विस क्षेत्र के कांग्रेसी

- ■ अलायंस में पोटका, जुगसलाई, घाटशिला, बहरागोड़ा सीट है झामुमो के हवाले
- ■ कभी कांग्रेस का रहता था बोलबाला, पार्टी को ले डूबी गुटबाजी
- ■ अपने लिए एक अदद टिकट को मोहताज हुए सबसे लंबे अर्से तक प्रदेश अध्यक्ष रह चुके प्रदीप बलमुचू
- ■ गुटबाजी के फेर में पोटका में सेकंड पोजीशन पर रहे सुबोध सिंह सरदार का कटा था टिकट

अरुण सिंह

घाटशिला/ जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश में विधानसभा चुनाव वैसे तो नवंबर-दिसंबर में संभावित है, लेकिन उससे पहले होने की अटकलें भी लग रही हैं। राज्य के दक्षिण -पूर्व दिशा के अंतिम छोर पर अवस्थित पूर्वी सिंहभूम जिला में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अपनी पुरानी स्थिति में आने के लिए जद्दोजहद करने की स्थिति में भी नहीं दिख रही है। जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत कुल छह विधानसभा सीटों में कांग्रेस की सेहत की बात करें तो जमशेदपुर पश्चिम सीट से पार्टी की टिकट से बन्ना गुप्ता विधायक हैं, लेकिन सच तो यही है कि उनके विधायक बनने में उनके और उनकी टीम के सहयोगियों का हाथ ज्यादा रहा है, जिला या प्रदेश कांग्रेस के हाथ का सहारा कम माना जाता है।

जमशेदपुर पूर्वी एवं जुगसलाई विस सीट की यदि बात की जाये तो क्रमशः डी नरीमन और त्रिलोचन कालिंदी कांग्रेस का हाथ थाम कर तत्कालीन बिहार प्रदेश में अंतिम दफा विधानसभा पहुंचे थे। अलग राज्य गठन के बाद उपरोक्त दोनों सीटों पर विधायकी नसीब नहीं हो सकी। इसी तरह, पोटका में सनातन सरदार के बाद कांग्रेस का कोई प्रत्याशी विस चुनाव में पार्टी का परचम नहीं लहरा सका। राज्य गठन से पहले शिबू रंजन खा एवं विष्णुपद घोष विधायक हुए थे। लेकिन घाटशिला सीट को प्रदीप बलमुचू ने 2009 तक अवश्य ही बचा कर रखा था। कुल मिला कर, पूर्वी सिंहभूम जिला में जमशेदपुर पश्चिमी विस क्षेत्र अपवाद है, जहां से राज्य के हेल्थ मिनिस्टर बन्ना गुप्ता विधायक हैं।

देश की सबसे पुरानी पार्टी के इस जिला में गर्त में जाने के पीछे सबसे बड़ा कारण अंदरूनी गुटबाजी है। राज्य गठन के समय से अब तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर इंद्रनाथ भगत, थॉमस हांसदा, सुशीला करकेट्टा, प्रदीप बलमुचू, सुखदेव भगत, डॉ अजय कुमार, रामेश्वर उरांव और वर्तमान अध्यक्ष राजेश ठाकुर हैं। दो साल कार्यकारी एवं 2005 से 2013 तक पूर्णकलिक अध्यक्ष पद प्रदीप बलमुचू के पास रहा। सबसे ज्यादा समय इस पद पर बलमुचू रहे हैं। अपने समय में ज्यादा सीट पार्टी को इन्होंने दिलवायी। 1995 से 2009 तक घाटशिला विस सीट से लगातार तीन बार विधायक रहे। 2009 के चुनाव में मात्र लगभग ग्यारह सौ वोटों के अंतर से पराजित हुए, तो फिर विधायक नहीं बन पाये। अब नजर डालते हैं गुटबाजी और पार्टी को हुए नुकसान पर।

कहते हैं समय बलवान होता है, व्यक्ति नहीं। विस चुनाव हारे तो पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी और अहमद पटेल ने बलमुचू को राज्यसभा भेज दिया। 2014 में बलमुचू के स्थान पर सुखदेव भगत प्रदेश अध्यक्ष बन गये। प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी से हटते ही विरोधियों ने बलमुचू को उनकी औकात में लाने की कोशिश शुरू कर दी। वर्ष 2014 के विस चुनाव में घाटशिला सीट से ये अपनी बेटी सिंद्रेला बलमुचू के लिए टिकट मांग रहे थे। प्रदेश कांग्रेस ने सिरे से नकार दिया। कुछ समय पहले तक टिकट वितरण करने वाले बलमुचू असहाय से हो चले थे। आखिरकार सोनिया गांधी के हस्तक्षेप से चुनाव चिह्न मिल तो गया, लेकिन बेटी को तीसरे स्थान पर रहना पड़ा था। इसके बाद आया 2019 का विस चुनाव। आरपीएन सिंह तब झारखंड प्रभारी थे। अपने लिए एक अदद टिकट को तरसना पड़ गया बलमुचू को। आरपीएन सिंह ने बलमुचू को नीचा दिखाने का एक भी मौका नहीं छोड़ा। बलमुचू को कहा कि खूंटी से लोकसभा की तैयारी कीजिये। इन्होंने खूंटी में समय भी दिया। लेकिन वहां से टिकट नहीं मिला। इन्होंने घाटशिला से विस का टिकट मांगा तो झामुमो के साथ अलायंस का हवाला देकर टरका दिया। इतना ही नहीं, प्रभारी ने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी से तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ लड़ जाइये। तब निराश - हताश बलमुचू ने आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया। कहने का मतलब यह कि गुटबाजी के चक्कर में बलमुचू एवं इनके समर्थकों को काफी कुछ झेलना पड़ा। 2009 में बलमुचू ने पोटका से सुबोध सिंह सरदार को खड़ा करवाया था। तब कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। लेकिन अगले चुनाव में सुबोध को बलमुचू से नजदीकी का दंश झेलना पड़ गया। नये प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव भगत ने सुबोध सरदार के स्थान पर दुखनीमाई सरदार को टिकट थमा दिया, जो मात्र लगभग 14 हजार वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहीं। इतना ही नहीं, चुनाव हारने के बाद दुखनी सरदार ने भाजपा ज्वाइन कर लिया।

चुनावी राजनीति में जरूरत के हिसाब से गठबंधन अत्यावश्यक होता है। लेकिन गुटों में बंटे कोंग्रेसियों ने दल को इस स्थिति में ला खड़ा कर दिया कि कांग्रेस को अपनी प्रभाव वाली सीटें अपने सहयोगी दल झामुमो के लिए छोड़नी पड़ी। बहरागोड़ा में झामुमो 2009 में पहली बार जीता। पोटका में कांग्रेस संगठन कमजोर हुआ तो झामुमो को फायदा हुआ। तीन बार विधायक रहे बलमुचू पर पार्टी के विरोधी हावी हुए तो घाटशिला सीट भी हाथ से निकल गयी। अलायंस के फेर में जमशेदपुर पश्चिम एवं पूर्वी दोनों शहरी सीट को छोड़ दें तो बाकी की चारों विधानसभा सीट इंडी गठबंधन में कांग्रेस के हाथों से निकल कर झामुमो के हिस्से में काफी पहले जा चुकी हैं। पश्चिमी से बन्ना गुप्ता का लड़ना तय माना जा रहा है तो पूर्वी सीट पर जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे पुरजोर तैयारी कर रहे हैं। लेकिन इसी बीच पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार ने भी यहां का दौरा तेज कर दिया है। अब देखना है पार्टी इन दोनों में किसी एक को मौका देगी या कोई तीसरा बाजी मार ले जायेगा। विधानसभा चुनाव सिर पर है। वर्षों से कांग्रेस का झंडा ढोने और जिंदाबाद का नारा लगानेवालों की भी कुलबुलाहट बढ़ी है। पोटका में पिछले दिनों कोंग्रेसियों ने बैठक कर केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व से मांग की कि पोटका में अपनी खोयी विरासत को वापस लाने का मौका दिया जाये। मुखिया शेख जबीरुल्लाह, सोमेन मंडल, जयराम हांसदा, आनंद दास, आनंद पाल आदि ने कहा कि गठबंधन के बावजूद इस बार पोटका सीट पर सुबोध सिंह सरदार को दोस्ताना मुकाबले का अवसर मिलना चाहिए। इसी तरह, घाटशिला सीट पर वरिष्ठ नेता तापस चटर्जी बंग भाषी उम्मीदवार सुनील सिंह को उतारने की वकालत करते हैं। तापस का तर्क है कि विधानसभा चुनाव में गठबंधन दल के लिए सीट छोड़ने से कांग्रेस समर्थक बांग्ला भाषी मतदाताओ का वोट भाजपा के पक्ष में चला जाता है। कुल मिला कर, कहा जा सकता है कि गुटबाजी के कारण कांग्रेस का संगठन दिनोदिन कमजोर हुआ और उसके कार्यकर्ताओं में निराशा घर करती गयी। इसका नतीजा सामने है। अब लोकसभा चुनाव के लिए जमशेदपुर सीट से कांग्रेस की टिकट पर ताल ठोकने कोई नेता आगे नहीं आता। ऐसे में न चाहते हुए भी कांग्रेस ये सीट झामुमो की झोली में डालने को विवश हो जाती है।

www.epaper.azadsipahi.in

10 अगस्त, 2024
श्रावण, शुक्ल पक्ष, षष्ठी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 09, अंक 291

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

जम्मू-कश्मीर में चुनाव जल्द : चुनाव आयुक्त

सिसोदिया को 17 महीने बाद सीबीआइ-ईडी केस में बेल

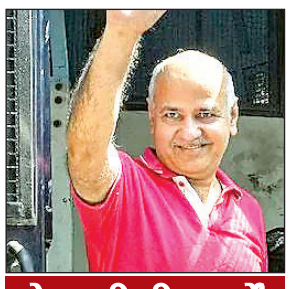

बेल की तीन शर्तें

- ईडी और सीबीआइ मामले में 10-10 लाख का बेल बांड भरें।
- अपना पासपोर्ट जमा करें, सबूतों-गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे।
- हर सोमवार और गुरुवार को नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करनी होगा।

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत दे दी। वह जेल से रिहा हो गये। सिसोदिया 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद थे। सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े सीबीआइ और इडी दोनों केस में राहत मिली है। सीबीआइ ने भ्रष्टाचार केस में सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। इडी ने 9 मार्च, 2023 में उन्हें मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि केस में अब तक 400 से ज्यादा गवाह और हजारों दस्तावेज पेश किये जा चुके हैं। आनेवाले दिनों में केस खत्म होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। ऐसे में सिसोदिया को हिरासत में रखना उनके स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा। सिसोदिया को 10-10 लाख का बेल बांड भरना होगा। इसके बाद सिसोदिया बाहर आयेंगे। गौरतलब है कि जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथ की बेंच ने सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुनाया है। बेंच ने तीन दिन पहले 6 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। 4 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से इनकार किया था। उन्होंने दोबारा विचार करने की याचिका लगायी थी।

झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 का हुआ भव्य शुभारंभ

सभ्यता, संस्कृति और मान-सम्मान के साथ समझौता नहीं किया : हेमंत

- मुख्यमंत्री ने कहा कि महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन, सभ्यता, संस्कृति को संजोने, संवारने और अलग पहचान दिलाने का एक बेहतर प्रयास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि और राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष-सह-राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य में तीसरी बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है। यह सिर्फ एक महोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन और समृद्ध जनजातीय सभ्यता-संस्कृति और विरासत को संजोने, संवारने और देश -दुनिया में पहचान दिलाने का एक प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज ने कभी अपनी सभ्यता, संस्कृति और मान-सम्मान के साथ समझौता नहीं किया। झारखंड के आदिवासियों को विरासत में संघर्ष मिला है। जल-जंगल-जमीन की रक्षा की खातिर लंबा संघर्ष किया। हमें गर्व है अपने उन वीरों पर, जिन्होंने अन्याय, शोषण एवं देश-राज्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्यभर में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति की चमक बिखेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन और कला-संस्कृति को अलग पहचान देने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। यहां आयोजित हो रहे आदिवासी महोत्सव में हमें आदिवासियों की कला -संस्कृति, परंपरा, गीत- नृत्य और उनकी वेशभूषा से रूबरू होने का मौका मिल रहा है। कार्यक्रम में कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा,

जनजातीय सभ्यता, दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है। आदिकाल से ही आदिवासियों की सभ्यता-संस्कृति और परंपरा काफी समृद्ध रही है। दुनिया में अलग-अलग हिस्सों में आदिवासी समुदाय वास करते हैं, लेकिन उनकी सभ्यता-संस्कृति में कहीं न कहीं एकरूपता देखने को मिलती रहती है। जनजातीय कला-संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित करने के साथ समृद्ध करने की जरूरत है, ताकि आनेवाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत हमेशा बना रहे।

वीरों और शहीदों की धरती है झारखंड

हेमंत ने कहा कि झारखंड सदियों से वीरों और शहीदों की धरती रही है। चाहे आजादी के पहले की बात हो या आजादी के बाद अथवा झारखंड अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, भैरव-चांद, फूलो झानो, नीलांबर-पीतांबर, तिलका मांझी, शेख भिखारी, बुधु भगत, टाना भगत, निर्मल महतो और विनोद बिहारी महतो जैसे अनेकों वीर हुए हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण, आदिवासी-मूलवासी के हक-अधिकार, और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दे दी। अपने इन वीर शहीदों को नमन है।

लोगों की उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार से जनता को काफी उम्मीदें हैं। हम जन आकांक्षाओं को पूरी ताकत के साथ पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस सिलसिले में सरकार की ओर से अनेकों कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही हैं। इन योजनाओं के जरिए राज्य की जनता को सशक्त और स्वावलंबी बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत चुनौतियों के बीच भी राज्य में विकास को नया आयाम देने का कार्य कर रहे हैं, ताकि आनेवाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य दे सकें।

झारखंड की धरती वीरों की भूमि रही है: राज्यपाल

रांची (आजाद सिपाही)। समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन हम सबके लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमारे आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं, और उनके अद्वितीय योगदान का उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करता है। झारखंड की धरती वीरों की भूमि रही है। यहां की माटी में जन्मे बीर बुधु भगत, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, और जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन सभी के बलिदानों को स्मरण करते हुए, मैं उनके प्रति अपना श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। राज्यपाल ने कहा कि हमारे जनजातीय समुदाय का इतिहास गौरवशाली रहा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका अद्वितीय रही है। उनकी वीरता और पराक्रम की गाथाएं भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। राज्यपाल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जनजातियों द्वारा संरक्षित कला, संस्कृति, लोक साहित्य और रीति-रिवाज न केवल हमारे देश, बल्कि विश्वभर में ख्यातिप्राप्त हैं। उनका पर्यावरणीय ज्ञान और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का दृष्टिकोण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर, मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक हों। शिक्षा किसी भी समाज की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सरकार द्वारा इस दिशा में कई छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित हैं और हमारे छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिले, यह सुनिश्चित हो।

12 पुस्तकों का विमोचन हुआ, 257 लोगों को मिला सामुदायिक वन पट्टा

महोत्सव में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्यों ने डॉ राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित 12 पुस्तकों का विमोचन किया। वहीं, 257 लोगों के बीच 73 हजार 5 सौ 83 एकड़ सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया। महोत्सव की शुरुआत में गणमान्यों ने शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वहीं, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने आदिवासी प्रदर्शनी शिविर और आदिवासी चित्रकार शिविर का उद्घाटन और अवलोकन किया।

राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन और राजेश कच्छप, मुख्य सचिव एल. खियांगते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, राज्यपाल के प्रधान सचिव नीतिन मदन कुलकर्णी, कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा एवं आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा सहित कई वरीय अधिकारी एवं गणमान्य मौजूद थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर रह-रह कर हमले जारी

- भारत में घुसने की फिराक में बांग्लादेश के सैकड़ों हिंदू

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद से ही हिंदुओं पर अत्याचार शुरू हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बांग्लादेश में जगह-जगह से हिंदू समुदाय के घरों और उनके मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट की जा रही हैं। हिंदुओं पर रह-रह कर हमले हो रहे हैं। हिंसा के सैकड़ों पीड़ित बांग्लादेशी हिंदू भाग कर भारत जाने की नाकाम कोशिशें कर रहे हैं। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिस्चियन यूनिटी काउंसिल का कहना है कि बांग्लादेश के कुल 64 जिलों में से 45 में पिछले कुछ दिनों में हिंदुओं के घरों, दुकानों या मंदिरों को निशाना बनाया गया है। सूत्रों की मानें तो एक हिंदू प्रोफेसर को हथौड़े से बेरहमी से मार दिया गया। हिंदू परिवारों ने बांग्लादेश में अपना सब कुछ खो दिया है और अब भी हिंदू संगठन खुल कर बोलने से डर रहे हैं।

गौरतलब है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर बृहस्पतिवार को शपथ ली। इसके बाद भी हिंदू डरे-सहमे हैं। रह-रह कर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। हर तरफ दीवारों पर आजादी के नारे लिखे हैं। सड़कों पर आंदोलन करनेवाले छात्र अब चौराहों पर ट्रैफिक और बाकी व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। सड़कों पर पुलिस या आर्मी न के बराबर है। सड़क पर हिंसा के निशान साफ देखे जा सकते हैं। अब भी ढाका में पुलिसवाले कम ही दिखायी दे रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले एक हफ्ते में बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों को अपने घरों और कारोबारों को लुटते और आग के हवाले होते देखा गया। जैसे-तैसे अपनी जान बचा कर वे भारत से लगी सीमा पर ही जमा हो गये हैं। उधर, जब से बांग्लादेश में हिंसा बढ़ी है, भारतीय सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गयी है, लेकिन बांग्लादेश की सीमा के पास रहनेवाले हिंदू सीमा की ओर भाग कर भारत सरकार से आश्रय देने की गुहार लगा रहे हैं।

हिंदुओं की रक्षा के लिए केंद्र सरकार ने कमेटी बनायी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने बांग्लादेश में चल रहे हालात को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा

(आइबीबी) पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाये रखेगी, ताकि वहां रहनेवाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार हरसंभव प्रयास करेगी, ताकि बांग्लादेश में भारतीय और हिंदू समुदायों के हितों की रक्षा की जा सके।

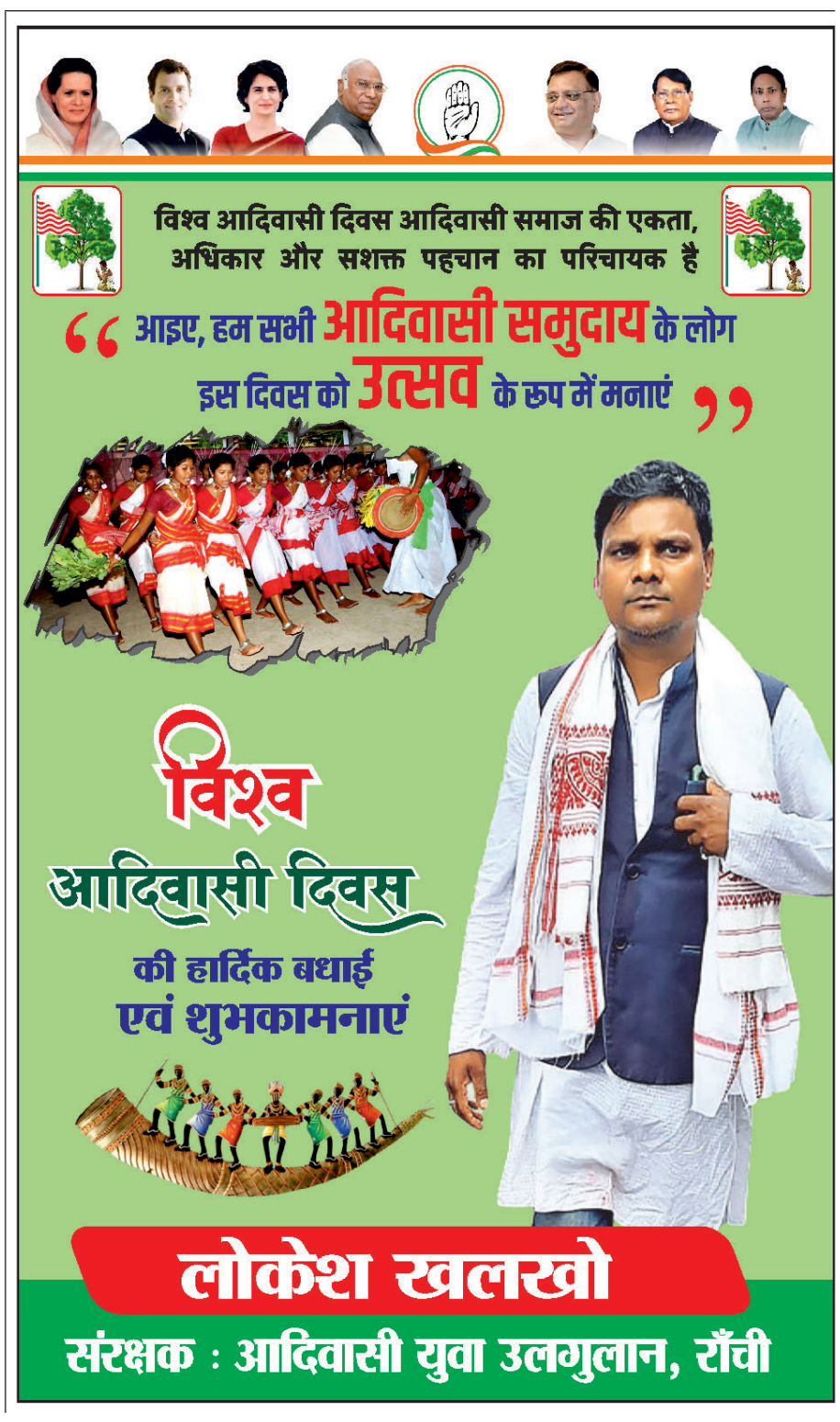

वक्फ बिल पर विचार के लिए बनी 31 सदस्यीय जेपीसी

- लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सांसद होंगे
- झारखंड से सांसद निशिकांत दुबे कमेटी के सदस्य
- औवेसी, सपा के मोहिबुल्ला और कांग्रेस के इमरान भी शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। लोकसभा ने शुक्रवार को वक्फ संशोधन बिल के लिए बनायी जाने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस समिति में 31 सदस्य होंगे। इसमें लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 मेंबर होंगे। समिति को रिपोर्ट संसद के अगले सत्र के पहले हफ्ते में देनी होगी। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव रखा था। गौरतलब है कि रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध किया था। विपक्ष की आपत्ति और भारी विरोध के बीच ये बिल लोकसभा में बिना किसी चर्चा के जेपीसी को भेज दिया गया था।

राज्यसभा से ये होंगे दस सदस्य: जेपीसी में राज्यसभा से 10 सदस्य होंगे। इनमें भाजपा के चार और कांग्रेस का एक सांसद है। इनमें बृज लाल (भाजपा), मेधा विश्राम कुलकर्णी (भाजपा), गुलाम अली (भाजपा), राधा मोहन दास अग्रवाल (भाजपा), सैयद नसीर हुसैन (कांग्रेस), मोहम्मद नदीम उल हक (टीएमसी), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (डीएमके), संजय सिंह (आप) वी विजयसाई रेड्डी (वाइएसआरसीपी) और धर्मस्थल वीरेंद्र हेगड़े (राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत)।

भाजपा के सात और कांग्रेस के तीन सांसद

लोकसभा से 21 सदस्य समिति में रखे गये हैं। इनमें भाजपा के सात और कांग्रेस के तीन सांसद हैं। बाकी अन्य दल के सांसद शामिल हैं। लोकसभा से ये होंगे जेपीसी के सदस्य- जगदंबिका पाल (भाजपा) निशिकांत दुबे (भाजपा), तेजस्वी सूर्या (भाजपा), अपराजिता सारंगी (भाजपा), संजय जायसवाल (भाजपा), दिलीप सैकिया (भाजपा), अभिजीत गंगोपाध्याय (भाजपा), डीके अरुणा (एसआरसीपी), गौरव गोगोई (कांग्रेस), इमरान मसूद (कांग्रेस), मोहम्मद जावेद (कांग्रेस), मौलाना मोहिबुल्ला (सपा), कल्याण बनर्जी (टीएमसी), ए राजा (डीएमके), एलएस देवरायलु (टीडीपी), दिनेश्वर कामत (जदयू), अरविंद सावंत (शिवसेना, उद्धव गुट), सुरेश गोपीनाथ (एनसीपी, शरद पवार), नरेश गणपत मास्के (शिवसेना, शिंदे गुट), अरुण भारती (एलजेपी-आर) और असदुद्दीन ओवैसी (एआइएमआइएम)।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

राजधानी में विश्व आदिवासी महोत्सव 2024 की झलकियां

दो दिवसीय नेचुरोपैथी कार्यशाला शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में योगिक साइंस एवं नेचुरोपैथी विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय नेचुरोपैथी कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) नीलिमा पाठक, सह संकायाअध्यक्ष डॉ राधा माधव झा, कार्यक्रम समन्वयक आशुतोष द्विवेदी, प्रधानाचार्य, डॉ. सुभानी

बाड़ा की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. विजय कुमार सिंह ने योग एवं नेचुरोपैथी को भारतीय संस्कृति का धरोहर करार दिया। डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने नेचुरोपैथी के महत्व को बताते हुए कहा कि यह हमारी आधुनिक चिकित्सा पद्धति है एवं यह स्व से स्वयं की चिकित्सा करती है।

कार्यक्रम में विभिन्न पैक और शिरोधारा आदि में लोगों को सहयोग करने के लिए अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, पंकज केसरी, अंजना कुमारी सिंह, गीता दास, रूपा कुमारी, संतोष कुमार, शिव कुमार, अभिजीत कुमार एवं अन्यान्य ने सहयोग किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के शिक्षकों के अलावा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धति का लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मौर्य तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री आशुतोष त्रिवेदी जी ने किया। कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बिजय कुमार दलान, डॉ. प्रदीप वर्मा और डीजी प्रो. गोपाल पाठक ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सैनिक बाजार दुकानदार संघ के अध्यक्ष बने धर्मेंद्र तिवारी

रांची (आजाद सिपाही)। सैनिक बाजार दुकानदार संघ के तत्वावधान में दुकानदारों की बैठक सैनिक बाजार प्रांगण में हुई। इसमें सभी दुकानदारों ने धर्मेंद्र तिवारी को सैनिक बाजार दुकानदार संघ का अध्यक्ष चुना। दूसरी ओर दिनेश ठक्कर को महामंत्री, भागवत प्रसाद को मंत्री और कोषाध्यक्ष रिजवान उल हक को चुना गया। 11 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन भी किया गया, जिसमें संजय सिंह, विमलेश सिंह, शकील भाई, गुड्डू, जमाल, सोनी मेहता, खोखन दादा, रुपेश अग्रवाल शामिल हैं। श्री तिवारी ने कहा कि मार्केट को स्वच्छ बनाने और ग्राहकों से अच्छा व्यवहार का ध्यान दुकानदार रखें। भूतपूर्व सैनिकों की 16 दुकानों को खाली करने का आदेश निदेशालय ने एसडीओ रांची से ले लिया था, लेकिन सभी ने मिलकर हाइकोर्ट से स्टे लिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण रवैया सैनिक कल्याण निदेशालय का है। दुकानदारों ने एक स्वर में कहा कि 15 दिनों में मांगों पर विचार सरकार नहीं करती है, तो आगे की रणनीति पर विचार करेंगे।

महत्वपूर्ण खबरें

सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी एलएपी

रांची (आजाद सिपाही)। लोकहित अधिकार पार्टी की बैठक जिलाध्यक्ष भागवत साह की अध्यक्षता में पालगंज में संपन्न हुई। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू, प्रधान महासचिव मो अजहर आलम, प्रदेश महासचिव अकलेश्वर प्रसाद साहू उपस्थित थे। सुनील साहू ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रधान महासचिव मो अजहर आलम ने कहा कि जीत दर्ज करने के लिए कुछ विशेष सीटों को चिह्नित किया जा रहा है। सर्वसम्मति से संगठन विस्तार भी किया गया। तारीक साव को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भागवत साह को गिरिडीह जिलाध्यक्ष, गोपाल साव को गिरिडीह नगर अध्यक्ष, मनोज साहू को गिरिडीह प्रखंड अध्यक्ष, मोहम्मद हुसैन को पिरटांड़ प्रखंड अध्यक्ष और योगेश साव को महासचिव, शिव शंकर साहू को जिला कार्यकारी अध्यक्ष, टिंकू साव को जिला महासचिव, कामेश्वर साव को जिला संगठन सचिव, मो मोइन अंसारी को जिला सचिव, नरेश साव को जिला कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में सुरेंद्र कुमार, प्रदीप प्रसाद वर्मा, बुधन साव, कुलदीप कुमार, दिलीप साव, अवध कुमार राम, अजय कुमार साव समेत अन्य उपस्थित थे।

एसबीयू में कार्यशाला का हुआ आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। सरला बिरला विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन कौंसिल और आइक्यूएसी के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रभारी कुलपति प्रो एसबी डांडिन, आइआइसी अध्यक्ष सह डीन डॉ पंकज गोस्वामी, उपाध्यक्ष डॉ संदीप कुमार, नीलिमा पाठक ने संयुक्त रूप दीप जला कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रो एसबी डांडिन ने विद्यार्थियों को उनके कौशल के समुचित उपयोग के लिए उचित मार्गदर्शन लेने का सुझाव दिया। उन्होंने मुकेश अंबानी, रतन टाटा, नारायणमूर्ति जैसे सफल उद्यमियों की सफलता यात्रा से सीख लेने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के दौरान डॉ गौतम तांती, डॉ पंकज गोस्वामी और डॉ संदीप कुमार ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ नित्या गर्ग ने किया। इस अवसर पर विवि के कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, लॉ और फॉर्मेसी के छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

विश्व आदिवासी दिवस पर जुलूस निकाला गया

रांची (आजाद सिपाही)। आदिवासी युवा उलगुलान संगठन की ओर से विश्व आदिवासी दिवस पर जुलूस निकाला गया। अध्यक्ष प्रमोद टोप्पो ने इसका नेतृत्व किया। संरक्षक लोकेश खलखो ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के लिए विशेष दिन है। उपेंद्र रजक ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी के अधिकारों और कल्याण की विशिष्ट पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। उन्होंने संस्कृति, परंपरा को बचाने के लिए युवाओं को आगे आने को कहा। प्रमोद टोप्पो, पवन मुंडा, राहुल कश्यप, अमन कुजूर, सुभाष कुजूर, कुणाल कुजूर, जूलियन खजूर, कंचनु उरांव, रेशमा मुंडा, विकास मुंडा, राहुल कश्यप, पावन मुंडा समेत अन्य उपस्थित थे।

डीएसपीएमयू में मना विश्व आदिवासी दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के टीआरएल विभाग के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रो रामदास उरांव ने की। पूर्व कुलपति डॉ प्रो सत्यनारायण मुंडा ने आदिवासी संस्कृति की झलक से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने आदिवासियों से हर क्षेत्र में भागीदारी की बात की, ताकि उनका अस्तित्व शेष रहे। रांची विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के रिटायर प्रो दिवाकर मिंज ने आदिवासियों में पायी जानेवाली विभिन्न विशेषताओं और विभिन्नताओं की विस्तार से चर्चा की। कहा कि आदिवासी समाज में साहित्य का सृजन आवश्यक है, जो उनकी प्रगति और उन्नति का सूचक है। विभागाध्यक्ष डॉ गणेश चंद्र बास्के ने कहा कि जनजातीय समुदाय ही जैव विविधता की रक्षा करते हैं। जय किशोर मंगल, मनोज कच्छप, लक्ष्मीकांत प्रमाणिक, सीता कुमारी, संतोष मुर्मू सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रेस क्लब में फोटो प्रदर्शनी 18-19 को

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी में आगामी 18 और 19 अगस्त को झारखंड फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन और द रांची प्रेस क्लब की ओर से वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर फोटो प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इसे लेकर पोस्टर का विमोचन 9 अगस्त को किया गया। प्रतिभागियों को रांची प्रेस क्लब में फोटो का प्रिंटआउट 10 अगस्त से 16 अगस्त तक जमा करना है, जिसमें रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपया जमा करना है।

संत जेवियर्स ने मनाया आदिवासी दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर संत जेवियर्स कॉलेज रांची में शुक्रवार को आदिवासी युवा चेतना मंच, एआइसीयूएफ एवं आइक्यूएसी के द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय आदिवासी युवा झ पारंपरिक ज्ञान, संरक्षण एवं प्रेषण रहा। पूर्व मेयर रमा खलखो एवं सोसाइटी ऑफ जीसस के प्रोविंशियल डॉ फादर अजित कुमार खेस एसजे मुख्य अतिथि थे। संविधान प्रस्तावना पाठ और पुष्पांजलि अर्पित किये जाने के बाद समारोह शुरू हुआ। झारखंड के एआइसीयूएफ के एनिमेटर जेनी टोप्पो और जॉन पंकज कुजूर ने आदिवासी दिवस के बारे में बताया। प्राचार्य डॉ फा

एन लकड़ा एसजे ने आदिवासी नवयुवकों को सशक्त और तूफान से टकराने जीतना मजबूत बनाने को कहा। कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ फा रॉबर्ट प्रदीप कुजूर, संत जेवियर्स इंटर के प्रधानाध्यापक फा अजय अनिल तिर्की, एक्सआइएसएस के डायरेक्टर फा मरियानुस कुजूर, आइकफ राज्य सलाहकार डॉ फा अजय अरुण मिंज, कोषाध्यक्ष फा प्रभात केनेडी सोरेन, बर्सर फा हेमंत कुजूर एवं विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण आदि मौजूद थे।

कार्डियोलॉजी विभाग और कैथ लैब का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

हाजीपुर। शुक्रवार को पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा पटना जं. स्थित केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में नवीनीकृत कार्डियोलॉजी विभाग एवं कैथ लैब का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जगदीश चंद्रा, चिकित्सा निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह सहित अस्पताल के अन्य चिकित्सकगण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि इस नवीनीकृत कार्डियोलॉजी विभाग एवं कैथ लैब के चालू हो जाने का लाभ हृदय रोग से ग्रसित पूमरे के सभी मंडलों सहित अन्य क्षेत्रीय रेलवे के कर्मचारियों/लाभार्थियों को मिल सकेगा । साथ ही उन्होंने

केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया । प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जगदीश चंद्रा ने इस अवसर पर भविष्य में अस्पताल के विकास के लिए रोडमैप से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया गया। चिकित्सा निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि पटना स्थित इस केंद्रीय अस्पताल में प्रतिदिन ओपीडी में 800 से 900 मरीजों एवं आइपीडी में एक माह में लगभग 700 मरीजों का इलाज किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन अति.मुख्य स्वास्थय निदेशक (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. संध्या किरण द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन अति.मुख्य स्वास्थय निदेशक (प्रशासन) डॉ. ए.के.ओझा द्वारा किया गया ।

संत माइकल स्कूल में पौधरोपण

रांची (आजाद सिपाही)। सेंट माइकल पब्लिक स्कूल न्यू अशोक नगर में पौधरोपण अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में नीम, पीपल, आम के पौधों को लगाया गया। इस कार्यक्रम में राजीव स्वरूप मंडल, अर्चना मल्होत्रा, अनकाना विश्वास और मुकुल राज उपस्थित रहे। इस मौके पर छात्राओं के द्वारा मांदर की थाप पर आदिवासी नृत्य के जरिये अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रावणी पांडेय ने स्वागत किया। कक्षा प्रथम की छात्रा देवेन्या द्विवेदी और कक्षा द्वितीय की छात्रा प्रिशा भारद्वाज ने कविता प्रस्तुत की। साथ ही कक्षा तृतीय की छात्रा श्रेया शर्मा, खुशबू कुमारी, दानिन साजिद और अविनिशा सिन्हा के द्वारा पौधा लगाने की महत्व पर स्लोगन प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक डॉ दीपक कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य खतरे में पड़े पर्यावरण को बचाने का है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक रमाकांत प्रसाद, सुषमा सिन्हा, श्रावणी पांडेय, उप प्राचार्य अक्षय कुमार सिन्हा उपस्थित थे।

केंद्रीय सरना समिति ने बांटे 20 हजार पौधे

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर केंद्रीय सरना समिति, चडरी सरना समिति की ओर से केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में अल्बर्ट एक्का चौक में 20 हजार पौधा का वितरण किया गया। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड प्रदेश में सरकार के द्वारा आदिवासी महोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ आदिवासी समाज के साथ अत्याचार, शोषण का विरोध किया। कहा कि झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री आदिवासी महोत्सव मना रहे हैं। जब तक आदिवासी समाज सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक आदिवासी महोत्सव मनाना उचित नहीं है। केंद्रीय सरना समिति विश्व आदिवासी दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया। मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि प्राकृतिक-पर्यावरण को बनाये रखने पर ही हम सभी कोई सुरक्षित रह सकते हैं। मौके पर विधायक सीपी सिंह, संजीव विजयवर्गीय, डीएसपी प्रकाश सोय, थाना प्रभारी रंजीत सिन्हा, केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा, जगलाल पाहन, सुरेंद्र लिंडा, कुमोद कुमार वर्मा, शोभा कच्छप, जगन्नाथ तिर्की समेत अन्य उपस्थित थे।

केंद्रीय सरना समिति ने निकाला जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की के नेतृत्व में तीर-धनुष, ढोल-मांदर, नगाड़ा के साथ जुलूस निकाला गया। अल्बर्ट एक्का को माल्यार्पण कर पौधों का वितरण किया गया। इसका समापन बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर हुआ। फूलचंद तिर्की ने कहा कि 9 अगस्त 1994 को विश्व स्तर पर आदिवासी परंपरा संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने पर सहमति हुई। आदिवासियों को अभी तक सरना कोड नहीं मिल पाया है। महासचिव संजय तिर्की ने कहा कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस में आदिवासी परंपरा संस्कृति बचाने, जल, जंगल, जमीन बचाने का संकल्प लिया गया। उपाध्यक्ष प्रमोद एक्का सहाय तिर्की, संजय तिर्की, महिला शाखा अध्यक्ष नीरा टोप्पो, निशा भगत, रायमनी मुंडा, उषा खलखो, नगिया टोप्पो, अमर तिर्की, ललित कच्छप, भुवनेश्वर लोहार, शीला मिंज, सत्यनारायण लकड़ा, जादो उरांव, बना मुंडा समेत अन्य शामिल हुए।

इक्फाइ विश्वविद्यालय में नये बैच के छात्रों का वेलकम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाइ विश्वविद्यालय झारखंड ने ओरियेंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। इसकी शुरुआत रजिस्ट्रार प्रो जेबी पटनायक के आध्यात्मिक और प्रेरक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को सही व्यवहार और मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो रमन कुमार झा ने छात्रों को सफल इंसान बनने के लिए कड़ी मेहनत करने और जीवन में अनुशासन बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शास्त्र, तंत्र, शिक्षा और कला पर ध्यान केंद्रित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो एसपी सिंह ने छात्रों को प्रेरित किया और शिक्षा का अर्थ को समझाया। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मोहम्मद मासूम हैदर ने परियोजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ एस चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण के लिए भूमि पूजन

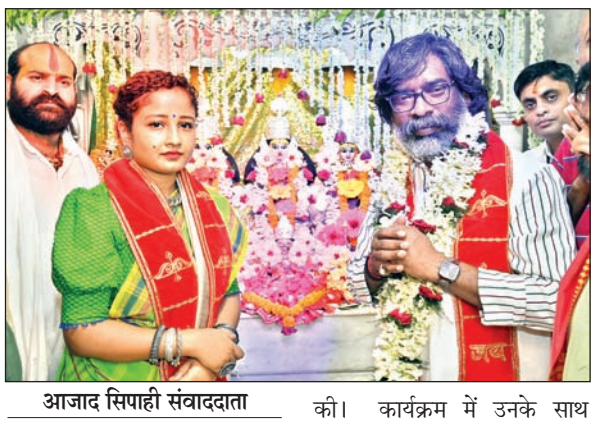

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को श्री राम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण के लिए प्रस्तावित प्रतिकृति के अनावरण और भूमि पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राज्य की उन्नति, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। कार्यक्रम में उनके साथ कल्पना सोरेन ने भी हिस्सा लिया। बता दें कि 500 करोड़ की लागत से अगले तीन वर्षों में तपोवन मंदिर का पुनर्निर्माण किया जायेगा। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर का मॉडल बनानेवाले आर्किटेक्ट आशीष सोनपुरा ने ही तपोवन मंदिर की नयी प्रतिकृति तैयार की है।

राजीव रंजन मिश्र ने किया स्वागत

रांची (आजाद सिपाही)। श्री महावीर मंडल रांची के द्वारा पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में श्री राम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण के लिए प्रस्तावित प्रतिकृति का अनावरण सह भूमिपूजन कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर चंपत राय, सीएम हेमंत सोरेन सोरेन, बाबूलाल मरांडी, ओम प्रकाश शरण, संगठन मंत्री भाजपा कर्मवीर सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक गोपाल जी सहित सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में किशोर साहू, शंकर दुबे, लंकेश सिंह, रवि कुमार पिंकू, अर्जुन राम, राहुल सिन्हा चंकी, संजय सिंह लल्लू सहित अन्य उपस्थित थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.0 °C	23.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.26 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.22 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 10 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

रांची में विश्व आदिवासी महोत्सव की धूम

आदिवासियत देखनी हो तो बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान पहुंचिये

मडुआ आटा, फुटकल का आचार और महुआ का लड्डू सब मिल रहा

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के जेल चौक स्थित बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में 9 और 10 अगस्त को झारखंड आदिवासी महोत्सव मनाया जा रहा है। राज्य के कोने-कोने से आदिवासी पुरुष-महिला और बच्चे पारंपरिक वेश भूषा में इस महोत्सव में शामिल होने शुक्रवार को पहुंचे। परिसर में चारों तरफ ऐसे पंडाल सजे हैं, जो झारखंड के आदिवासी संस्कृति से जुड़े हैं। राज्य में रहनेवाले आदिवासियों की परंपरा और संस्कृति को अगर देखना हो तो इस महोत्सव में जरूर पहुंचे। आज से 50 साल पीछे या आज की तारीख में भी घने जंगलों में रहनेवाले आदिवासियों की जीवन शौली से सीधे रूबरू होंगे। आयोजन का श्रेय राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जाता है। इस परिसर में जिस तरह से आदिवासियों की संस्कृति को समेटने की कोशिश की गयी है वह जरूर देखने लायक है। झारखंड ट्रायवल डेवलेपमेंट सोसायटी का एक स्टॉल लगा है। इसमें आदिवासियों का प्रिय भोजन मडुआ का आटा बिक रहा है। देहाती अरहर की दाल, उड़द दाल, फुटकल का साग और जंगल में मिलने वाले अन्य खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे हैं। यहां कई

वैसी दवायें बेची जा रही हैं जो जंगली जड़ी-बूटी से बेची जा रही हैं। गैस, पैर दर्द, खुजली और साबुन भी बेचे जा रहे हैं। एक पंडाल टीआरआइ का लगा हुआ है। इसमें महुआ का लड्डू, गोंदली और अन्य सामान हैं। सुमंडी मुंडाइन कहती है कि सब हाथ से बना है और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी है। पलाश नामक एक स्टॉल है। इसे चमेली आजीविका सखी मंडल सेरका बिशुनपुर की महिलाएं चलाती हैं। इस स्टॉल में बसंती देवी मिली। कहती हैं बिशुनपुर से आये हैं, रुगड़ा, कटहल का आचार रखी हुई हैं। सब सखी मंडल के सदस्यों ने बनाया है। कहती हैं कि हाथ से बना है इसलिए स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। एक स्टॉल अबुआ वीर अबुआ दिशोम अभियान का भी मिला। मूलरूप से इस स्टॉल के लोग आदिवासियों को यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि कोई भी व्यक्ति वन क्षेत्र में वर्ष 2006 से पहले जहां रह रहा है वह उस जमीन का मालिक कैसे बन सकता है। एक तरह से कानून बताने के लिए कुछ जानकार उस स्टॉल में बैठे हुए थे। एक स्टॉल में मांदर, ढोल और अन्य वाद्य यंत्र बेचे जा रहे थे। इसके ठीक आगे फिया फाउंडेशन का स्टॉल लगा था यहां अर्चना टोप्पो मिलीं, कहती हैं कि यहां के लोग खेती कैसे करें और किस मिट्टी में किस तरह की खेती करें यह बताने की कोशिश की जा रही थी। इस महोत्सव में होल एंड सेल रिटेलर का स्टॉल भी है। यहां आदिवासियों को साड़ी और अन्य कपड़े, लॉकेट, शर्ट, टीशर्ट बेचा जा रहा है। यह महोत्सव शनिवार को समाप्त होगा। इसके उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार, झामुमो के अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन और कई नामचीन हस्तियां शामिल थीं।

पेसा कानून को झारखंड में जल्द लागू कराये सरकार : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य में पेसा कानून जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि जनजातीय समुदाय की पारंपरिक शासन व्यवस्था की मजबूती के लिए राज्य में पेसा कानून लागू किया जाना आवश्यक है। वर्तमान में देश में झारखंड एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पेसा

कानून लागू नहीं है। मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वह जल्द ही इसे राज्य में लागू करायें। राज्यपाल ने कहा कि देश के कलाकारों, शिल्पकारों और चित्रकारों का स्वागत करता हूं, जिन्होंने मौसम खराब होने के बावूजद इस महोत्सव को सफल बनाने में अपना योगदान दिया है। झारखंड वीरों की भूमि है। जनजातीय समुदाय का इतिहास गौरवशाली है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष कठिन परिश्रम-प्रयत्न से महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी, रोग-ऋण-शत्रुबाधा से छुटकारा मिलेगा।

वृष नौकरी-व्यापार में सफलता मिलेगी, किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा।

मिथुन आजीविका की स्थिति में सुधार होगा, बकाये रकम, वस्त्र-आभूषण की प्राप्ति होगी।

कर्क धार्मिक-सामाजिक क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा,महत्वकांक्षा पूरी होगी।

सिंह क्रोध-जोश-उतावलेपन में वृद्धि होगी, वाहन की सवारी सावधानी से करें।

कन्या नौकरी में स्थानांतरण-पदोन्नति होने की संभावना, महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा, आर्थिक लाभ।

तुला परिवार में संतान के विवाहादि मांगलिक कार्य सम्पन्न होगा.स्वजन-मित्रों का सहयोग।

वृश्चिक संतान पक्ष से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी,व्यवसाय की स्थिति में सुधार,संतोषजनक धनलाभ होगा।

धनु इच्छित कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी, विरोधियों पर विजय।

मकर आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, रोग-ऋण-शत्रुबाधा का शमन, घर-गृहस्थी में सुख-शांति होगी।

कुंभ स्वास्थ्य बाधा,दिमागी तनाव,इष्ट-मित्रों-स्वजनों से मार्मिक पीड़ा, परिश्रम-प्रयत्न से आवश्यक काम पूरा होगा।

मीन आयु-आरोग्य की रक्षा होगी, बकाये रकम की प्राप्ति, श्रेष्ठजनों के सहयोग से रोजी-रोजगार में उन्नति होगी।

महत्वपूर्ण खबरें

सीसीएल में निरीक्षण अभियान का शुभारंभ

रांची (आजाद सिपाही)। कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया के मार्गदर्शन में सीसीएल के सतर्कता विभाग ने सभी कमांड क्षेत्रों में वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह नामक व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया। बता दें कि कोयला कंपनियों में वे ब्रिज एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं, जिसका उपयोग कोयला ले जाने वाले लोडेड और खाली वाहनों के वजन को मापने के लिए किया जाता है। यह प्रणाली परिवहन किये गये कोयले का सटीक माप सुनिश्चित करने में मदद करती है। इससे परिवहन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सकता है और इंवेंट्री को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है।

विश्व आदिवासी दिवस पर किया माल्यार्पण

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा, कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने नयी दिल्ली स्थित झारखंड भवन में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज का समृद्ध व गौरवशाली इतिहास रहा है। आज की युवा पीढ़ी को आदिवासियों के जीवन शैली से अवगत कराने की जरूरत है। आलोक कुमार दुबे ने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल, जमीन के सजग प्रहरी हैं। नेता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस एक ऐसा दिन है, जो विश्वभर में आदिवासी समुदाय के संरक्षण, सम्मान और समृद्धि को समर्पित है। डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने कहा कि कला, जीवन शैली को अपने में संजोकर रहने वाले आदिवासी भाई- बहनों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई।

आदिवासी विकास परिषद ने निकाला जुलूस

रांची (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के कार्यालय से शुक्रवार को सत्यनारायण लकड़ा के नेतृत्व में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जुलूस निकाला गया। सत्यनारायण लकड़ा ने बताया कि यह दिन आदिवासी की संस्कृति, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान की सराहना करने का दिन है। महासचिव जादो उरांव ने कहा कि कहा प्रकृति के उपासक और संस्कृति के संरक्षक हैं। जुलूस में अजय लिंडा, बाना मुंडा, कंदाना उरांव, नीरज, दीपक जयसवाल, जयराम, विजय समेत अन्य मौजूद थे।

कुमुदिनी प्रभावती की गयीं सम्मानित

रांची (आजाद सिपाही)। लोयोला ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस अल्पसंख्यक की प्रदेश महासचिव सह आदिवासी सेना की केंद्रीय महिला अध्यक्ष कुमुदिनी प्रभावती सम्मानित की गयीं। इस अवसर पर फादर महेंद्र तिर्की ने उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। फादर महेंद्र तिर्की ने कहा कि झारखंड में आदिवासी महिलाओं की पहचान के लिए कुमुदिनी प्रभावती का नाम ही काफी है। इन्हें आदिवासियों के बीच आयरन लेडी और जुझारू नेता के रूप में पहचाना जाता है। इस मौके पर एटीएस के पूर्व अध्यक्ष रमन सिंह, पूर्व शिक्षा मंत्री गीता श्री उरांव, आचार्य बिशप, आंदोलनकारी प्रभाकर तिर्की, रतन तिर्की सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आलमगीर आलम की जमानत याचिका खारिज

रांची (आजाद सिपाही)। टेंडर कमीशन घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में इडी की स्पेशल कोर्ट ने विधायक आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर खारिज कर दी। मामले में आरोपित आलमगीर आलम की ओर से बहस बुधवार को पूरी कर ली गयी थी। शुक्रवार को इडी की ओर से बहस की गयी। बहस के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने आलमगीर आलम को पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बताते हुए जमानत याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद पीएमएलए मामलों की स्पेशल कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी।

जमीन दलाल कमलेश से पूछताछ जारी रखेगी इडी

रांची (आजाद सिपाही)। जमीन दलाल कमलेश कुमार की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एजेंसी ने उसे कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया, जिसके बाद एजेंसी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि कमलेश से पूछताछ के लिए रिमांड अवधि को विस्तार दिया जाये। कोर्ट ने इडी को कमलेश को चार दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए अनुमति दी है। बता दें कि इडी ने कमलेश के घर से एक करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। (1) **ई–निविदा संख्या:** पूमरे–मुप्रअ–नि–द–ईटीईएन–20–24–25 एकल पैकेट सिस्टम, **कार्य का नाम:** उम मुख्य अभियन्ता (नि.)/ पूमरे/बरकाकाना के अधिकार क्षेत्र में गढ़वा रेल ओवर रेल परियोजना के लिए गढ़वा रोड स्टेशन पर समग्र गर्डर पर स्थैतिक और गतिशील भार परीक्षण का संचालन करना और विभिन्न परियोजनाओं के मौजूदा पुलों की पर्याप्तता की जांच करना, **अंकलित मूल्य (रू.):** 68,25,835.24, **बोली प्रतिभूति (रू.):** 1,36,500.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 03 महीने, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 29.08.2024, 15:30 बजे। ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। कुचले गये। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: http://www.ireps. gov.in पर उपलब्ध हैं। **द्रष्टव्य:** निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, महेन्द्रूघाट, पटना।

पीआर/00872/सीओएनएस/ईएनजीजी/टी/24–25/40

आदिवासी दिवस पर आदिवासी युवा उलगुलान संगठन ने भव्य जुलूस निकाला

रांची (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को आदिवासी युवा उलगुलान संगठन द्वारा विश्व आदिवासी दिवस पर भव्य जुलूस अध्यक्ष प्रमोद टोप्पो के नेतृत्व में निकाला गया।संरक्षक लोकेश खलखो ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के लिए विशेष दिन है। उपेंद्र रजक ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी की अधिकारों और कल्याण की विशिष्ट पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। विश्व आदिवासी दिवस पर सैकड़ों आदिवासी युवा कोकर चौक होते हुए बिरसा मुंडा समाधि स्थल पहुंचे। जुलूस में टिंकू महतो, पवन मुंडा, राहुल कश्यप, अमन कुजूर, सुभाष कुजूर, कुणाल कुजूर, जूलियन खजूर, 'कंचनू उरांव, रेशमा मुंडा, विकास मुंडा, राहुल कश्यप, पावन मुंडा, सूरज मुंडा, अजय कश्यप, अंजलि लकड़ा, अनामिका कच्छप, सरवन कुमार रवि, शिवशंकर, बंटी राम, अमित कुमार आदि शामिल थे।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 768 Dated 09.08.2024 I. Sheela Kumari, W/o Arjun Manjhi, aged about-32 years, by faith-Hindu (Sarna) by occupation-Housewife, by nationality-Indian, R/o Vill-Hesagarha, P.O-Kuju, P.S-Mandu, Distt-Ramgarh(Jharkhand), do hereby solemnly affirm and declare as follows:-1. That my dauhter's actual and correct name is **Ashi Tudu** D/o Arjun Manjhi which has been mentioned in her Birth Certificate bearing Reg. No-B-2024:20-03038-000016, dated-08/04/2024. 2. That my daughter's name has been mentioned as **Kaethrin Tudu D/o Arjun Tudu** in her Aadhar card bearing No-7450 0435 2499. 3. That this affidavit is required for rectified my daughter's name **Ashi Tudu D/o Arjun Manjhi** in plce of **Kaethrin Tudu D/o Arjun Tudu** in her Aadhar card from authority concerned for doing needful purpose.

4. That the above statements are true and correct.

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 4017 Dated 19.07.2024 I, **VIKRAM KUMAR DAS**, aged about 24 years, S/O Ramchandra Ravidas, resident of Khamhara Harijan Tola, P.O.-I.E. Gomia, P.S.- I.E.L. Gomia, District-Bokaro (Jharkhand), PIN-829112 do hereby solemnly affirm and declare as follows:-1. That, my Nationality is Indian. 2. That, my Aadhaar Card No. is 7309 6067 7859 and PAN Card No. HJUPD1904A in which my name has been mentioned as **VIKRAM KUMAR DAS.** 3. That, I am Bank account holder of Bank of India, Gomia Branch being Account No. 481110110013683 in which my name has been mentioned as **VIKRAM KUMAR RAVIDAS** which is required to corrected as **VIKRAM KUMAR DAS.**

4. That, VIKRAM KUMAR DAS and VIKRAM KUMAR RAVIDAS are the names of same and one person i.e. myself. 5. That, I am swearing this affidavit for rectification my name as VIKRAM KUMAR DAS in place of VIKRAM KUMAR RAVIDAS in my said Bank Account of Bank of India, Gomia Branch. 6. That, the contents made above are true and correct, if found false, I shall be punishable under law.

संघ ने महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा का जताया आभार

रांची (आजाद सिपाही)। पुराने परमिट का रिन्यूअल और नये परमिट जारी करने समेत कई अन्य मांगों को लेकर रांची शहरी क्षेत्र में संचालित इ-रिक्शा चालकों के धरना-प्रदर्शन और इसके कारण आम लोगों को होने वाली परेशानियों पर आखिरकार विराम लग गया। रांची जिला इ-रिक्शा एसोसिएशन के अध्यक्ष मो. जावेद और राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव के अनुरोध पर रांची महानगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष कुमार राजा की ओर से हुई पहल पर राज्य के परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ से एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की हुई वार्ता के बाद इ-रिक्शा चालकों का आंदोलन खत्म हो गया। प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात के दौरान ही परिवहन मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल इस समस्या के समाधान का पहल करने का निर्देश दिया। परिवहन मंत्री से हुई मुलाकात और वार्ता के बारे में रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा ने बताया कि रांची शहरी क्षेत्र में ही लगभग सात हजार से अधिक इ-रिक्शा चालक हैं, जो इसके जरिए अपना भरण-पोषण करते हैं लेकिन बीते दिनों नगर निगम प्रशासन की ओर से उनके खिलाफ परमिट नहीं होने को लेकर मनमानी कार्रवाई शुरू की गयी और इ-रिक्शा चालकों पर मनमाना भारी भरकम जुर्माना लगाया गया जबकि 2017 के बाद से नगर निगम ने एक भी नया परमिट न तो जारी किया और न ही पुराने परमिट का कोई रिन्यूअल हुआ ऐसे में इन गरीब इ-रिक्शा चालकों का क्या कसूर। कांग्रेस हमेशा से समाज के सभी वर्गों खासकर गरीब,पिछड़े व कमजोर के साथ खड़ी रही है, किसी भी कीमत पर उनके साथ अन्याय नहीं होने देगी। राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने भी परिवहन मंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इ-रिक्शा चालकों की मांगों को सहानुभूतिपूर्वक जानने और अधिकारियों को दिये गये निर्देश से साफ है कि रिक्शा चालकों को परेशानी जल्द ही खत्म होगी। वहीं रांची जिला इ-रिक्शा एसोसिएशन के मो. जावेद ने भी रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा के सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस पूरे आंदोलन में वह उनके साथ खड़े रहे और उनके प्रयासों के कारण ही इस मामले का जल्दी समाधान हुआ।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: पीसीएमएम/जीईएनएल/टीपी/2024/29, दिनांक: 09/08/2024। "ई" प्राप्ति प्रणाली हेतु निविदा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, मुख्यालय कार्यालय (5वीं मंज़िल), नया प्रशासनिक भवन, 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043 खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, जिन्हें वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निम्नानुसार अपलोड किया गया है। सभी निविदाएं **दोपहर 2.00 बजे** बंद कर दी जाएंगी। **क्र.सं.; निविदा संख्या; निर्धारित तारीख; संक्षिप्त विवरण; मात्रा** और **जमा बयाना राशि** निम्नानुसार हैं: **1; 332430730;** 23.08.2024; बोगी के लिए दोनों तरफ एंड फिटिंग के साथ फ्लेक्सिबल होस (650 मिमी); 1800 अदद और ₹ 56,220। **2; 30243629;** 04.09.2024; 900 किलोग्राम क्षमता के वर्टिकल अनुप्रयोगों के लिए डबल एक्टिंग हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर; 500 अदद और ₹ 56,710। **3; 33243021;** 09.09.2024; ट्रैक्शन सेंटर (लीवर); 400 अदद और ₹ 54,200। **4; 40241590;** 28.08.2024; पतली दीवार वाली इलेक्ट्रॉनिक बीम विकिरणित/रासायनिक रूप से ठीक आदि; 3290 एमटीआर और ₹ 1,62,550। **5; 40241591;** 29.08.2024; पतली दीवार वाली इलेक्ट्रॉनिक बीम विकिरणित/रासायनिक रूप से ठीक क्रॉस लिंक्ड आदि; 5000 एमटीआर और ₹ 1,84,080। **6; 40241635;** 29.08.2024; तांबे आदि के साथ पतली दीवार वाली लचीली इलास्टोमेरिक केबल; 16000 एमटीआर और ₹ 50,980। **7; 65245018;** 30.08.2024; ईओटी क्रेन 50 टन क्षमता; 03 अदद और ₹ 5,94,080। **8; 382433400;** 29.08.2024; उन्नत एचटीसीबीसी के लिए योक; 550 अदद और ₹ 2,51,810। **9; 38241568;** 05.09.2024; कैशनब बोगी की ऊंचाई समायोजन के लिए 37 मिमी. पैकिंग; 3340 अदद और ₹ 55,970। **10; 382439320;** 18.09.2024; बीओएक्सएनएचएल वैगन के लिए नया डोरवे स्टिफिनिंग क्रॉस बार; 11004 अदद और ₹ 7,60,900। **11; आईजी246057;** 10.09.2024; सिंक्रोनाइज्ड लिफ्टिंग जैक्स इलेक्ट्रिकल ऑपरेटेड स्क्रू जैक्स; 01 सेट और ₹ 66,000। **12; आईजी246088;** 26.08.2024; पूरी तरह से स्वचालित जैव-रसायन विश्लेषक (आईएसई के साथ); 01 अदद और ₹ 57,280। **13; आईजी245137;** 11.09.2024; एसीबी, एमसीसीबी आदि सम्मिलित एलटी वितरण पैनल की आपूर्ति, स्थापना, जांच और शुरुआत; 05 अदद और ₹ 1,16,750। **14; आईजी246121;** 12.09.2024; एनडब्ल्यू 70 आकार की लचीली नालीदार पॉलियामाइड कॉन्डुइट (आईडी : 66.5+/- 0.3 मिमी., ओडी: 80.0+/- 0.2 मिमी. आदि; 2368 एमटीआर और ₹ 52,100। **15; 33243017ए;** 28.08.2024; एक्सल बॉक्स पिवोट बुश; 9000 अदद और ₹ 10,78,780। **16; 30243539;** 02.09.2024; पॉलीएसीटल प्रोटेक्टिव ट्यूब; 7000 अदद और ₹ 60,630। **17; 33240014;** 12.09.2024; एलएचबी कोचों के लिए अर्थिंग रेसिस्टर; 13000 अदद और ₹ 79,150। **18; एचबी235894बी;** 29.08.2024; अपर गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल स्कोप (डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय के लिए) वाले वीडियो एंडोस्कोप यूनिट की आपूर्ति, स्थापना, जांच और शुरुआत आदि; 01 सेट और ₹ 1,10,110। **19; आईई245928;** 30.08.2024; एन, ओ एवं आर टाइप पोर्टल; 42.82 एमटी और ₹ 87,920। **20; ओआई245023;** 07.09.2024; 60 एमटी की क्षमता के स्टेटिक इलेक्ट्रॉनिक रोड वेट ब्रिज की आपूर्ति, स्थापना और शुरुआत आदि; 01 अदद और ₹ 50,060। **21; आईई245363ए;** 02.09.2024; सीबीसी: शैंक वियर प्लेट के साथ कपलर बॉडी; 500 अदद और ₹ 3,50,460। **22; आईई235702;** 02.09.2024; रोटरी स्क्रू विद्युत चालित एयर कंप्रेसर 500 सीएफएम; 01अदद और ₹ 54,000। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/ स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन मदों के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र.:** अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने तथा तत्पश्चात प्रकाशित किसी भी संशोधनी के लिए भावी बोलीदाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।

(PR-469)

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार

बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर शपथ ग्रहण किया। इसके साथ ही शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर होने और देश छोड़ने के बाद नेतृत्वहीनता जैसी स्थिति से गुजर रहे बांग्लादेश में एक ऐसी सरकार बन गयी, जिस पर देश को उथलपुथल के इस दौर से निकाल कर वहां शांति व्यवस्था और सामान्य स्थिति कायम करने की जिम्मेदारी है। मोहम्मद यूनुस दुनिया के 32वें नोबेल पुरस्कार विजेता हैं, जिन पर किसी देश को नेतृत्व देने की जिम्मेदारी आन पड़ी। यह बांग्लादेश के लोगों के बीच उनकी विश्वसनीयता का सबूत है कि जो लोग छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे, उनकी ओर से उनका नाम इस जिम्मेदारी के लिए सुझाया गया। इसके पीछे कुछ भूमिका इस तथ्य की भी होगी कि वह अर्से से हसीना सरकार के निशाने पर रहे हैं। इसके बावजूद कि गरीबों को छोटे-छोटे लोन देकर उन्हें गरीबी से निकालने का उनका आइडिया न केवल बांग्लादेश में सफल रहा, बल्कि उसकी तर्ज पर ग्रामीण बैंक का प्रयोग करीब 100 अन्य देशों में चलाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि व्यक्तिगत तौर पर मोहम्मद यूनुस उदार और आधुनिक विचारों वाले शख्स हैं, जिनकी प्राथमिकता विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की होगी। लेकिन असल सवाल यह है कि अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर उनके हाथों में कितनी ताकत रहती है। आखिर उन्हें सेना, राष्ट्रपति और जमात और बीएनपी जैसी राजनीतिक ताकतों की ओर से डाले जा रहे दबावों के बीच काम करना होगा। हसीना सरकार के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन को आखिरी पलों में जिस प्रकार भारत विरोधी और सांप्रदायिक रूप देने की कोशिश की गयी, उससे साफ है कि वहां भारत विरोधी और कट्टरपंथी ताकतें मौके की ताक में बैठी हैं। हालांकि यूनुस भी इन बातों को समझते हैं। उन्होंने नयी जिम्मेदारी की पेशकश स्वीकारने के बाद यह साफ कर दिया कि भारत से रिश्ते सुधारने के कई मौके मिलेंगे और यह उनकी प्राथमिकता में है। भारत भी हर मौके पर यह साफ करता रहा है कि बांग्लादेश के आंतरिक मामलों से सम्मानजनक दूरी बनाये रखते हुए भी वह न केवल उसके साथ विशिष्ट और करीबी रिश्ता कायम रखना चाहता है, बल्कि विकास की उसकी यात्रा में योगदान भी जारी रखना चाहता है। बहरहाल, अंतरिम सरकार एक तात्कालिक व्यवस्था ही है, जिसका उद्देश्य देश में सामान्य स्थिति कायम करके जल्द से जल्द एक एक निर्वाचित सरकार के हाथों में सत्ता सौंपना है। ऐसे में देखना होगा कि अगले कुछ दिनों और महीनों में वहां किस तरह का माहौल बनता है और लोकतांत्रिक शक्तियां मौजूदा चुनौतियों का सामना कितनी मजबूती से करती हैं।

हसीना सरकार के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन को आखिरी पलों में जिस प्रकार भारत विरोधी और सांप्रदायिक रूप देने की कोशिश की गयी, उससे साफ है कि वहां भारत विरोधी और कट्टरपंथी ताकतें मौके की ताक में बैठी हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि लगभग 1.8 बिलियन लोग, जो कि वैश्विक आबादी का लगभग 1/4 हिस्सा है, टीबी से संक्रमित हैं। हर साल लगभग 13 लाख बच्चे टीबी से बीमार पड़ते हैं। यह दुनिया भर में मौतों के लिए उत्तरदायी प्रमुख संक्रामक कारणों में से एक है। पिछले साल, टीबी को कोविड-19 के बाद दुनिया में किसी एक संक्रामक एजेंट से होने वाली मौतों के दूसरे प्रमुख कारण के रूप में दर्ज किया गया। यह एचआइवी/एड्स से लगभग दोगुनी मौतों का कारण रहा। 2022 में, 1.06 करोड़ लोग टीबी से संक्रमित हुए और 14 लाख लोगों की मौत हुई। टीबी के कारण प्रतिदिन 3500 मौतें होती हैं।

'टीबी-मुक्त भारत' बनाने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता

डॉ मनीषा वर्मा

सबसे बड़ी जानलेवा बीमारियों में से ए, क्षयरोग (टीबी) एक संक्रामक बीमारी है जो दुनिया के हर हिस्से में पायी जाती है। यह वैश्विक चिंता का एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा बना हुआ है। भारत इस बीमारी का सर्वाधिक भार वहन करने वाले देशों में से एक है। केंद्र और राज्य सरकारें सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 के तहत वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले ही 2025 तक इसे समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टीबी का वैश्विक-भार : टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होने वाला एक संक्रामक वायुजनित रोग है। डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि लगभग 1.8 बिलियन लोग, जो कि वैश्विक आबादी का लगभग 1/4 हिस्सा है, टीबी से संक्रमित हैं। हर साल लगभग 13 लाख बच्चे टीबी से बीमार पड़ते हैं। यह दुनिया भर में मौतों के लिए उत्तरदायी प्रमुख संक्रामक कारणों में से एक है। पिछले साल, टीबी को कोविड-19 के बाद दुनिया में किसी एक संक्रामक एजेंट से होने वाली मौतों के दूसरे प्रमुख कारण के रूप में दर्ज किया गया। यह एचआइवी/एड्स से लगभग दोगुनी मौतों का कारण रहा। 2022 में 1.06 करोड़ लोग टीबी से संक्रमित हुए और 14 लाख लोगों की मौत हुई। टीबी के कारण प्रतिदिन 3500 मौतें होती हैं। क्षयरोग विभिन्न सामाजिक, आर्थिक तथा स्वास्थ्य-संबंधी जोखिम कारकों द्वारा गहनता से प्रभावित होता है। ये कारक हैं - कुपोषण, मधुमेह, एचआइवी संक्रमण, मद्य-सेवन से होने वाले विकार और धूम्रपान। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 2020 में वैश्विक स्तर पर, टीबी के अनुमानित 19 लाख मामले कुपोषण के कारण, 7.4 लाख एचआइवी संक्रमण के कारण, 7.4 लाख मद्य-सेवन से उत्पन्न विकारों के कारण, 7.3 लाख धूम्रपान के कारण और 3.7 लाख मधुमेह के कारण थे। हालांकि, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर इसमें भिन्नताएं हैं। उदाहरण के लिए झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाली शहरी आबादी में इसका विस्तार अधिक देखा गया है।

विश्व के 87% टीबी मामलों का भार उच्च संक्रमण वाले 30 देशों पर है।

विश्व के 87% टीबी मामलों का भार उच्च संक्रमण वाले 30 देशों पर है। इनमें से, वैश्विक कुल बोझ का दो-तिहाई हिस्सा आठ देशों में पाया गया। कुल वैश्विक मामलों में भारत की 27% की बड़ी हिस्सेदारी है, जिसके बाद इंडोनेशिया (10%), चीन (7.1%), फिलीपींस (7.0%), पाकिस्तान (5.7%), नाइजीरिया (4.5%), बांग्लादेश (3.6%) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (3.0%) का स्थान आता है।

भारत की प्रगति की सराहना : विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023 ने भारत को क्षयरोग-मुक्त देश बनाने की दिशा में इसकी उल्लेखनीय गतिविधियों और हस्तक्षेपों के लिए श्रेय दिया है। 2015 से (2022 तक) क्षयरोग की घटनाओं में 16 प्रतिशत और इसके कारण होने वाली मृत्यु दर में 18 प्रतिशत की कमी लाने में भारत की अत्यधिक महत्त्वपूर्ण प्रगति की सराहना की है।

भारत को सराहना मिली : भारत को अपनी तीव्र केस-डिटेक्शन रणनीतियों के लिए सराहना मिली है, जिनके कारण 2022 में अब तक के सबसे अधिक मामले अधिसूचित हुए और 24.22 लाख से अधिक टीबी मामलों की ये अधिसूचनाएं पूर्व-कोविड स्तरों को पार कर गयीं। 2023 में 25.5 लाख टीबी मामलों की अधिसूचना के साथ एक रिकॉर्ड अधिसूचना दर्ज की गयी। इनमें से 17.1 लाख टीबी मामले सार्वजनिक क्षेत्र में अधिसूचित किये गये, जबकि 8.4 लाख निजी क्षेत्र द्वारा अधिसूचित किये गये। कुल अधिसूचनाओं के 33% पर, यह अब तक का उच्चतम योगदान था। विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से निजी क्षेत्र के साथ केंद्रित और लक्षित जुड़ाव के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र की अधिसूचना में पिछले नौ वर्षों में आठ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, उपचार कवरेज अनुमानित टीबी मामलों के 80 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि है। एक उत्साहजनक अवलोकन में, डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट यह भी स्वीकार करती है कि भारत में गिरावट की गति वैश्विक टीबी घटनाओं में कमी की गति से लगभग दोगुनी है, जो कि 8.7 प्रतिशत है। इसके अलावा, डब्ल्यूएचओ ने टीबी मृत्यु दर में अधोमुखी संशोधन है (2021 में 4.94 लाख से 2022 में 3.31 लाख तक)। 34 प्रतिशत से अधिक की कमी नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) से एकत्र किए गए 2014-2019 के मृत्यु-कारण आंकड़ों पर आधारित है।

भारत को टीबी-मुक्त बनाने के लिए प्रमुख पहल : यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यद्यपि क्षयरोग बहुत संक्रामक है, परंतु यदि इसका यथासमय पता चल जाये और पूरा उपचार हो जाये तो यह पूरी तरह से रोकथाम-योग्य और उपचार-योग्य रोग है। वैश्विक टीबी की घटनाओं के उच्चतम बोझ से दबी भारत सरकार ने टीबी की समस्या से मिशन मोड में निपटने का फैसला किया है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने टीबी महामारी को समाप्त करने की प्रतिबद्धता जतायी है। टीबी एसडीजी लक्ष्य 3.3 का हिस्सा है, जिसमें कहा गया हैः एड्स, क्षयरोग, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल-जनित रोगों और अन्य संक्रामक रोगों से 2030 तक निपटना। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में घोषणा की कि भारत वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले यानी 2025 तक टीबी को देश से खत्म कर देगा। इसने नीति-निर्माताओं और टीबी-मुक्त भारत की दिशा में काम करने वाली एजेंसियों को केंद्रित ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया है। मार्च 2023 में वाराणसी में स्टॉप टीबी पार्टनरशिप मीटिंग में, टीबी-मुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए पीएम ने कहा कि ह्यभारत ने 2014 के बाद टीबी से निपटने के लिए जिस प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ खुद को समर्पित किया है, वह अभूतपूर्व है।

भारत के प्रयास महत्वपूर्ण

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह टीबी के खिलाफ वैश्विक-युद्ध का नया मॉडल है। भारत के प्रयासों को वैश्विक प्रशंसा मिली है। स्टॉप टीबी पार्टनरशिप की कार्यकारी निदेशक डॉ लुसिका दितिउ ने टीबी से निपटने में भारत के प्रयासों एवं टीबी-मुक्त भारत पहल की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत 2025 तक टीबी को खत्म कर देगा और इससे वैश्विक टीबी के बोझ में भारी कमी आयेगी। भारत को 2025 तक टीबी-मुक्त बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने में दो साल से भी कम समय शेष है, इसलिए आगे बढ़ने का दृष्टिकोण रोग की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करना और टीबी के निदान एवं उपचार में सेवाओं के कवरेज को बढ़ाना है। यह देखना उत्साहजनक है कि सरकारों, सहायता एजेंसियों और समुदायों के निरंतर प्रयासों से भारत में टीबी के मिसिंग मामलों की संख्या 2015 में 1 मिलियन से घटकर 2023 में 0.26 मिलियन रह गयी है। 2025 तक टीबी से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीइपी) को लागू कर रहा है।

(लेखक : भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त महानिदेशक (मीडिया 7 संचार) हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

देश-विदेश की खबरें

संसद में राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान हुई तीखी बहस

आपका टोन ठीक नहीं : जया बच्चन

होंगी आप सेलिब्रिटी, लेकिन गरिमा का ध्यान रखें : धनखड़

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद में राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सपा सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ की टोन पर आपत्ति जतायी। धनखड़ ने सपा सांसद को जया अमिताभ बच्चन कह कर संबोधित किया था। इस पर जया ने कहा कि मैं कलाकार हूं। बॉडी लैंग्वेज समझती हूं। एक्सप्रेशन समझती हूं। मुझे माफ कीजिए, लेकिन आपके बोलने का टोन स्वीकार नहीं है। जया की इस बात से धनखड़ नाराज हो गये।

सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आप अपनी सीट पर बैठ जाइये। आप जानती हैं कि एक एक्टर को डायरेक्टर कंट्रोल करता है। मैं हर दिन अपनी बात दोहराना नहीं चाहता। हर दिन मैं स्कूली शिक्षा नहीं देना चाहता।

सभापति जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि आप मेरी टोन पर सवाल उठा रही हैं। इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। आप सेलिब्रिटी हों या कोई और आपको डेकोरम बना कर करना होगा। आप सीनियर मेंबर चेयर को नीचा दिखा रही हैं।

बहस के बाद धनखड़ ने राज्यसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी। उधर, लोकसभा की कार्यवाही भी अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी है।

जया बोलीं : मुझे माफी चाहिए

जया और धनखड़ के बीच विवाद के दौरान राज्यसभा में हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने दादागिरी नहीं चलेगी के नारे लगाये और राज्यसभा से वॉकआउट कर गये। फिर लंच ब्रेक हो गया। जया बच्चन ने बाहर निकल कर मीडिया से कहा- जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने (सभापति ने) माइक बंद कर दिया। वे हर बार असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि आपके सेलिब्रिटी होने से मुझे परवाह नहीं है। मैं उनसे परवाह करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे माफी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी परीक्षा स्थगित करने की याचिका को खारिज किया

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट ने नौ अगस्त को नीट यूजी परीक्षा 2024 को स्थगित करने से इनकार कर दिया है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश की बेंच ने दिया है। बेंच नीट पीजी 2024 परीक्षा को स्थगित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अपना फैसला दे दिया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाइ चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम नयी शिक्षा नीति नहीं बना सकते और यह एक आदर्श दुनिया नहीं है। हम एग्जाम रीशेड्यूल नहीं करेंगे। 2 लाख स्टूडेंट्स और 4 लाख पैरेंट्स इससे प्रभावित होंगे। 5 याचिकाकर्ताओं के कहने पर 2 लाख छात्रों के करियर को खतरे में डाला जायेगा? हम इन याचिकाकर्ताओं के कारण इतने सारे उम्मीदवारों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते।

मुंबई के कॉलेज में बुर्का-हिजाब बैन के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगायी रोक

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कॉलेज कैंपस में हिजाब, बुर्का और नकाब पहनने पर बैन लगाने के आदेश पर आंशिक रोक लगा दी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कहा- स्टूडेंट्स को क्या पहनना या क्या नहीं पहनना है, इस पर प्रतिबंध नहीं लगा सकते। मुंबई के दो कॉलेजों ने कैंपस में हिजाब, बुर्का और नकाब पहनने पर बैन लगाया था। बेंच ने कहा- एजुकेशनल इंस्टीट्यूट अपनी पसंद स्टूडेंट्स पर नहीं थोप सकते।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव जल्द : चुनाव आयुक्त

कश्मीरी प्रवासियों के लिए दिल्ली समेत 3 जगह स्पेशल बूथ बनेंगे

जम्मू कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों में 74 सीटें जनरल, 7 एससी और पहली बार 9 सीटें एसटी के लिए आरक्षित

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीनगर। आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि हम जल्द चुनाव करायेंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक, इस बार जम्मू कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों में 74 सीटें जनरल और 7 एससी और पहली बार 9 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। साथ ही आगामी चुनाव में कश्मीरी माइग्रेंट्स के लिए दिल्ली, जम्मू और उधमपुर में स्पेशल बूथ बनाये गये हैं।

राजीव कुमार ने कहा - चुनावों को प्रभावित नहीं होने देंगे : कोई अंदरूनी ताकत सोचती है कि हम चुनावों को प्रभावित कर देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमें यकीन है कि जम्मू-कश्मीर के लोग विभाजनकारी ताकतों को उचित जवाब देंगे। इलेक्शन कमीशन के तीन मेंबर्स की टीम 2 दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर है। गुरुवार को इलेक्शन कमीशन के साथ रीजनल और नेशनल पार्टियों से मीटिंग हुई। इससे पहले दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश में 30 सितंबर तक चुनाव कराने के निर्देश दिये थे।

राजनीतिक दलों की मांगें

- सभी को समान रूप से सरकार चुनने का हक मिले।
- पार्टियों को रैली, प्रदर्शन करने का समान अवसर हो।
- सभी नेताओं को पर्याप्त और बराबर सुरक्षा मिले।
- पोलिंग स्टेशन 2 किमी के अंदर के दायरे में हो।

उत्तरप्रदेश और बिहार में गंगा उफान पर वाराणसी में घाट किनारे 500 मंदिर डूबे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश और बिहार में तेज बारिश के चलते गंगा नदी दोनों राज्यों के कई जिलों में उफान पर है। उत्तरप्रदेश के बलिया में गंगा खतरे के निशान से 1 मीटर ऊपर बह रही है। वहीं, वाराणसी में गुरुवार देर रात तक गंगा का जलस्तर 69 मीटर से ज्यादा हो गया। इससे 85 घाट डूब गये। घाट के किनारे के 500 मंदिर भी नदी में समा गये हैं।

उधर बिहार के पटना और बक्सर में भी गंगा खतरे के निशान से ऊपर है। यहां गंडक, बागमती और कोसी नदी भी उफान पर हैं।

डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के अनुसार पश्चिम चंपारण, सुपौल, नालंदा और गया जिलों की चार हजार की आबादी बाढ़ की चपेट में है।

हिमाचल में बादल फटने के 8 दिन बाद 13 शव मिले : हिमाचल प्रदेश में बादल फटने (31 जुलाई) के 8 दिन बाद गुरुवार को 13 शव मिले। समेज में बादल फटने के बाद कई लोग लापता बताये गये थे। प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान तेज बारिश के कारण 194 सड़कें वाहनों के लिए बंद पड़ी है। इनमें शिमला जिला में सबसे ज्यादा सड़कें बंद हैं। प्रदेश में इस मानसून सीजन के दौरान 98 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके है, जबकि 205 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इस मानसून सीजन में 802 करोड़ रुपए की चल व अचल संपत्ति भी भारी बारिश की भेंट चढ़ी है।

वैल्यूएबल फैमिली : अंबानी परिवार की संपत्ति भारत की जीडीपी का 10 प्रतिशत

परिवार का कुल मूल्यांकन 25.75 ट्रिलियन

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। देश में सबसे वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस की लिस्ट में अंबानी फैमिली टॉप पर है। बार्कलेज-हुरून इंडिया की मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस 2024 की लिस्ट के मुताबिक अंबानी फैमिली की वैल्यूएशन 25.75 ट्रिलियन है, यह भारत की जीडीपी का लगभग 10% है।

बार्कलेज-हुरून इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की लीडरशिप में फैमिली का बिजनेस एम्पायर एनर्जी, रिटेल और टेलिकॉम सेक्टर्स का ऑपरेशन करता है। बार्कलेज-हुरून इंडिया की यह रैंकिंग 20 मार्च 2024 तक कंपनी की वैल्यूएशन पर बेस्ड है।

इस वैल्यूएशन में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट और लिक्विड एसेट्स को शामिल नहीं किया गया है। अंबानी की वेल्थ की वैल्यू में रिलायंस, जियो प्लेटफॉर्म, रिलायंस रिटेल और ग्रुप की अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी शामिल है।

बजाज फैमिली 7.13 ट्रिलियन की वैल्यू के साथ दूसरे नंबर पर : मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस की लिस्ट में बजाज फैमिली 7.13 ट्रिलियन की वैल्यू के साथ दूसरे नंबर पर है। पुणे बेस्ड ऑटोमोबाइल बिजनेस की लिडरशिप फैमिली के थर्ड जनरेशन लीडर नीरज बजाज कर रहे हैं।

बिरला फैमिली 5.39 ट्रिलियन की वैल्यू के साथ तीसरे नंबर पर : इस लिस्ट में बिरला फैमिली 5.39 ट्रिलियन की वैल्यूएशन के साथ तीसरे नंबर पर है। इस कंपनी की लीडरशिप फैमिली की चौथी पीढ़ी के कुमार मंगलम बिरला करते हैं। यह कंपनी मेटल, माइनिंग, सीमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज पर फोकस करती है।

सिंगापुर की जीडीपी के बराबर तीनों फैमिली की कंबाइन वैल्यूएशन : अंबानी, बजाज और बिरला- इन तीनों फैमिली के बिजनेसेज की कंबाइन वैल्यूएशन 460 बिलियन डॉलर है, यह सिंगापुर की जीडीपी के बराबर है।

जिंदल फैमिली 4.71 ट्रिलियन की वैल्यूएशन के साथ चौथे नंबर पर : वहीं जिंदल फैमिली 4.71 ट्रिलियन की वैल्यूएशन के साथ चौथे नंबर पर है, जिसकी लीडरशिप सज्जन जिंदल करते हैं। इसके अलावा नाडार फैमिली 4.30 ट्रिलियन की वैल्यूएशन के साथ पांचवें नंबर पर है। नाडार फैमिली की रोशनी नाडार मल्होत्रा टॉप-10 फैमिली बिजनेसेस की लिस्ट में एकमात्र महिला हैं।

फर्स्ट जनरेशन फैमिली बिजनेस की लिस्ट में अडाणी फैमिली टॉप पर : 2024 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस की लिस्ट में फर्स्ट जनरेशन की फैमिलीज शामिल नहीं हैं। हालांकि, मौजूदा चेयरमैन गौतम अडाणी की लीडरशिप में अडाणी फैमिली 15.44 ट्रिलियन रुपये की वैल्यू के साथ सबसे वैल्यूएबल फर्स्ट जनरेशन फैमिली बिजनेस की लिस्ट में टॉप पर है। इस लिस्ट में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की ओनर पूनावाला फैमिली 2.37 ट्रिलियन रुपए की वैल्यू के साथ दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर फार्मा मेजर डिवी फैमिली है, जिसकी वैल्यूएशन 91,200 करोड़ रुपये है।

भारत की सबसे वैल्यूएबल नॉन-लिस्टेड कंपनी है हल्दीराम स्नैक्स

रिपोर्ट के मुताबिक हल्दीराम स्नैक्स की वैल्यू 63,000 करोड़ है। यह भारत की सबसे वैल्यूएबल नॉन-लिस्टेड कंपनी है। हल्दीराम तब चर्चा में आयी, जब अमेरिका बेस्ड प्राइवेट इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन ने कंपनी का अधिग्रहण करने के लिए एक नॉन-बाइंडिंग ऑफर दिया।

आदिवासी अस्मिता की रक्षा और हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका/ गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शुक्रवार को रंका प्रखंड के विश्रामपुर स्थित संत जोसेफ उच्च विद्यालय परिसर में आदिवासी दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने नगाड़ा बजाकर, दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री श्री ठाकुर ने आदिवासी समाज के लोगों को शॉल ओढ़ाकर व महिला, पुरूषों को धोती-साड़ी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में आदिवासी समुदाय के

लोगों ने मंत्री को पगड़ी बांधकर, माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर ढ़ोल, नगाड़े एवं मांदर की थाप पर नृत्य करते हुए भव्य स्वागत किया।

मंत्री श्री ठाकुर ने सभी लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोग आदिवासी स्मिता की बात करते हैं, लेकिन हमेशा वास्तविकता से मुंह मोड़ते हैं। पूर्व की सरकार और हेमंत सरकार में यही अंतर है कि हेमंत सरकार धरातल पर कार्य कर रही है। दिशोम गुरू शिबु सोरेन के झारखंड निर्माण के सपनों को हेमंत सरकार साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार सभी गरीबों को अबुआ आवास, पेंशन, 200 यूनिट मुफ्त बिजली आदि दे रही है। हेमंत सरकार इतनी सारी सुविधा दे रही है, इसे आप भुलेंगे नहीं। बल्कि आपके हित के लिए कार्य करने वाले को ही चुनेंगे। मंत्री ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। विश्व भर की आदिवासी जातियों में जागरूकता फैलाने और उनके अधिकारों के संरक्षण को प्रेरित करने के उद्देश्य से ही पूरे विश्व में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित संत जोसेफ उवि की प्रधानाध्यापिका सिस्टर जगरानी, सिस्टर कलारा तिर्की, फादर नॉबर्ट तिर्की, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष छोटू सिंह खरवार, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जेपी मिंज, ज्योति लकड़ा आदि ने विचार व्यक्त किया। मौके पर मुख्य रूप से रंका एसडीपीओ, बीडीओ, सीओ, जगदीश टोप्पो, हृदयानंद मिंज, लीलावती देवी, कपिलदेव सिंह, नंदलाल सिंह, तमगे मुखिया रिंकी देवी, राधेश्याम सिंह, राजकिशोर यादव, गुलाब सिंह सहित रंका, रमकंडा, चिनियां, बड़गड़, भंडरिया आदि प्रखंडों के काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के संस्थापक सर सोराबजी की 143वीं जयंती मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर/ गढ़वा। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के संस्थापक सर सोराबजी पोचखानवाला की 143वीं जयंती के अवसर पर जंगीपुर स्थित पेट्रोल पंप के निकट शाखा पाल्हे कलां में शुक्रवार को शाखा प्रबंधक रंजीत कुमार पांडेय की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक के संस्थापक की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित व दीप प्रज्वलित कर संस्थापक को याद किया गया। साथ ही बैंक के सभी कर्मियों और अधिकारियों को संस्थापक के आदेशों के अनुरूप अपना व्यवसाय करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक रंजीत पांडेय ने कहा कि ह्न112 वर्ष पूर्व पराधीन भारत में स्वाभिमानी देशभक्त युवा सोराबजी द्वारा बोया गया बीज

आज वट वृक्ष बन चुका है, उनके द्वारा स्थापित देश का पहला स्वदेशी बैंक है जो आज देश के कोने-कोने में ग्राहकों को सभी प्रकार की बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सर सोराबजी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके आदर्शों पर चलकर बैंक के कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाए। उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के साथ कारोबार बढ़ाएं, हम सभी बैंक के लिए काम करना चाहते हैं और हमें पूरी लगन से काम करना होगा।

शाखा प्रबंधक रंजीत कुमार पांडेय, उपशाखा प्रबंधक मनोज आइंद, उपशाखा प्रबंधक विनोद कुमार पंडित,प्रधान खजांची नीलम कुमार राही, कलर्क मेवालाल बिरुवा, दफ्तरी राजदेव सिंह खरवार, बीसी अमित कुमार चौबे, राजेश कुमार बैठा,अनूप कुमार,शशि कुमार तिवारी, ग्राहक अब्दुल मोतल्लिब सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। केतार खरौंधी रोड में एक युवक को अवैध रिवाल्वर के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की परती से खरौंधी होते हुए कोई संदिग्ध व्यक्ति बाइक से आ रहा है। सूचना के आलोक में पुलिस के द्वारा सूर्य मंदिर के पास चेकिंग लगाया गया तथा इस अभियान के दौरान बतो कला की ओर से एक बाइक पर सवार युवक जो आ रहा था उसे पुलिस के द्वारा रोका गया तो बाइक रोकने के बाद वह पीछे की ओर भागने का प्रयास किया। जिसे सशस्त्र बल के द्वारा पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि जब उसकी तलाशी ली गयी तो उसके पास एक रिवाल्वर बरामद किया गया पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम रामलाल मेहता पिता विश्वनाथ मेहता केतार थाना क्षेत्र के पाचाडूमर निवासी बतलाया।

भागोडीह में धूमधाम से मनी नाग पंचमी

आजाद सिपाही संवाददाता

रमना। रमना प्रखण्ड अंतर्गत भागोडीह गांव में नाग पंचमी पर विशेष पूजा-अर्चना अयोजन किया गया। हजारों शिव भक्तों ने पुजा अर्चना किया वही शिव शिष्य परिवार के आयोजित जल यात्रा में भाग लेते हुए करीब दस किमी दूर स्थित फटहा नहीं से जल संकल्प करा कर पोखरा टोला के हनुमान मंदिर परिसर में शिवलिंग पर चढ़ाया। मालूम हो की रमना सहित आस-पास कई प्रखंडों से लोग पुजा-अर्चना करने आते हैं।

गांव में नाग पंचमी से जुड़े कई मान्यता है। ग्रामीणों का मानना है कि नाग पंचमी के दिन नमकीन भोजन नहीं किया जाता हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नाग पंचमी के दिन नमकीन भोजन के सेवन करने से नाग देवता नाराज हो जाते है और गांव में संपदोष अधिक होने लगता है। कई दशकों से भागोडीह गांव के लोग नमकीन भोजन का सेवन नाग पंचमी के दिन नहीं करते है। वही दूसरी मान्यता यह है कि गांव हनुमान मंदिर में स्थापित शिवलिंग के साथ नाग देवता का पुजा-अर्चना करने पर संपदोष से मुक्ति मिलती है। इस दौरान दिखने को मिल की धान की रोपाई गांव जारी है एसके बाद भी कोई किसान नाग पांचवी के दिन गांव के लोग धान की रोपाई करते नहीं मिले। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पांच मन्दिर है। जहा सावन में कई वर्षों से प्रत्येक सोमारी को नदी से जल संकल्पित करा कर गांव के मंदिरों में चढ़ाया जाता हैं।

निमियां में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर नागपंचमी के मौके पर शहर के निमियां स्थान पहुंचे। यहां मंत्री ने पहलवानो से हाथ मिलाकर दंगल अखाड़ा का उद्घाटन किया। इस दौरान पहलवानों की मांग पर मंत्री ने निमियां स्थान में हर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही। मंत्री ने कहा कि निमियां स्थान का कायाकल्प किया जाएगा। यहां पहलवानों के लिए हर संभव आवश्यक सुविधा उपलबध करायी जायेगी। तत्पश्चात मंत्री रंका प्रखंड के हुरदाग में मेला समिति ग्राम हुरदाग की ओर से आयोजित नागपंचमी मेला महोत्सव में पहुंचे। यहां भी मंत्री ने पहलवानों से हाथ मिलाकर कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम,

प्रीतम गौड़, आशिश अग्रवाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान मंत्री श्री ठाकुर रंका प्रखंड के खरडीहा पंचायत भवन में पहुंचे। यहां झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत आवेदन जमा करने आयी महिलाओं से मुलाकात की। मंत्री ने आवेदन जमा करने की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित माता-बहनों से कहा कि इस योजना का सभी जरूरतमंद लोग लाभ उठायें। कोई भी गलत लोग इसका लाभ नहीं ले सकें, इसका भी ख्याल रखें। मंत्री ने कहा कि आवेदन जमा करने का कार्य बिल्कुल निःशुल्क है। यदि कोई भी व्यक्ति पैसा मांगता है तो सूचना दें। त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों ने साजिशकर्ताओं और दोषियों को स्कूल से हटाने की मांग की

फर्जी आरोप लगाकर प्राचार्य की हुई गिरफ्तारी

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। जमा दो उच्च विद्यालय कांडी की प्राचार्या की एसीबी से गिरफ्तारी को साजिस बताते हुए उपायुक्त, डीइओ व एसडीओ को आवेदन देकर साजिस कर्ता व दोषियों को स्कूल से हटाने की मांग किया है। प्रखंड के जनप्रतिनिधियों व स्थानीय जागरूक जनता माता गुरुवार को हाई स्कूल कांडी में एक बैठक कर गिरफ्तारी की जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया। पूछताछ व जांच के क्रम में यह पता चला कि एक षड्यंत्र के तहत बिना कसूर के फर्जी आरोप लगाकर हेडमास्टर की गिरफ्तारी कराया गया है। सभी ने बताया कि व्यवसायीक शिक्षक धर्मेंद्र कुमार के खाते में हेडमास्टर विद्यानी बाखला व एसएमसी के अध्यक्ष

के हस्ताक्षर से बीआरसी में बिल भेजा गया था। यह 56 हजार की राशि धर्मेन्द्र कुमार को भेंडर बना कर भेजी गयी थी। यह राशि मैडम ने पेड बाई मी लिखकर स्वयं का पैसा लगाई थी धर्मेन्द्र कुमार को भेंडर के खाते में भेजा गया था। जिसका प्रमाण बीआरसी व विद्यालय अभिलेख में मौजूद है। उसी राशि को विद्यानी बाखला शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार से मांगा करती थी। इस बीच धर्मेन्द्र कुमार एसीबी थाना पलामू में मुकदमा करने में व्यस्त थे। धर्मेन्द्र कुमार 7 अगस्त को जैसे ही 20 हजार रुपया मैडम को दिए वे एसीबी से उन्हें गिरफ्तार कराने में कामयाब हो गये। सभी ने डीसी को आवेदन देकर विद्यालय को अस्थिर करने में शामिल शिक्षक दिनेश कुमार यादव, मो. शमी अहमद, अरविंद कुमार, धर्मेन्द्र कुमार,अमित कुमार विश्वकर्मा को तुरंत हटाया जाए व इन्हें दंडित किया जाए। डीसी व अन्य पदाधिकारियों से मिलने वालों में प्रमुख सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पार्षद प्रतिनिधि दिनेश कुमार,मुखिया विजय राम,विधायक प्रतिनिधि शिक्षा विभाग राम लाला दुबे, शशांक शेखर, विधायक प्रतिनिधि अजय सिंह, बीडीसी ममता देवी, अनूप कुमार, पूर्व मुखिया विनोद प्रसाद, सतेन्द्र कुमार, विनोद कुमार,विनोद चंद्रवंशी, शशि रंजन दुबे सहित कई लोग शामिल थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर नाच-गान के साथ निकाली रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। स्थानीय प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रशाल में शुक्रवार 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्रामीणों के द्वारा आदिवासी वेशभूषा में विभिन्न प्रकार के नाच गान के साथ एक रैली निकाली गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिवासी संघ के जिलाध्यक्ष शक्ति सिंह ने उपस्थित आदिवासियों को अपना अधिकार कर्तव्य और नीति के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे क्षेत्र के आदिवासियों के साथ कैसे शोषण किया जा रहा है, आज के परिवेश में कुछ लोग हमारे आदिवासी समाज के भोले भाले लोगो को बरगला कर गलत तरीके से उनका फायदा उठाते हैं, इसके चलते हुए हमारे आदिवासी समाज को आदिवासी का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कहा कि लोगो से अपनी मांग को पूरे जोर शोर से उठाने की मांग करने की बात कही है, ताकि हमारे आदिवासी समाज को आदिवासी का पूरा अधिकार मिल सके मैके पर अक्षय शक्ति सिंह सचिव धर्मेंद्र कोरवा संयोजक राजकिशोर सिंह अनिल सिंह छोटन संजय चेरो सुरेंद्र सिंह शंभू सिंह शिवकुमार सिंह दीपक उरांव शिवरतन उरांव रंजीत बखला सुनिता देवी विरेन्द्र उरांव उमेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे

पेंशनर्स मीट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भारतीय स्टेट बैंक पिपराकाला के शाखा प्रबंधक आकाश कुमार गुप्ता के द्वारा अपने शाखा परिसर में पेंशनर्स मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक के द्वारा पेंशनरों को दी जाने वाली सुविधाएं, यथा लोन, फिक्स जमा, म्युचुअल फंड आदि विषयों पर विशेष जानकारी दी गयी। झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज गढ़वा की ओर से अध्यक्ष के द्वारा कहा गया कि पेंशनरों को समुचित सुविधा उपलब्ध करायी जाये। उन्हें पेंशन माह के 26 या 27 तारीख तक पेंशन मिल जाता हैम ऐसी स्थिति में पेंशन का भुगतान 27 से लेकर आगामी 10 तारीख तक विशेष काउंटर, बोनाफाइड काउंटर केवल पेंशनरों के लिए सुविधा उपलब्ध करायी जाये। इस मांग पर शाखा प्रबंधक ने अस्वस्थ किया कि हमसे जो भी सुविधा होगी पेंशनरों को मैं निश्चित रूप से दूंगा। शाखा प्रबंधक की ओर से सभी पेंशनरों को एक झोला और एक छाता तोहफा के रूप में सभी पेशनरो को दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित अशर्फी राम, श्रवण कुमार, बैजनाथ सिंह, सत्येंद्र सिंह, सुदामा राम, गोपाल राम, श्याम बिहारी राम प्रदुमन मेहता, शिवनारायण प्रसाद, रामाधार यादव के अलावे भी काफी संख्या में पेंशनर उपस्थित थे।

यूटीआइ ने वित्तीय जागरूकता अभियान शिविर लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। कावेरी रेस्टोरेंट में शुक्रवार को यूटीआइ (यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया) के क्षेत्रीय रीजनल मैनेजर पार्थो रॉय, यूटीआइ पलामू प्रमंडल के मैनेजर डिंबेश श्रीवस्ता एवं म्यूच्यूअल फण्ड वितरक पांडेय आलोक कुमार शर्मा के द्वारा वित्तीय जागरूकता अभियान शिविर लगाया गया। जागरूकता अभियान के तहत लोगों को पैसे के जमा में होने वाले धोखाधड़ी की जानकारी दी गयी कि किस तरह लोग जागरूकता और जानकरी के अभाव में अपनी गाढ़ी कमायी को गंवा देते है, साथ ही साथ यूटीआई म्यूचुअल फंड के बारे में बताया गया कि इसकी

स्थापना सन् 1963 में भारतीय संसद से पास यूटीआइ एक्ट के तहत किया गया था। यूटीआइ म्यूच्यूअल फंड देश के सबसे पुराना और अग्रणी म्यूच्यूअल फंड है, जिसकी स्थापना भारत सरकार के द्वारा किया गया था। यूटीआई म्यूच्यूअल फंड की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। जिसमे यूटीआई मास्टर शेयर, यूटीआइ मिड कैप, यूटीआई मल्टी एसेट फण्ड आदि है। कार्यक्रम में सिप, एसडब्लूपी, एसटीपी आदि की भी जानकारी दी गयी। धन्यवाद ज्ञापन शैलेश चौबे ने किया। जागरूकता शिविर में सुनील कुमार, दिलीप चौबे, कृष्णा दुबे आदि मौजूद थे।

ओबीसी एकता अधिकार मंच करेगा 10 अगस्त को जनसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। ओबीसी एकता अधिकार मंच, झारखंड प्रदेश के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद (बीडी प्रसाद) के नेतृत्व में झारखंड राज्य के राजधानी रांची से चलकर गढ़वा जिला के कांडी प्रखंड अंतर्गत कांडी पंचायत के नैनाबार (यज्ञशाला के पास) में 10 अगस्त दिन शनिवार को एक बड़ी जनसभा का आयोजन किया जाना है। इसके संदर्भ में कांडी पंचायत के नैनाबार, सालेया, ढाबरिया एवं कांडी जैसे विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर हमारे ओबीसी एकता अधिकार मंच के सदस्य गणों ने ओबीसी समाज की एकता और हक अधिकार के पूर्ति हेतु कल दिनांक 10 अगस्त को होने वाले जनसभा के लिए लोगों को बाइक रैली के साथ साथ प्रचार प्रसार करते हुए घर-घर जाकर आमंत्रित किया। इस दौरान क्षेत्र के ओबीसी समाज के लोगों को कल के जनसभा में बड़ी संख्या में एकजुट होने का वादा किया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

कांवरियों के जत्थे को मुखिया ने किया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। केतार बाजार से केतार मुखिया प्रमोद कुमार ने दर्जनों कावरियां का जत्था देवघर भोले बाबा पर जलाभिषेक के लिए रवाना रवाना किया। प्रखंड के केतार कांवरिया संघ का जत्था बाबा की नगरी देवघर के लिए रवाना हुए। जाने से पहले कांवरियों ने सुप्रसिद्ध मां चतुभुर्जी का दर्शन कर मत्था टेका। फिर बोल बम की जयकारा के साथ बाबा नगरी को प्रस्थान हुए। प्रमोद कुमार ने कांवरिया संघ को अंग वस्त्र से स्वागत कर प्रस्थान किया। कांवरिया केसरिया रंग का वस्त्र धारण कर रवाना हुए।

तमाड़ में वज्रपात से दो लड़कियों की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। तमाड थाना क्षेत्र में शुक्रवार को कई जगहों पर वज्रपात हुआ। इसमें धान रोपाई करने गयी दो लड़की की वज्रपात से मौत हो गयी। पांच घायल हो गयीं, जिसका इलाज तमाड़ अस्पताल में चल रहा है। मिलीं जानकारी के अनुसार अड़की थाना क्षेत्र के सोनपुर टोला कदमडीह गांव की लड़की व महिलाऐं धान रोपाई करने तमाड़ थाना क्षेत्र के बंबईकुडी गांव आयी थी की अचानक शाम को वज्रपात हो गया। जिसमें नवमी कुमारी 16 वर्ष पिता जेना मुंडा की मृत्यु घटनास्थल पर हो गयी। दुसरी घटना तमाड़ थाना क्षेत्र के पुणडीदीरी गांव के खेत के निकट घटी जब ये लोग धान रोपाई कर लौट रहे थे। तभी वज्रपात हो गया और घटनास्थल पर रीना कुमारी 15 वर्ष पिता फाल्गुनी मुंडा की मृत्यु हो गयी। तीसरी घटना तमाड़ थाना क्षेत्र के रायडीह गांव के निकट घटी जब रोपाई कर लौट रही थी। तब वज्रपात हुआ जिसमें विनोता देवी उम्र 42 वर्ष पति गोपाल कुंहार, ममता कुमारी उर्फ मजोदरी कुमारी गांव कोठाडीह उम्र 15 वर्ष शिवानी देवी हिनदरीडी 60 वर्ष व सुगा कुमारी 22 वर्ष घायल हो गये। इनका तमाड़ अस्पताल में डाक्टर सिम्मी मिंज की देख-रेख में इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर लिया है। सुबह पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा दिया जायेगा।

जेबीकेएसएस का बदलाव संकल्प सभा में पहुंचे टाइगर जयराम महतो

चांडिल डैम में जमीन गयी है, तो नौकरी देनी होगी : जयराम महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। विधानसभा क्षेत्र के चांडिल प्रखंड के चावलीबासा फुटबॉल मैदान में शुक्रवार को जेबीकेएसएस/जेएलकेएम का बदलाव संकल्प सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जेबीकेएसएस/जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो शामिल हुए। इस दौरान बदलाव संकल्प सभा को संबोधित करते हुए जयराम महतो ने कहा कि ईचागढ़ विधानसभ क्षेत्र में सबसे बड़ा मुद्दा विस्थापितों का है। चांडिल डेम निर्माण में 84 मौजा 116 गांव के लोग विस्थापित हुए है। स्थानीय लोगों की सैकडों हजारों एकड़ जमीन चांडिल डेम में डुब गया है। बदले में यहां के लोगों को 12 डीसमील जमीन मिला है। यहां के लोगों की जमीन पानी में डूब गया और चांडिल डेम अधिकारी गैर झारखंडी है। विस्थापितों की अधिकार के लिए सिस्टम को बदलना पड़ेगा। यहां के लोगों को सिस्टम बदलने की जरूरत है। तब जा के विस्थापितों को अपना हक और अधिकार मिलेगा। चांडिल डेम में जमीन गया है तो नौकरी देना होगा जबतक चांडिल डेम में प्रोजेक्ट चालू रहेगा पीढ़ी दर पीढ़ी विस्थापित परिवारों को नौकरी देना होगा क्योंकि उसका जमीन छीन लिया गया है। प्रोजेक्ट खत्म जमीन विस्थापितों को वापस करना होगा। उन्होंने कहा झारखंड के लोगों का जमीन मूल है, किसी भी हाल में जमीन छिनने नहीं देना चाहिए। जमीन छीनेगा तो सब-कुछ खत्म हो जायेगा और यहां के लोग विस्थापित होगें और बाहरी लोगों का कब्जा हो जायेगा। किसी भी हाल में जमीन, भाषा, संस्कृति को बचा के रखना है। जयराम महतो ने कहा हम सरकार से सवाल करेंगे की झारखंड निर्माण में गोली खायेगा निर्मल महतो, सुनील महतो राज करेगा सुप्रीयो भट्टाचार्य और पिंटु श्रीवास्तव, बताये सुप्रीयो भट्टाचार्य और पिंटु श्रीवास्तव का राज्य निर्माण में क्या योगदान है। वर्तमान सरकार बताये। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते है तो वृहत झारखंड की निर्माण करेंगे और स्थानीय नीति बनायेंगे, बीना स्थानीय नीति के आधार पर एक झारखंड का विकास संभव नहीं हो सकता है। मुद्दे में रहेगा एक बेहतर और कुशल स्थानीय नीति, उद्योग नीति, विस्थापन नीति, विस्थापित आयोग का गठन करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में सैकड़ो लोगों ने जेबीकेएसएस/ जेएलकेएम का दामन थामे, सभी को टाइगर जयराम महतो ने माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर तरुण महतो, सुनील महतो, गोपेश महतो, फुलचांद महतो, राकेश रंजन महतो, दमयंती सिंह मुंडा, कृष्ण महतो, नवीन महतो आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

केडीएच में 40वां चैलेंजर फुटबॉल प्रतियोगिता

खलारी (आजाद सिपाही)। रेंबो क्लब के तत्वावधान में केडीएच फुटबॉल मैदान में शुक्रवार को 40वां चैलेंजर फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि रैयत विस्थापित मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता और विनय खलखो उपस्थित थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि डीएसपी आर एन चौधरी ने खेल ध्वज फहराया। उद्घाटन का पहला मैच एलएमटी बनाम मोहननगर के बीच खेला गया। एलएमटी बनाम मोहननगर के बीच मैच खेला गया जिसमे पेनाल्टी शूटआउट में एलएमटी 5-3 से विजयी रहा। वही दूसरे मैच में बेंती बनाम चिरैया टॉड के बीच मैच खेला गया जिसमे बेंती की टीम 3-1 से विजयी रहा। दोनो मैच में मैन ऑफ द मैच को क्लब के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

आजसू ने मैराथन दौड़ आयोजित की

बुंडू (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी ने बालिकाओं और बालकों का मैराथन दौड़ आयोजित किया गया। दौड़ बालिकाओं के लिये स्व रमेश सिंह मुंडा+2 उच्चविद्यालय से ताऊ मोड़ तक 4 किलोमीटर तथा बालकों के लिए वहीं से जामटोला डी ए भी स्कूल के मोड़ तक 6 किलोमीटर का था। मैराथन दौड़ में बालिका वर्ग में प्रथम नलीता सिंह मुंडा (वरुणा, ईचागढ़) द्वितीय कल्याणी कुमारी (उलीलोहर, तमाड़) तृतीय सरौती कुमारी (बेलबेड़ा, आराहांगा तमाड़) चतुर्थ अष्टमी कुमारी (ताऊ) बालको में प्रथम करम उरांव (गुटूहातू, बुंडू) द्वितीय विनोद अहीर (बालाडींग, ताऊ) तृतीय राम महली (बारूहातू, बुंडू) विजयी हुए। उक्त आयोजन में परमेश्वरी सांडिल, सिंगराय टुटी, केशव चंद्र महतो, राजकिशोर कुशवाहा, भयभंजन महतो, हरिहर महतो, कालीपद महतो, मो सेराज, आकाश विद, सुबोध मांझी, नन्देश्वर महतो, मुकेश महतो पवन महतो, रंजीत महतो और बुंडू के आमजनता का सहयोग रहा।

विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया

बुंडू (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आइपीएस स्कूल बुंडू में धूमधाम से मनाया गया। आदिवासी दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान जनजातीय समाज को एकजुट शिक्षित और विकसित करने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में आदिवासी समाज के महिलाएं, छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के प्रिंसिपल पद्मा मिश्रा भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण से शुरू किया। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक तारक, राहुल, सूरज, ऋषिकेश और शिक्षिका बरखा, रेणुका, संगीता, कुमकुम, श्वेता तथा सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

हमें आदिवासी जीवन दर्शन को अपनाना होगा, तभी हम आगे बढ़ सकते हैं : कोचे

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा के भाजपा विधायक काचे मुंडा के पैतृक गांव ममरला में शुक्रवार को धूमधाम से विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक और गांव के पाहनों ने किया। मौके पर कोचे मुंडा ने कहा कि हमें आदिवासी परंपरा, संस्कृति और आदि धर्म को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपने आदिवासी जीवन दर्शन को अपनाना होगा, तभी हम आगे बढ़ सकते हैं। विधायक ने कहा कि आज आदिवासियों पर धार्मिक और सांस्कृति हमले हो रहे हैं और आदिवासियत को खत्म करने का षडयंत्र किया जा रहा है। कोचे मुंडा ने कहा कि हमें ऐसे तत्वों से सावधान रहने की जरूरत है और सभी आदिवासियों को एकजुट होकर ऐसे तत्वों का मुकाबला करना होगा। मौके पर काफी संख्या मे ग्रामीण मौजूद थे।

नव उदारवादी आर्थिक नीतियों को एनडीए जबरन आदिवासियों पर थोप रहा है : कालीचरण मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड भवन नयी दिल्ली में विश्व आदिवासी दिवस पर खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा कीह प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनहें नमन किया। मौके पर कालीचरण मुंडा ने कहा कि कहा देश में साम्राज्यवाद, देशी-विदेशी, कॉरपोरेट घरानों, उद्योगपतियों की नव उदारवादी आर्थिक नीतियों को एनडीए द्वारा जबरन आदिवासियों के ऊपर थोपा जा रहा है। आदिवासी दिनों दिन शोषण, दमन एवं विस्थापन का शिकार हो रहे हैं। इसके विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ का यह प्रस्ताव एक व्यापक आंदोलन के लिए देश भर के विभिन्न संगठनों को एक संयुक्त मंच बनाने का अवसर प्रदान करता है। ऐसा हुआ तो जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों का पूर्ण अधिकार और स्वायत्तता स्वतः हासिल हो जायेगी। कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1994 में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस की घोषणा की थी। यह दिवस 1982 में हुई पहली बैठक की तारीख को चिह्नित करता है, जिसमें आदिवासी समुदायों के मुद्दों पर चर्चा की गयी थी। 2007 में संयुक्त राष्ट्र ने आदिवासी लोगों के अधिकारों पर एक घोषणा पत्र को अपनाया, जिसने आदिवासी समुदायों के अधिकारों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी। सांसद ने कहा कि भारत में भी आदिवासी समुदायों का अहम योगदान रहा है। आदिवासी समुदाय के लोगों की देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूदगी है। आदिवासी समुदाय अपनी अनूठी संस्कृति और परंपराओं के साथ जुड़े हुए हैं। मौके पर मंत्री झारखंड सरकार दीपिका पांडेय सिंह, लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत, ललित महतो, विजय कुमार स्वांसी आदि उपस्थित थे।

जरियागढ़ राज परिवार में हुई नागपंचमी की पूजा

कर्रा (आजाद सिपाही)। छोटानागपुर की पुरानी रियासत जरियागढ़ के राज परिवार द्वारा शुक्रवार को परंपरागत ढंग से नाग पंचमी में अष्ट नाग देव और मां चिंतामणि की पूजा-अर्चना की गयी। राज पुरोहितों ने तांत्रिक विधि से माता चिंतामणि और अष्ट नाग देव की पूजा-अर्चना की और बकरे की बलि दी गयी। अष्ट नाग देव की पूजा पुरोहित अशोक कुमार शर्मा और मां चिंतामणि की पूजा पंडित बसंत षड़ंगी ने की। पुण्यजल ठाकुर जयेंद्र नाथ शाहदेव सहित सभी सदस्यों ने ग्रहण किया। मौके पर लाल मृगेंद्र नाथ शाहदेव, लाल आशुतेंद्र नाथ शाहदेव, लाल यशनाथ शाहदेव, लाल अनूप नाथ शाहदेव, लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव, लाल सत्येंद्र नाथ शाहदेव, आदित्य नाथ शाहदेव, देवनाथ सिंह कतरासगढ, समरजीत झा, पुरोहित सदन गोपाल शर्मा, अश्विनी कुमार शर्मा, नीरज कुमार शर्मा उपस्थित थे।

रनिया में प्रखंड स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस पर परिचर्चा और सांस्कृतिक समारोह

खूंटी (आजाद सिपाही)। सिंदुवार टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को रनिया में प्रखंड स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला परिषद सदस्य बिरेन कंडुलना, विशिष्ट अतिथि बनायी पंचायत की मुखिया बरदानी कंडुलना, ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेश कोंगाड़ी, उमुल मुंडा, सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय सचिव राजेन कुमार उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए विश्व आदिवासी दिवस कें बारे में जानकारी दरी गयी और मानव तस्करी पर वक्ताओं ने चिंता जाहिर की।

विश्व आदिवासी दिवस पर वन विभाग ने किया पौधरोपण

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वन विभाग ने बारेंदा ओर दोकाद में किया पौधरोपण। प्रभारी सहायक वनरक्षक अमरनाथ भगत के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने बारेंदा पहाड़ी में पौधरोपण किया। लोगों को पौधा संरक्षण और पर्यावरण के विषय में जानकारी दी गयी। मौके पर वनपाल दिलीप मुंडा, वनरक्षी करमा हीरो, वन विभाग के अधिकारी सहित मुखिया सुभद्रा देवी, प्रकाश सिंह मुंडा, गोकुल सिंह देव, चंद्रकांत महतो, नवल किशोर सिंह देव, माधव उरांव, आदि ग्रामीण मौजूद थे। इधर राहे प्रखंड के दोकाद गांव में वनपाल राजू महतो के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। मौके पर वनरक्षी शशि कुमार महतो, वन समिति अध्यक्ष हरीश कुमार महतो, धुरंधर महतो, देवगन महतो आदि मौजूद थे।

अशोका में गेट मीटिंग कर कोयला उद्योग के निजीकरण के खिलाफ की गयी नारेबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। कोयला उद्योग के निजीकरण के खिलाफ एटक के आह्वान पर यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के द्वारा विरोध सप्ताह की शुरूआत शुक्रवार से की गयी। विरोध सप्ताह के पहले दिन पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना के पीट ऑफिस मे युनाईटेड कोल वर्क्स युनियन के द्वारा गेट मिटिंग की गई। मिटिंग की अध्यक्षता अनित कुमार ने किया। इस विरोध सप्ताह में कोयला उद्योग का निजीकरण करना बंद करो के स्लोगन के साथ मजदूरों को सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों से अवगत कराया गया। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए सीसीएल वेलफेयर बोर्ड सदस्य अरविंद शर्मा ने कहा कि सरकार एमडीओ, रेवेन्यू शेयरिंग के माध्यम से कोल इंडिया के खदानों को प्राईवेट मालिकों को सौंप रही है। जिसके पीछे साजिश है। इसे रोकने के लिए हम सभी को जोरदार आंदोलन करने की जरूरत है। कहा कि कोयला उद्योग के निजीकरण के खिलाफ एटक के आह्वान पर सभी जगह पर 9 अगस्त से लेकर 14 अगस्त तक यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के द्वारा विरोध सप्ताह मनाया जा रहा है। इस मौके पर मोहम्मद रहमतुल्लाह, दुर्गा गंझु, सोहन गंझु, अरुण गंझु, रामेश्वर महतो, कैलाश राम, एमपी सिंह, जागे भगत, रमेश उरांव, नगिया देवी,पानो देवी, फूलो देवी,सरिता कुमारी, मुखनी देवी, पुरनी देवी, सुरेंद्र प्रसाद, नागेश्वर राम, देवंती देवी, पचमी देवी, मुनिया देवी सहित काफी संख्या में कोयला मजदूर उपस्थित थे।

हर-घर तिरंगा अभियान के निमित्त बैठक की गयी

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। सिल्ली विधानसभा के राहे मंडल कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान के निमित्त बैठक की गयी। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मेघनाथ महतो ने की। बैठक में प्रभारी के रूप में रांची जिला ग्रामीण के पूर्व जिला अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार उपस्थित हुए। उन्होंने ने विस्तार पूर्वक हर घर तिरंगा अभियान को शक्ति केंद्र से बूथ स्तर तक कैसे सफल बनाया जाए इस पर चर्चा की एवम बंगला देश की स्थिति से अवगत कराते हुए सभी से सावधान रहने की बात कही,गांव में नए चेहरे देखने पर उसकी जानकारी लें और प्रशासन को अवश्य सूचित करें।

हर-घर तिरंगा को लेकर हुई बैठक

बुंडू (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को कुशवाहा भवन के सभागार में बुंडू ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष धीरेन राम महतो के अध्यक्षता में सभी पदाधिकारी सभी सदस्य और सभी मोर्चा के साथ हर घर तिरंगा को लेकर बैठक हुआ। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी पदाधिकारी, सदस्य औरं मोर्चा के पदाधिकारी अपने-अपने घरों पर तिरंगा झंडा लगाते हुए लोगों से अपील करेंगे। लोग देश के सम्मान के लिए तिरंगा उत्सव के रूप में अपने-अपने घर में झंडा लगाये। इस कार्यक्रम के प्रभारी रंजीत लाहेरी और कमलेश कुम्हार, योगेंद्र महतो, रिलीफ महतो, सोमा उरांव, महेश मुंडा, सखी देवी, भवतारण महतो, गणेश महतो, धर्मेंद्र महतो, संजय महतो, भोला नाथ महतो, शिबु महतो, श्रीहरि महतो, परमेश्वर महतो बसंत महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आदिवासी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया

बुंडू (आजाद सिपाही)। आदिवासी छात्रावास में शुक्रवार को आदिवासी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासी छात्रावास के छात्रों के द्वारा जुलूस निकालकर धुर्वा मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही आदिवासी छात्रावास में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तमाड़ विधायक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक ने आदिवासी दिवस के अवसर पर कहा कि समाज में फैले कुरितीयो को हटाना है एवं नशा पान से हमें दूर रहना हैं। कार्यक्रम में आदिवासी छात्रों द्वारा नृत्य संगीत का आयोजन भी किया गया। छात्र संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र लोहरा ने आगंतुकों की अगुवाई किया।

पिपरवार में धूमधाम के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड जल्द हो लागू : विकास

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत के ग्राम सभा मांडर द्वारा शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पुनीत मिंज और विशिष्ठ अतिथि झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय संगठन सचिव विकास महतो, सिस्टर रीता बारला, विक्टोरिया कुजूर द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। समारोह मे आए अथितियों का स्वागत पारंपरिक ढोल नगाड़े के साथ किया गया। मौके पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर सभा स्थल मे पौधा लगाया गया। आदिवासी दिवस मे आदिवासियों की परंपरागत लोक गीत,बच्चो द्वारा नुकड़, कला संस्कृति प्रदर्शन और मांदर की थाप पर आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया गया। आदिवासियों पर हो रहे विकास के नाम अत्याचार पर चिंतन किया गया। सभा को पुनीत मिंज, विकाश महतों, संतोष कुमार महतो, सिस्टर रीता बारला, विक्टोरिया कुजूर, डाले उरांव और संजय भुइयां ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी होने पर गर्व महसूस करें। जेबीकेएसएस केंद्रीय संगठन सचिव विकास महतो ने कहा कि आदिवासियों को बचाये रखने के लिये युएनओ ने विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा किया,ताकी आदिवासियों और पुरखों द्वारा गढ़े गये जीवन शैली, शिक्षा, मूल्य और परंपरा को बचाया जा सके। जब विज्ञान और धर्मों का अविष्कार नहीं हुआ था तब अकूत जंगलों पहाड़ों में जीने की कला, शैली और अनुभव सीखा उसे बचाया जा सके। वही आदिवासियो की पहचान के लिए सरना धर्म कोड सरकार से जल्द लागू करने की जरुरत है। आदिवासी प्रकृति पूजक है और वो प्रकृति को भगवान मानते हुए प्रकृति से जरूरत भर जरूरी चीजें प्रसाद रूप में उपयोग करते है। जिस तरह वर्तमान मे ग्लोबल वार्मिंग, सुखा, बाढ़ गर्मी आदि से विश्व और मानवजीव त्रस्त है ऐसे में आदिवासी दर्शन को अपनाना ही एकमात्र विकल्प है। सभा की अध्यक्षता राजकुमार तिर्की और संचालन जुगेश मिंज और राजमुनी कुमारी ने किया। मौके पर बलेश्वर उरांव, अनिता उरांव,रमनी उरांव, तिलक गंझु, अजीत टोप्पो, मुक्ति प्रकाश केरकेटा, सुनीता उरांव, बहादुर उरांव, जगदीश उरांव सहित सैंकड़ों ग्रामीण महिला पुरुष शामिल थे।

गेडेवीर सिल्ली में विश्व आदिवासी दिवस मना

मुरी/सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली गेडेवीर में विश्व आदिवासी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। मंच के समीप साल गाछ का विधिवत रूप से पूजा अर्चना की गयी। आदिवासी के महान पुरुषों का जयकारा लगाया गया। आदिवासी नृत्य को परंपरागत रूप से प्रस्तुत किया गया। मंच के विशिष्ठ अतिथि रामानंद बेदिया ने समाज को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कहा कि हम आदिवासियों को एक मंच पर आने की जरूरत है। यहां के राजनेता को बदलिए नहीं तो हम लोग का विकास नहीं होगा। रामानंद बेदिया को आदिवासीयों ने नाचते गाते स्वागत करते हुए मंच तक लाए। संचालन भुनेश्वर बेदिया ने किया। अध्यक्ष संजय बेदिया, सचिव किनु बेदिया, गोपीनाथ करमाली, अर्जुन बेदिया के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया।

विश्व आदिवासी दिवस : विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित कर राजनीतिक-सामाजिक संगठनों ने मनाया उत्साह

शिक्षा सबसे बड़ा हथियार: शिल्पी नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर/लापुंग/बेड़ो/इटकी/सिकिदिरी/रातू। विश्व आदिवासी दिवस पर मांडर पल्ली की ओरर से शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने कभी लाठी-काठी और तीर-धनुष से अपने हक-अधिकार की लड़ाई लड़ी थी। लेकिन बदले हुए समय के अनुरूप, वर्तमान में हम आदिवासियों को अपनी लड़ाई बौद्धिक रूप से लड़ने की जरूरत है। विधायक ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है जिसका उपयोग कर हम अपनी कमियों-कमजोरियों को दूर कर सकते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि सभी आपसी एकजुटता बरकरार रखते हुए आगे बढ़ें और एक-दूसरे की हमेशा सहायता करें। इस नि सबसे पहले जुलूस निकालकर विश्व आदिवासी दिवस की शुरूआत की गयी जिसमें सभी महिला-पुरुष अपने पारंपरिक पोशाक पहने हुए थे। दूसरी ओर, लापुंग प्रकंड में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। लापुंग के बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर सापुकेरा के पाहान बिकनू मुंडा ने पूजा करवाया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के दिखाये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इसके बाद कालेज मैदान में सभा आयोजित हुई। जिसमें आदिवासी संस्कृति को बचाने को लेकर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। इसके अलावा बेड़ो के डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षकों द्वारा आदिवासी जननायक भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। सभी आदिवासी शिक्षक शिक्षकाएं अपने पारंपरिक वेशभूषा में आए। वहीं स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने कहा कि आदिवासी प्रकृति के संरक्षक होते हैं। झारखंड भी आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां भी बहुत से आदिवासी क्रांतिकारियों ने भारत की जंग-ए-आजादी में अहम भूमिका निभाया। जिसमें बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हु, चांद-भैरव आदि शामिल थे। विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के उत्थान और उनके संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रति वर्ष 9 अगस्त को पूरे विश्व में मनाई जाती है।

विश्व आदिवासी दिवस पर पारंपरिक आदिवासी नृत्य करतीं मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की। बेड़ो डीएबी स्कूल में विश्व आदिवासी दिवस पर उपस्थित शिक्षिकाएं व अन्य।

रातू में विश्व आदिवासी दिवस पर निकला विशाल जुलूस

रातू (आजाद सिपाही) प्रखंड में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। पारंपरिक वेश -भूषा व ढोल-नगाड़े के साथ हजारों युवक-युवतियों ने रातू के विभिन्न क्षेत्रों में जुलूस निकाला। दोपहर दो बजे रातू किला मैदान में सभा आयोजित हुई। जिसमें हजारो युवक- युवतियां नृत्य करते तिलता चौक पहुंची थी। सभा में आदिवासी रीति रिवाज व पहचान को बचाये रखने की शपथ ली गयी। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज एकजुट हो और विकास से जुड़े। हमारी संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाज और संस्कार ही हम आदिवासियों की पहचान है। हमें अपने समाज को इस समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए संकल्प लेने की जरूरत है। दूसरी ओर, सभा के बाद तिलता चौक का नामकरण करते हुए शहीद वीर बुधु भगत चौक रखा गया। वहीं, सुरक्षा को लेकर थाना प्रभारी शशिभूषण चौधरी मौजूद थे। इस मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष व पूर्व जीप सदस्य अमर उरांव, रेणु तिर्की, सुमन तिर्की, मंगरु उरांव, सोनी कच्छप, सुकरा उरांव, चारे भगत, रंजीत खलखो, गोयंदा उरांव व विमल तिर्की आदि मौजूद थे।

आदिवासी अपने विचार-परंपर को जीवंत रखे हैं

इटकी के सरना स्थल पर भी शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आदिवासी अपने विचारों और प्रथाओं को आज भी जीवंत रखे हुए है। जल जंगल और जमीन बचाने उलगुलान करते आ रहे है। पर्यावरण बचाने की प्रवृति आदिवासियों को संस्कार में मिलती है। झारखण्ड के अनेकों आदिवासी महापुरुषों ने बलिदान देकर देश को स्वतंत्रता दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में समाज के बिरसा मुंडा सिद्धू कानू भगत जतरा टाना भगत जैसे महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। सरना समाज के अध्यक्ष बिरा उरांव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इसके पूर्व सरना युवा संघ की अगुवाई में पहानों द्वारा विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया। इसके बाद सरना स्थल पर पौधा रोपन किया गया। मौके पर पहान अशोक उरांव, पानभरा विजो उरांव, प्रधान सुधीर उरांव, विजय उरांव, अध्यक्ष बीरा, बिंदेश्वर उरांव आदि उपस्थित थे। वहीं, विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी आदर्श पंचायत नवागढ़ में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अनगड़ा के जिला परिषद सदस्य पूर्वी राजेन्द्र शाही मुण्डा भी उपस्थित थे। मौके पर मुखिया भुवनेश्वर बेटियां, संतोष बेटियां, जगदीश भोगता, संजय बेदिया, वार्ड सदस्य गायत्री देवी, नरेन्द्रनाथ बेदिया, अमर सिंह, विवेकानंद महतो, दीपिका कुमारी, चैती देवी, मुन्नी देवी, सविता देवी आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

सर्पदंश से मृत पार्वती के परिजनों को प्रशासन दे सरकारी लाभ: आरती कुजूर

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सोदाग पंचायत के बांडा गांव निवासी मोती सिंह बड़ाईक की छोटी बेटी पार्वती कुमारी की सर्पदंश से मौत हो गई थी। इसकी सूचना पाकर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर और प्रदेश एसटी मोर्चा नेत्री अंजली लकड़ा पीड़ित परिवार से मुलाकात करने बांडा पहुंची। वहां पीड़ित से बात करने पर उन्होंने बताया कि पार्वती बाल गोविंद उच्च विद्यालय तुपुदाना के कक्षा 10वीं की छात्रा थी। 27 जुलाई की सुबह पार्वती जमीन पर सो रही थी तभी उसे करैत सांप ने काट लिया था। जिसके बाद परिजनों ने गंभीर अवस्था में उसे रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं इलाज के दौरान 7 अगस्त को उनकी मौत हो गयी. बता दे कि पार्वती का परिवार गरीब है। जिस कारण इलाज में भी परेशानी हुई और पार्वती की मौत हो गई। आरती कुजूर ने प्राकृतिक आपदा के तहत स्थानीय प्रशासन से तत्काल मदद करने और राज्य सरकार से पीड़ित परिवार को मुआवजा राशि सहित सभी सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

युवाओं को राजनीति में आने की जरूरत: राजेंद्र शाही मुंडा

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस पर लगातार तीसरे वर्ष प्रस्तावित प्रखंड जोन्हा के टाटी पंचायत में 5 किमी मैराथन दौड़ का आयोजन 'यूथ आजसू' के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य अनगड़ा पूर्वी राजेंद्र शाही मुंडा शामिल थे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। पूरी दुनिया ने माना कि आदिवासी ही प्राकृतिक के असली संरक्षक हैं और उन्हीं के प्रयास से आज भी पर्यावरण सुरक्षित है। आदिवासी युवाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है, ताकि आदिवासी समुदाय भी खुद को और बेहतर स्थापित कर सकें। आज कला, संस्कृति, खेल, शिक्षा, नौकरी हर क्षेत्र में आदिवासियों ने अपने हुनर का लोहा मनवाया है। इस मौके पर आजसू के जिला उपाध्यक्ष राजू महली, शंकर मुंडा, मुखिया सुमित्रा देवी, विजय उरांव आदि उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को जन उत्सव के रूप में मनायें : रामनारायण भगत

बेड़ो (आजाद सिपाही)। मांडर प्रखंड के टांगरबसली में शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर बैठक की गई। बैठक में भाजपा नेता रामनारायण भगत ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम को जन उत्सव के रूप में मनाने की अपील की। कहा कि हर घर तिरंगा भाजपा का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को निभाते हुए हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्य करना है। 11, 12 व 13 अगस्त को प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा के नेतृत्व में निकाली जाएगी। 12-14 अगस्त में महापुरुष की प्रतिमा व स्मारकों के आस पास स्वच्छता अभियान चलेगा। 13, 14 व 15 अगस्त तक प्रत्येक कार्यकर्ता जन-जन से संपर्क करके प्रत्येक घर एवं व्यवसायिक केंद्रों पर हर घर तिरंगा फहराने के लिए भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। बैठक में प्रभारी पुरंजय महतो अध्यक्ष अशोक साहू,प्रदीप महली महामंत्री हरीश गोप,रवि साहू उपेंद्र सहित पंचायत के अध्यक्ष आदि मौजूद थे।

बांस वस्तु सामग्री निर्माण प्रशिक्षण का उद्घाटन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। बांस वस्तु समाग्री निर्माण प्रशिक्षण का उद्घाटन समाजसेवी सुषमा कुमारी ने किया। आदिवासी कल्याण आयुक्त झारखंड सरकार का आयवृद्धि योजना द्वारा संचालित होने वाले बांस क्राफ प्रशिक्षण मे बांस से निर्मित होने वले सजावट के समन साथ ही जरूरत के अनुसार उपयोग में आने वाले समान निर्माण करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। समजसेवी सुषमा कुमारी ने कहा कि नयी तकनीकों का इस्तेमाल कर बांस से गृह उपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर समाजिक संस्था स्वावलंबन ने हस्तशिल्प से जुड़े शिल्पी को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बना रहे हैं। यह प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा। मौके पर संस्था के सचिव पुनीता राय, कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद, प्रशिक्षक उज्जवल कुमार, मीना देवी थे।

11 से 13 तक भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। भाजपा जिला अध्यक्ष की ओरर से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रेस वार्ता कर हर घर तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम की जानकारी दी गई। 11, 12 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा, 12, 13, 14 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानियों एवं युद्ध स्मारकों पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण, 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस, 13,14,15 अगस्त को छोटे बच्चों के हाथो से घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराना, स्वतंत्रता दिवस पर सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेना है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष, ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष मानकी राजेंद्र शाही, पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर चौधरी,किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अमर नाथ चौधरी, नरेंद्र सिंह, भाजयुमो उपाध्यक्ष अमन यादव,,मंडल अध्यक्ष, शशि भूषण साहु, अमित कुमार, अलख नाथ महतो, रमेश बेदिया और राज धाम साहू आदि उपस्थित थे।

इटकी पीएचसी में डाकटरों की पदस्थापना के लिए भिक्षाटन कर आदोलन का बिगुल फूंका

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की पद स्थापना संसाधन की कमी को पूरा करने की मांग को लेकर स्वास्थ्य विभाग के विरुद्ध लोगों ने आदोलन का बिगुल फुंक दिया है। शुक्रवार को इटकी बाजार स्थित जामा मस्जिद के निकट बुद्धि मंच और पेंसनर समाज द्वारा भिक्षाटन कर प्रदर्शन शुरू किया गया। भीख मांग कर 586 रुपया जुटाया गया। रविवार को सीएनआई चर्च और सोमवार को इटकी शिवालय के निकट भिक्षाटन किया जायेगा। इसके बाद मंगलवार को सरकार से इटकी स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टरों की पदस्थापना के लिए भीख में मांगी गई राशि को रांची सिविल सर्जन को सौंपा जायेगा। ज्ञात हो कि इटकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले 11 महीने से डाक्टरों का पद रिक्त है। जिससे महिलाओं के प्रसव सहित अन्य चिकित्सा सेवा ठप पड़ गया है।

इचापीड़ी पंचायत में 'जल नल योजना'

पिठौरिया (आजाद सिपाही)। केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से कांके प्रखंड के इचापीड़ी पंचायत में 'जल नल योजना' के तहत हर घर में पानी पहुंचाया जाएगा। शुक्रवार को इस योजना की शुरूआत के लिए मुखिया लाखो उरांव, पंसस ऐनुल हक अंसारी, उप मुखिया मोहम्मद गुफरान ने विधिवत उद्घाटन किया। उप मुखिया मोहम्मद गुफरान अंसारी ने बताया कि इचपीड़ी पंचायत में गर्मी में पंचायत वासियों को पानी की काफी दिक्कत होती है, जिसे देखकर हम लोगों ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग भारत सरकार के इस योजना को पंचायत पर लाने का प्रयास किया। पूरे पंचायत में 38 जगह पर डीप बोरिंग और सोलर प्लेट, टंकी लगाकर हर घर में नल से पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। मौके पर इचापीड़ी के मुखिया लाखों उरांव, उप मुखिया मोहम्मद गुफरान अंसारी, वार्ड सदस्य हसीब अंसारी, पंचम उरांव, सुधीर, तौफीक अंसारी, नौशाद आदि मौजूद थे।

नामकुम में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के खिजरी पंचायत अंतर्गत तुंबागुट्टू गांव में शुक्रवार को जिप सदस्य सह भाजपा नेता रामअवतार केरकेट्टा एवं खिजरी मुखिया कामेर्ला कच्छप के नेतृत्व में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा व मंच संचालन खिजरी विधानसभा सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को अंगवस्त्र और फलदार पौधा देकर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्व के आदिवासी समाज में जागरूकता और उनके अधिकारों की सुरक्षा को प्रेरित करने के उद्देश्य आज के दिन विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। वहीं, प्रमोद सिंह ने कहा कि आदिवासी और प्रकृति एक दूसरे के पूरक है। आदिवसी समाज हमारे पर्यावरण के मुख्य संरक्षक है। हमें पर्यावरण संरक्षण एवं अपनी संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सिखने को मिलता है। हम सभी को एकजुटता के साथ-साथ मिलजुल कर समाज के उत्थान एवं विकास के बारे में सोचने की आवश्यता है। रामअवतार केरकेट्टा ने कहा कि झारखंड की तस्वीर आदिवासी समाज और गांव से संवरेगी। आदिवासी समाज ईमानदार के साथ-साथ क्रियाशील व्यक्ति भी है। मौके पर करीब दो सौ वृद्ध पुरुष एवं महिलाओं के बीच साड़ी, लुंगी, गंजी और फलदार पौधे का वितरण किया गया। इस दौरान ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष अखिलेश यादव, बनो और बनाओ मंच के संस्थापक रामाधार सिंह, भाजपा नेता मुन्ना बड़ाईक, नरेश साहू, फिरोज खान, सोनी बेक, सुषमा देवी, रवि सागर, जूलिमनी टोप्पो, सुशीला मुंडा, नवीन आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा टाटीसिलवे मंडल कार्यसमिति की बैठक

नामकुम (आजाद सिपाही)। भाजपा टाटीसिलवे मंडल के कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र महतो के आवास पर आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता राजेंद्र महतो, संचालन महामंत्री रुद्रेश्वर राय व धन्यवाद ज्ञापन एसटी मोर्चा अध्यक्ष रतनु कुजूर ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान मुख्य रुप से खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन एवं प्रभारी मनोज कुमार चौधरी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पीएम मोदी जी के जनकल्याणकारी योजनाओं को आमलोगों के बीच पहुंचाकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की अधिक से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित हो सके। इस दौरान तिरंगा यात्रा निकालने, 14 अगस्त को विभिषिका दिवस मनाने एवं प्रखंड घेराव करने पर चर्चा की गई। बैठक में सिलवे मुखिया नूतन पाहन, बूथ अध्यक्ष रमेश लकड़ा, सिदाम सिंह मुंडा, सरयुग प्रसाद, अमित कुमार मिश्रा, सुनीता देवी, पुरुषोत्तम मिश्रा, साईनाथ महतो, तारा राय, केसी सिंह, नागेश्वर महतो, प्रशांत किशोर, जीवन ज्योति देवी, निलु तिर्की, अशोक पासवान, नागेश्वर महतो, रंजीत कुमार, राजकिशोर सिंह, छेदी यादव, मोहन राय, उर्मिला देवी, संगीता देवी, गिरिधर मिश्रा, संजू कुमारी, कल्याणी कुमारी आदि मौजूद थे।

हाथियों से प्रभावित परिवार को खाद्य सामग्री वितरित

चान्हो (आजाद सिपाही)। जिप सदस्य सह आजसू के केंद्रीय सचिव आशुतोष तिवारी ने शुक्रवार को बेयासी पंचायत के कंजगी गांव में हाथियों से प्रभावित परिवार से मिलकर खाद्यान्न दिया। प्रभावित परिवार धना महतो और बंधना महतो का घर व फसल पूरी तरह बर्बाद हो गया है। बताते चलें कि पिछले दिनों कंजगी गांव में हाथियों के झुंड ने कई घरों व फसलों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। पीड़ित परिवारों ने कहा बहुत लोग मिलने आए मगर किसी प्रकार का मदद अभी तक नहीं मिला था।

विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य स्तरीय ग्रामीण व स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वाधान में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को दो दिवसीय राज्य स्तरीय ग्रामीण व स्वदेशी जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का उद्घाटन मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में हुआ। इसमें झारखंड के खेल निदेशक संदीप कुमार के अलावा झारखंड के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, साझा के संयुक्त निदेशक राज किशोर खाखा एवं विभागीय खेल उपनिदेशक मनीष कुमार थे। स्वागत भाषण साझा के संयुक्त निदेशक राज किशोर खाखा और संचालन विभाग के वरिष्ठ खो-खो प्रशिक्षक अजय झा ने किया। योग प्रदर्शन संत कबीर सेवा धाम आश्रम ठाकुरगांव रांची अनाथालय के बच्चों द्वारा कैप्टन संतोषी साहू के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर निदेशक ने पश्चिमी सिंहभूम की ज़िला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की, लोहरदगा के जिला खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा, रामगढ़ के जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेमरोम, धनबाद के जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा एवं रांची के जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार को प्रतीक चिह्न एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में अजय झा, विभागीय प्रशिक्षक भरत कुमार शाह, गोपाल तिर्की, सुनील महली, अनमोल टोप्पो, काली चरण महतो, अंगद हंसराज, राजू साहू, हरीश कुमार, प्रेम पूर्ति, अख्तर हुसैन, बलराम, मोहन कुमार, जोलेन केर-केट्टा, संदीप उरांव, रेमंड मिंज, सुदीप कुजूर आदि ने अहम भूमिका निभाई। धन्यवाद ज्ञापन जिला खेल पदाधिकारी रांची सह प्रतियोगिता के नोडल पदाधिकारी शिवेन्द्र कुमार ने किया। बाद में पुरस्कार वितरण साझा के संयुक्त निदेशक राज किशोर खाखा, साई सैग प्रभारी सह अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक विनोद कुमार सिंह ने सभी खेलों के विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

अनगड़ा में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सरना आदिवासी समाज समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय प्रांगण में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूवात भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर आदिवासी परंपरा के अनुसार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मांदर की थाप पर आदिवासी महिला पुरुष पारंपरिक वेश भूषा में थिरकते नजर आए। इस अवसर पर आयोजित सभा में समिति के अध्यक्ष शनिचरवा पाहन, संरक्षक मुन्ना मुंडा, बीरू उरांव, उपाध्यक्ष अजय उरांव, सचिव राजू उरांव, कोषाध्यक्ष रवि उरांव, विनोद उरांव, तुलसी उरांव, हिरदू उरांव आदि ने कहा कि झारखंड में लागू सीएनटी एसपीटी एवं वन अधिनियम आदिवासियों का रक्षा कवच है। कार्यक्रम में गेतलसूद, महेशपुर, जोन्हा, बाणपुर, बोंगईबेडा, जरगा पैक्रा, चमघाटी, बेडवारी, टाटी, बूढ़ीबेड़ा, नारायणसोसो सहित अन्य इलाकों से सैकड़ों लोग शामिल हुए।

जनजाति सुरक्षा मंच ने विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित की शोकसभा

आज ही के दिन हुआ था नरसंहार: जगरनाथ भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। महादानी मैदान के रंगमंच में शुक्रवार को जनजाति सुरक्षा मंच की ओर से विश्व आदिवासी दिवस पर शहादत दिवस मनाया गया। परिसर में दीप जलाकर कार्तिक उरांव व बिरसा मुंडा को नमन करते हुए संकल्प लिया गया कि जनजाति समाज की रक्षा और सुरक्षा हो, उनका धर्म, अस्तित्व और पहचान बना रहे और अधिकार जल, जंगल, जमीन बचा रहे। इस अवसर पर जिला संयोजक जगरनाथ भगत ने कहा कि इतिहास का अध्ययन करने और जानने के बाद नौ अगस्त को केवल शोक संकल्प अथवा श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाए जाना चाहिए। कहा कि लाखों जनजाति मूलनिवासी भाई बहनों पर अत्याचार किए गए। प्रताड़ित करने के बाद उनका नरसंहार किया गया। कई देशों में उनका समूल नष्ट कर दिया गया। इन सब पर पर्दा डालने के लिए ही नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस उत्सव के रूप में मनाया जाने लगा। मौके पर विशु उरांव, फागु मुंडा,मनोज भगत, पुनई उरांव, बन्नू भगत, सुकरा भगत,रंथा उरांव, चंद्र किशोर उरांव आदि मौजूद थे।

वेदांता एल्युमीनियम ने जैव ईंधन दिवस पर सतत ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की

गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 10 अगस्त को मनाया जाता है जैव ईंधन दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

झारसुगुड़ा, ओड़िशा। भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक वेदांता एल्युमीनियम ने अपने झारसुगुड़ा परिचालन में टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है। भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप कंपनी अपने स्थिरता के मिशन को आगे बढ़ाते हुए अपने ऊर्जा मिश्रण में जैव ईंधन को एकीकृत करना जारी रखती है। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के रूप में गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 10 अगस्त को जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। यह दिन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने में जैव ईंधन की भूमिका पर प्रकाश डालता है। वित्त वर्ष 2024 में वेदांता झारसुगुड़ा परिचालन ने अपने 1215 मेगावाट कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी) में 317 मीट्रिक टन बायोमास का सह-फायरिंग करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। इस पहल के परिणामस्वरूप प्रति टन 382 मीट्रिक टन सीओ2 समकक्ष (टीसीओ2इ) की कमी हुई, जो नवीन ऊर्जा समाधानों के माध्यम से अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए कंपनी के समर्पण को रेखांकित करता है। वेदांता झारसुगुड़ा अपने परिचालन में इलेक्ट्रिक वाहन (इवी) फोर्कलिफ्ट की तैनाती के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण का भी समर्थन कर रहा है। विद्युतीकरण की दिशा में यह कदम जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने और समग्र ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, रेस्टोरा और रेस्टोरा अल्ट्रा, हमारे निम्न कार्बन और अल्ट्रा-लो कार्बन ग्रीन एल्यूमीनियम का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कर-के किया जाता है, टिकाऊ एल्यूमीनियम उत्पादन के लिए उद्योग में नये मानक स्थापित कर रहे हैं।

अपने विचार साझा करते हुए सुनील गुप्ता, सीओओ - वेदांत एल्युमीनियम और सीइओ - वेदांत झारसुगुड़ा ने कहा कि स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें हरित ऊर्जा विकल्पों को लगातार तलाशने और अपनाने के लिए प्रेरित करती है। हमारे बिजली संयंत्रों में बायोमास को सह-फायरिंग करके, हम न केवल पारंपरिक जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता कम करने के साथ-साथ हमारे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी आयेगी। यह प्रयास 2050 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की हमारी व्यापक रणनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है।

10 लाख का इनामी जोनल कमांडर गिरफ्तार

थाना लूटकांड और पुलिस पार्टी पर हमले सहित कई घटना को अंजाम देने में रहा है शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पलामू पुलिस ने नितेश दस्ते के 10 लाख के इनामी नक्सली जोनल कमांडर सीताराम रजवार उर्फ रमनजी को गिरफ्तार किया है। बिहार के औरंगाबाद जिले के नवीनगर में एनटीपीसी थाना क्षेत्र के रहने वाले नक्सली सीताराम करीब दो दशक से संगठन में सक्रिय था। दस्ता सदस्य के रूप में शामिल सीताराम रजवार एके 56 रखता था। काम के कारण वह जोनल कमांडर बन गया। सीताराम रजवार पर झारखंड और बिहार में 70 सभी अधिक बड़े नक्सली हमले को अंजाम देने का आरोप है। सीताराम रजवार झारखंड-बिहार सीमा पर पलामू, गया औरंगाबाद में माओवादियों का तीसरा सबसे बड़ा कमांडर था। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में पलामू एसपी रीश्मा रमेशन ने बताया कि वर्ष 2001 में माली थाना लूटकांड के दौरान आधा दर्जन पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल था। वर्ष 2009 में विधानसभा चुनाव के समय माहुर मोहम्मदगंज थाना अंतर्गत पोलींग पार्टी को आइडी ब्लाष्ट कर उड़ाने में शामिल था। 2015-16 में पलामू के काला पहाड़ में लैंड माइंस विस्फोट में पुलिस के सात जवान शहीद हुए थे। इस घटना का सीताराम रजवार आरोपी है।

पकड़े गये इनामी नक्सली की जानकारी देते पलामू एसपी रिश्मा रमेशन व अन्य।

घटना को अंजाम देने के लिए जुटे थे नक्सली

पुलिस के अनुसार राज्य में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में हुसैनाबाद एसडीपीओ को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि प्रतिबंधित माओवादी संगठन के नितेश यादव दस्ता के सीताराम रजवार उर्फ रमन रजवार, संजय यादय उर्फ गोदराम और अन्य सदस्यों के साथ झरगडा गांव के पास जंगल में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए रूका हुआ है। सूचना पर एसडीपीओ के नेतृत्व में थाना प्रभारी संजय कुमार यादव और लतेया पिकेट प्रभारी धर्मवीर कुमार यादव ने छापामारी की। इसी दौरान जोनल कमांडर सीताराम रजवार उर्फ रमन रजवार को पकड़ा गया।

नाग देवता की कृपा सभी पर बनी रहे : अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नाग पंचमी के अवसर पर चैनपुर प्रखंड के बोकेया ग्राम में नाग पंचमी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम महापौर अरुणा शंकर, वर्तमान विधायक आलोक चौरसिया और प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह उपस्थित हुए। तीनों ने मिलकर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य प्रमोद सिंह, रामलाल चौरसिया, पूर्व जिला परिषद संतु चौरसिया, पथरिया पंचायत की मुखिया रानी सिंह, नाग पंचमी समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी, सचिन एवं मंच संचालन करता ब्रह्मदेव चौधरी, कोषाध्यक्ष मुनि चौधरी, मंडल अध्यक्ष शशि भूषण पांडे, सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे, मंडल अध्यक्ष सिकंदर चौधरी, श्वेतांग गर्ग, मंडल उपाध्यक्ष ईश्वर चंद, आशीष भारद्वाज और भाजपा के तमाम कार्यकर्ता और चैनपुर प्रखंड के हर गांव की महिलाएं आदि हजारों की संख्या में शामिल हुए। प्रथम महापौर ने नाग पंचमी की पूजा का सभी को बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी। कहा कि नाग बाबा के दरबार में विराजमान सभी लोगों पर बाबा की कृपा हमेशाबनी रहे।

महत्वपूर्ण न्यूज

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का युवा नेता सूर्या सिंह ने किया विरोध

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। युवा नेता सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की निंदा की है। सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहा अत्याचार मानवीयता के खिलाफ है। बावजूद इसके दुनिया इस मुद्दे पर मौन है। उन्होंने भारत के विपक्ष पर भी निशाना साधा। कहा कि जहां वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है, वहीं बांग्लादेशी हिंदुओं के प्रति हो रहे धार्मिक उत्पीड़न पर किसी ने अब तक एक शब्द तक नहीं कहा है। बांग्लादेश के हिंदुओं को सुरक्षा और सम्मान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और भारत सरकार को तत्काल कदम उठाने चाहिए।

ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर की गयी चर्चा

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन के हुसैनाबाद इकाई की बैठक शुक्रवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता रियासती सदर प्रो जावेद अहमद अंसारी ने की। इसमें सेंट्रल सेक्रेटरी खालिद एकबाल भी मौजूद थे। संचालन स्टेट एडवाइजरी कार्उसिल के सदस्य मो जुबैर अंसारी ने किया। इस अवसर पर खालिद एकबाल ने कहा कि आइटा शिक्षकों की एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है। इसमें शिक्षकों के पेशेवराना दक्षता को बढ़ाने के लिए सेमिनार, सिम्पोजियम एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करती है। विद्यार्थी-शिक्षक के बीच रिश्तों को दोस्ताना बनाने पर जोर देती है। रियासती सदर ने कहा विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल बेहतर हो, शिक्षकों के बीच समन्वय अच्छा हो एवं शिक्षक विषयों की पूरी तैयारी के साथ बच्चों को शिक्षा दें तो बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत का पथ-प्रदर्शक होता है। वहीं, महबूब आलम ने उच्च विद्यालयों में उर्दू की किताबों की अनुपलब्धता का मुद्दा उठाया। इस पर जवाब दिया गया कि अधिकारियों से इस संबंध में बात की जाएगी। मौके पर शमीम कोरैशी, इम्तेयाज अहमद, मतीन अहमद, इजहार आलम, जफीरूद्दीन, मौलाना अब्दुस्सलाम आदि मौजूद थे।

दो फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजे गये जेल

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज पुलिस की विभिन्न मामले के फरार वार्रटियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को हरिहरगंज थाना कांड संख्या 131/22 में फरार चल रहे आरोपी धनंजय कुमार मेहता उर्फ कल्पू और विनय सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुनि सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि धनंजय को भादवि की धारा 147, 148, 341, 307, 186, 188, 283, 353, 42 और 7 व विनय को केस नंबर 660/ 2017 के आरोप में जेल भेजा गया है।

जल-जंगल व जमीन बचाने के लिए आदिवासी हित की रक्षा जरूरी: बिट्टू

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस सभागार में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस के अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पलामू जिला कांग्रेस के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने किया। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष अजय साहू ने किया। सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। इसके बाद उपस्थित वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखें। जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ने कहा कि हर साल संयुक्त राष्ट्र दुनिया के आदिवासी लोगों से संबंधित एक विशेष मुद्दे को उजागर करने के लिए एक विषय का चयन करता है। 2024 अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस का विषय 'स्वैच्छिक अलगाव और प्रारंभिक संपर्क में आदिवासी लोगों के अधिकारों की रक्षा' है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वर्तमान में दुनिया में स्वदेशी लोगों के लगभग 200 समूह स्वैच्छिक अलगाव और प्रारंभिक संपर्क के बिना रहते हैं। वे मुख्य रूप से सुदूर वन क्षेत्रों में रहते हैं जो खनिजों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं। यहां स्वैच्छिक अलगाव का मतलब है कि वे अपनी अलग सांस्कृतिक और जातीय पहचान बनाए रखने के लिए मुख्यधारा की आबादी के साथ घुलना-मिलना पसंद नहीं करते हैं। वे अभी भी शिकार और संग्रहण पर निर्भर हैं, जो उनकी संस्कृति की एक विशिष्ट विशेषता है। वे जंगल और पारिस्थितिकी के सबसे अच्छे संरक्षक हैं। कृषि, खनन आदि के विकास के कारण उनके क्षेत्र में वनों की कटाई बढ़ गई है, जिससे उनकी आजीविका और उनकी विशिष्ट संस्कृति को खतरा है। आज इस अवसर पर हम सभी को प्राण लेने की आवश्यकता है की जल जंगल जमीन बचाने के लिए आदिवासी हित की रक्षा जरूरी है। इस सेमिनार में रामाशीष पांडे, लक्ष्मी नारायण तिवारी, ओमप्रकाश अमन, शमीम अहमद राईन, जतरु उरांव विद्या, सिंह शेरो, अरविंद पासवान ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस मौके पर सच्चिदानंद मिश्रा, मुकेश सिंह, परीक्षित दुबे, जितेंद्र कमलापुरी, शेर खान, अनिल सिंह, विद्या सिंह, सत्येंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

जल-जंगल-जमीन की बात करने वाली गठबंधन सरकार भय-भूख और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में जुटी : बिजेंद्र

क्षेत्र भ्रमण के बाद भाजपा नेता ने विश्रामपुर में की पत्रकारों से बातें, सरकार पर साधा निशाना

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। वरीय भाजपा नेता बिजेंद्र पाठक ने कहा कि जल जंगल जमीन की बात करने वाली राज्य की गठबंधन सरकार भय भूख और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में पांच साल गुजार दिए। इस अवधि में अपराधी व उग्रवादी बेलगाम रहे। बेरोजगारी और पलायन से राज्य में अराजक स्थिति उत्पन्न कर दी। विदानसभा चुनाव में जनता वर्तमान गठबंधन सरकार को नकारते हुए भाजपा को अपना समर्थन देगी और झारखंड में अगली सरकार भाजपा की ही बनेगी। वे शुक्रवार को क्षेत्र भ्रमण के बाद गांधी विचार मंच के अध्यक्ष रवींद्र नाथ उपाध्याय के विश्रामपुर आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार पर जमकर जुबानी हमला किया। कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि हेमंत सोरेन सहित कई अधिकारी जेल चले गए। झारखंड सरकार ने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया। चुनाव आते ही और कई नारे और वादे लेकर जनता को बरगलाने में जुट गये हैं. लेकिन झारखंड की जनता इनका असली चरित्र जान चुकी है। जनता अब किसी बहकावे में नहीं आने वाली है। इस मौके पर भाजपा के पूर्व गढ़वा जिलाध्यक्ष विनोद तिवारी, रवींद्र नाथ उपाध्याय, पंकज कुमार लाल सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे।

बल्लू बलराम पुनः बने भाजपा के मंडल अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। आरबी पैलेश होटल में शुक्रवार को बल्लू बलराम का पुनः मंडल अध्यक्ष बनने पर भाजपा और भाजयुमो मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने अंग वस्त्र और माला पहना कर जोरदार स्वागत करते हुए बधाई दी। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी के प्रति निष्ठा और सबको साथ लेकर चलने की हुनर ने हरिहरगंज के इतिहास में पहली बार किसी को दोबारा मंडल अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। वहीं मंडल अध्यक्ष बल्लू बलराम ने सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि पुनः मंडल अध्यक्ष बनने का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ है मैं उसे निष्ठा पूर्वक निर्वाहन करूंगा। सम्मान समारोह में सांसद प्रतिनिधि अरुण मिश्रा, सतेंद्र मेहता, सतेंद्र पासवान, भीम सेन शर्मा, विजय यादव अरुण स्वर्णकार, भोला गुप्ता, गंगा जायसवाल, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष चंदन जयसवाल, मीडिया प्रभारी, चंदन प्रजापति, संजीव सिंह, अंबुज सिंह छोटू सिंह, दिलीप सोनी, पवन, मिठू अंकित, सिकंदर पासवान, विकास, सीताराम निरंजन गुप्ता, रिंकू शौंडीक, राजू सिंह, कुंदन यादव, मनोज मेहता, गुड्डू सिंह कन्हाई, संतोष, मनोज, नरेंद्र, करण राजवीर, संतोष गुप्ता, तुषार कुमार, विजय मिश्रा, कुंदन कुमार, संजीव सिंह, अंकित गोल्लू, मनीष आदि उपस्थित थे।

फाइलेरिया तेजी से फैलने वाली बीमारी बचाव ही इसका उपाय: डॉ राजेंद्र कुमार

विश्रामपुर सीएचसी में 25 तक चलेगा राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन पखवाड़ा कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार से 25 अगस्त तक फाइलेरिया उन्मूलन पखवाड़ा मनाया जायेगा। इसके तहत शनिवार को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बूथ स्थापित किया गया है। बूथों पर लोगों को आईडीएसी दावा खिलाई जायेगी। 11 अगस्त से प्रत्येक घर जाकर सभी को दावा दी जायेगी। इसकी जानकारी प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता आयोजित कर दी। उन्होंने बताया कि फाइलेरियां उन्मूलन पखवाड़ा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए 275 टीम गठित की गयी है। जिसमें स्वास्थ्य सहिया, आंगनबाड़ी सेविका और अनुबंधित स्वास्थ कर्मी को रखा गया है। इसके अलावा विश्रामपुर, पांडू, उंटारी व नावा बाजार प्रखंड के लिए चार आरआरटी टीम का भी गठन किया गया है। जिसके प्रमुख चिकित्सा पदाधिकारी रहेंगे। प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार ने कहा कि फइलेरिया तेजी से फैलने वाली बीमारी है। बचाव ही इसका सबसे कारगर उपाय है। इसलिए उपचार के अलावा फाइलेरिया के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया रोग से पीड़ित मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाने के लिए वाहन की भी व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त जो भी पब्लिक अपने निजी वाहन से मरीज को सीएचसी तक पहुंचायेगा उनकी गाड़ी में पेट्रोल अपने निजी खर्च से भरवा दूंगा। मौके पर विनोद तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

ओबीसी एकता अधिकार मंच ने नाग पंचमी मेले में प्रसाद का वितरण किया

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद की ओर रसे विश्रामपुर प्रखंड के कथवन बक्श बाबा प्रांगण में खीर और शुद्ध जल के साथ प्रसाद बांटा गया। केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि इस इस नाग पंचमी का अवसर आपके और प्रिय जनों के लिए उत्सव और आध्यात्मिक से भरा हो। इस दिव्य पर्व को आनंद और भक्ति के साथ मनाए। मुझे उम्मीद है कि यह नाग पंचमी आपके जीवन में प्रकाश, खुशी समृद्धि लाएगी। मौके पर राहुल गुप्ता, रामराज राम, नंददेव यादव, सुकून साहू, महेंद्र प्रसाद, विश्वनाथ राम व अन्य लोग उपस्थित थे। वहीं पांण्डू प्रखंड के कजरू खुर्द में बक्श बाबा के प्रांगण में ओबीसी एकता अधिकार मंच द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया जिसमें बीडी प्रसाद अपने सहयोगिंयों के साथ मौजूद थे। मौके पर जोगेश्वर सिंह,रामराज राम,वीरबहादुर सिंह,चंदन गुप्ता आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता से हो रहा देश का सर्वांगीण विकास: नरेंद्र पांडे

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि देश विकास के जिस रास्ते पर चल पड़ा है वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता की ही सोच हैं। केंद्र सरकार किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम लागू कर रही है। हाल ही में शुरू की गई कुछ योजनाओं में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, पीएमकेएमवाई, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और हनी मिशन, 10,000 एफपीओ का गठन और प्रचार, खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) आदि शामिल हैं। पीएम-किसान एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो भूमि धारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई थी। योजना के तहत, प्रति वर्ष 6000 रुपये का वित्तीय लाभ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) मोड के माध्यम से देश भर के किसान परिवारों के बैंक खातों में तीन समान चार-मासिक किस्तों में ट्रांसफर किया जाता है। श्री पांडे ने किसानों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया ।

हुसैनाबाद में उड़द बीज वितरण को लेकर बैठक

हुसैनाबाद 9आजाद सिपाही)। प्रखंड सभागार में शुक्रवार को उड़द बीज वितरण को लेकर प्रखंड स्तरीय कमेटी की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने की। बैठक में सरकार द्वारा किसान समृद्धि योजना के तहत मिले उड़द बीज वितरण पर चर्चा की गयी। इसके बाद पांच पंचायतों का चयन किया गया। चयनित प्रति पंचायत दो क्विंटल बीज दिया जाएगा। चयनित पंचायतों में पोलडीह, झरगाड़ा, पतरा खुर्द, डंडिला, उरद्वार का नाम शामिल है। बैठक में बीससूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, बीटीएम जय गोविंद यादव, कृषि विभाग के सतीष चौबे, अविनाश सिंह आदि उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

भारत के पूर्व दिग्गज बिल्लेबाज सचिन तेंदुलकर महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आये हैं।

विनेश फोगाट के समर्थन में उतरे सचिन तेंदुलकर, भारतीय पहलवान को बताया रजत पदक का हकदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आए हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दिया गया था। विनेश ने फाइनल में पहुंचकर देश के लिए रजत पदक पक्का कर दिया था, लेकिन उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था। हालांकि, मैच से पहले ही उन्हें अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है।

'समय-समय पर नियमों पर गौर किया जाना चाहिए'

सचिन ने विनेश को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, हर खेल के कुछ नियम होते हैं और उन नियमों को संदर्भ में देखने की जरूरत है, शायद

कभी-कभी उन पर दोबारा गौर भी किया जाना चाहिए। विनेश फोगाट ने निष्पक्षता से फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। वजन के आधार पर उसकी अयोग्यता फाइनल से पहले हुई थी और ऐसे में उससे रजत पदक छीन लिया जाना तर्क और खेल की समझ से परे है।

'हमें खेल पंचाट के फैसले का इंतजार'

मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि अगर खिलाड़ी अनैतिक चीजों का इस्तेमाल करे तो उसे अयोग्य करना जायज है, लेकिन विनेश के मामले में ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यह समझ में आता है कि अगर किसी एथलीट को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग जैसे नैतिक उल्लंघनों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाता। उस स्थिति में, किसी भी पदक से सम्मानित न किया जाना और अंतिम स्थान पर रखा जाना उचित होगा। विनेश ने शीर्ष दो में पहुंचने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया। वह निश्चित रूप से रजत पदक की हकदार है। हम सभी खेल पंचाट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। प्रार्थना करें कि विनेश को वह पहचान मिले जिसकी वह हकदार है।

बंगाल से झरिया में संचालित हो रहा लॉटरी का अवैध कारोबार

पुलिस की मौन रजामंदी से कई गिरोह चला रहे लॉटरी का अवैध कारोबार

इसमें लॉटरी किंग के नाम से मशहूर समीर का नाम चर्चा में
आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। कोयलांचल नगरी झरिया इन दिनों अवैध लॉटरी के कारोबार के लिए सुर्खियों में है। झरिया थाना क्षेत्रों में इन दिनों धड़ल्ले से लॉटरी का खेल जारी है। जिसकी गिरफ्त में आकर भोलेभाले लोग अमीर बनने के लालच में अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई लूटा रहा हैं। गौरतलब है कि कुछ वर्ष पहले ही हेमंत सरकार ने लॉटरी के खेल को झारखंड में बंद करने का आदेश दिया था। लेकिन धनबाद जिला बंगाल से सटा होने के कारण वहां की लॉटरी झारखंड में गैर कानूनी तरीके से आसानी से प्रवेश कर जाती है। जिसे यहां बेचकर धंधेबाज मालामाल हो रहे हैं। सूत्रों कि मानें तो अब लॉटरी के गोरख धंधे से जुड़े लोग खुद नकली लॉटरी छाप रहे हैं। जिसके लिए झरिया निवासी समीर उर्फ लंगड़ा, अनिल और जोरापोखर के तनवीर चर्चा में है। ये लोग जिले के कई थानों क्षेत्र में एजेंट की मदद से लॉटरी का अवैध धंधा संचालित कर रहे हैं। इसमें जिला प्रशासन की मौन रजामंदी भी शामिल है। खबर है कि समीर और अनिल की ओर से बाजार में 'बीएस 7' के नाम से लॉटरी बेची जा रही है। वहीं, जेलगोरा निवासी गणेश ने बीते दिनों पाला बदल कर एक राजनीतिक पार्टी का दामन थामा है, ताकि अपने अवैध कारोबार को आसानी से संचालित कर सके। बतातें चलें कि हाल के दिनों में सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र राउत ने गुप्त सूचना के आधार पर जोरापोखर थाना क्षेत्र में छापामारी कर लाखों रुपये की अवैध लॉटरी का खेप जब्त किया था। साथ ही लॉटरी किंग समीर के भाई को भी गिरफ्तार किया था। उसके बाद भी समीर के धंधे में कोई नरमी नहीं आई। अब वह गोविंदपुर बाजार में नया ठिकाना बना कर अपने धंधे का संचालित कर रहा है, क्योंकि वहां से बंगाल के कोलकाता आना-जाना काफी आसान होता है। सूत्रों की मानें तो समीर ने अब अपना नया ठिकाना पश्चिम बंगाल के कोलकाता को बना लिया है। वह कोलकाता से ही बैठकर लॉटरी का रैकेट पूरे धनबाद जिले में चला रहा है।

लंबित मुकदमों का जल्द निष्पादन करें: एसएसपी

औचक निरीक्षण के लिए नगर व महिला थाना पहुंचे एसएसपी
आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन शुक्रवार को औचक निरीक्षण के लिए नगर थाना पहुंचे। उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में एसएसपी ने थाना में दर्ज मुकदमों की समीक्षा करते हुए लंबित मुकदमों के जल्द निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विशेष कार्य योजना के तहत सभी पेशेवर अपराधियों की सूची बनाकर उनपर विशेष निगरानी रखने, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने, क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, मतदान केंद्रों का सत्यापन करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसएसपी ने परिसर में रखे कबाड़ को हटाने, जब्त वाहनों की निलामी करने, साफ सफाई सुनिश्चित करने आदि का भी निर्देश दिया. इस दौरान बेहतर कार्य के लिए एसआई तुलाराम मुंडा को सम्मानित भी किया। इसके बाद एसएसपी महिला थाना पहुंचे और वहां की व्यवस्था का भी जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिया।

झारखंड के वीर आदिवासी प्रेरणास्रोतों को दी गयी श्रद्धांजलि

सिंदरी (आजाद सिपाही)। डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस पर झारखंड के वीर सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, गणपत राय, निलांबर-पितांबर, बुधु भगत, रघुनाथ महतो, फूलो-झानो, तिलका मांझी, शेख भिकारी, बिरसा मुण्डा को प्राचार्य आशुतोष कुमार ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। कहा कि सत्य, सादगी, सहनशीलता एवं स्वाभिमान आदिवासी संस्कृति की आत्मा है। इस सांस्कृतिक चेतना का विस्तार होना चाहिए। आशुतोष कुमार 2006 से झारखंड राज्य के लुप्तप्राय बिरहोर जनजाति को संरक्षित करने के लिए शोध और उनसे जुड़े हुए दस्तावेज को संरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय मे विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रकृति से जुड़ी चित्र कला प्रतियोगिता हुई। भारत छोडो आंदोलन पर आधारित लघु नाट्य प्रतियोगिता अजय कृष्ण मोहन व रूपा सिंह के निर्देशन पर हुआ।

OFFICE OF THE RANCHI MUNICIPAL CORPORATION, RANCHI, (SANITATION SECTION)
KUTCHERY ROAD, RANCHI, PIN-834001
E-Mail: - support@ranchimunicipal.com

Notice Inviting E Tender (2nd Call)

NIT No. 475/SANITAION Date:08/08 /2024

Sl. No.	Event	Details
1.	Name of Work	"Eco-Innovation in Action: RFP for the Implementation of a Comprehensive C&D Waste Management System as per Municipal Solid and C&D Waste Management Rules 2016"
2.	Publishing of Tender	For more details and bid documents please visit the website:www.jharkhandtenders.gov.in
3.	Project Cost	Rs. 5,94,39,000/- (Rupees Five Crore Ninety-Four Lakh Thirty-Nine Thousand)
4.	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs 6,00,000 (Rupees Six Lakh) shall be paid towards earnest money deposit through the online payment gateway of https://jharkhandtenders.gov.in
5.	Tender Fee	Rs. 25,000/- +18%GST (i.e., Rs 29,500) (non-refundable) (excluding indirect taxes, services & gateway charges) shall be paid through the online payment gateway of https://jharkhandtenders.gov.in
6.	Period of Contract	For Construction: 8 Months For Operation & Maintenance: 3 Years
7.	Bid Validity	180 Days
8.	Bid Start Date	08/08/2024
9.	Pre-Bid Meeting Date	14/08/2024 at 3:00 PM
10.	Bid Due Date	28/08/2024 at 5:00 PM
11.	Date & Time of Bid Opening	29/08/2024 at 3:00 PM
12.	Place of Tender Opening	Ranchi Municipal Corporation
13.	Officer Inviting	Administrator, Ranchi Municipal Corporation
14.	contact Details	0651 – 2203469

Eligibility Criteria & Project Details: - Interested bidders are advised to go through the NIT and RFP document for information pertaining to Eligibility Criteria and Project related information. Interested Bidder shall submit the Proposal electronically through the website www.jharkhandtender.gov.in other important/relevant documents, should be scanned and enclosed with the e-tender as per the guidelines given in the RFP document.

Note:
1. RMC reserves the right to cancel or modify the bidding criteria/ process without assigning any reasons and liability.
2. For further detail can be seen on Bid Document uploaded on Jharkhandtender.gov.in.

sd/-
Deputy Administrator
Ranchi Municipal Corporation

PR 332244 Ranchi
Municipal Corporation(24-25)#D

हॉकी में कांस्य पदक की जीत पर धनबाद में जश्न

धनबाद (आजाद सिपाही)। पेरिस ओलिंपिक में हॉकी में भारत ने कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस जीत की खुशी में धनबाद रेल महिला हॉकी की खिलाड़ियों ने केक काटकर खुशी मनाई और झंडा लेकर भारतीय टीम को बधाई दिया। डीआरएम ऑफिस गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस मौके पर मंजूरी पांडेय, नूतन टोपनो, रुक्मणी दूरियां कांति प्रधान मारियम चंपईया, सीमा कुमारी, इबा तिर्की, अंजुला टोप्पो, सुमन मिंज और धनबाद ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव तारकनाथ दास उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान योजना के लिए अनुपमा सिंह ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

सरकार झारखंड के विकास के लिए कटिबद्ध: हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

कथारा। 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' महिलाएं-बहनों को सरकार द्वारा प्रोत्साहित कर उन्हें सबल बनाने के लिए है। राज्य में यह योजना लाभकारी और प्रभावी होगी। वहीं, उक्त लाभकारी योजना के लिए राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की केंद्रीय उपाध्यक्ष सह धनबाद लोस से प्रत्याशी रही अनुपमा सिंह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची में मिलकर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार झारखंड के विकास के लिए कटिबद्ध है। राज्य का चहुंमुखी विकास गठबंधन सरकार का संकल्प है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। इस लिए राज्य के विकास में रोड़ा बनते रहा है। गलत तरीके से झारखंड की आवाज को दबाने के लिए षड्यंत्र करते रहता है। षड्यंत्र के तहत मुझे पांच महीना जेल में बंद रखा गया। झारखंड की जनता सब देख रही है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसका उपयुक्त जवाब देगी। कहा कि मंइयां सम्मान योजना से महिलाओं का मनोबल बढ़ा है। महिला उत्साहित होकर इस योजना का लाभ लेने के लिए आगे बढ़ी है। आने वाले दिनों में सरकार स्वावलंबी बनाने के लिए अन्य योजना लाकर महिलाओं को सशक्त बनाएगी। वहीं, अनुपमा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच महिला वर्ग के लिए सम्मान है। विधानसभा चुनाव में महा गठबंधन मजबूती के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेंगी और राज्य में पुनः हेमंत सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर उनका आभार प्रकट करती अनुपमा सिंह।

शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस की परेड का किया गया पूर्वाभ्यास

धनबाद (आजाद सिपाही)। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर शुक्रवार से शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। डीएपी व एनसीसी के दो-दो प्लाटून और सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, जेएपी, होमगार्ड, आरपीएसएफ व भारतीय स्काउट एंड गाइड के एक-एक प्लाटून ने परेड में हिस्सा लिया। 13 अगस्त तक परेड का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। वहीं सरायढेला कोलफील्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रगीत गाया। 13 अगस्त को डीसी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रणधीर वर्मा स्टेडियम में परेड के पूर्वाभ्यास व समारोह की तैयारियों का निरीक्षण करेंगे। स्वतंत्रता दिवस पर शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। यहां सुबह 9.05 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके बाद धनबाद समाहरणालय में सुबह 10, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में सुबह 10.20 बजे, मिश्रित भवन में सुबह 10.30 बजे, गांधी सेवा सदन में सुबह 10.45 बजे, रेड क्रॉस सोसाइटी में सुबह 11 बजे और धनबाद पुलिस लाइन में सुबह 11.10 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा।

धनबाद में 74606 आवेदनों की हुई ऑनलाइन एंट्री

धनबाद (आजाद सिपाही)। महिला आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य में शुरू हुए 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत जिले के बाघमारा, बलियापुर, गोविंदपुर, कलियासोल, निरसा, पूर्वी टुंडी, तोपचांची, टुंडी, धनबाद, झरिया, पुटकी के साथ ही धनबाद नगर निगम एवं चिरकुंडा नगर परिषद में शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर आवेदन जमा किए। शुक्रवार की शाम 5.30 तक धनबाद जिले में 74606 आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री की गई। बतातें चलें कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

कस्तूरबा गांधी स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, बच्चों को दी गयी कानून की जानकारी

धनबाद (आजाद सिपाही)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह धनबाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राम शर्मा के निर्देश पर दिव्यांगों के लिए शुरू हुए 45 दिनों के जिला स्तरीय जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को गोविंदपुर कस्तूरबा गांधी बालिका हाई स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अवर न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रोशन, लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने बच्चों को विभिन्न तरह के कानून की जानकारी दी। दिव्यांग बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। अवर न्यायाधीश सह डालसा के सचिव राकेश रोशन ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद की ओर से 15 जुलाई से 26 अगस्त 2024 तक प्रखंड स्तरीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें धनबाद डालसा की ओर से एलएडीसीएस, पैनल अधिवक्ता और पिएलबी की टीम बनाकर दिव्यांगों को चिन्हित कर उन सभी को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

एसएलटू आवासों में अवैध कब्जाधारियों को मिला बेदखली का नोटिस, वाशिदों में हड़कंप

आजाद सिपाही संवाददाता

सिंदरी/धनबाद। पीपी कोर्ट में गत सात अगस्त को एसएल-टू के अवैध कब्जाधारियों की निर्धारित सुनवाई खत्म हुए अभी 48 घंटे भी नहीं बीते थे कि कोर्ट ने सभी 35 अवैध कब्जाधारियों को बेदखली का आदेश दे दिया है। पीपी कोर्ट के संपदा अधिकारी के बेदखली के आदेश से एसएलटू के वाशिदों में हड़कंप मच गया है। इधर, पीपी एक्ट न्यायालय ने नोटिस में कहा है कि नोटिस धारक एसएलटू आवास में अनाधिकृत तौर पर कब्जा करके रह रहे है। न्यायालय कब्जाधारक को 15 दिनों के भीतर आवास को कब्जामुक्त कर खाली करने का आदेश देती है। आदेश का अनुपालन नहीं करने पर बलपूर्वक आवास खाली करवा देगी। इस पर होने वाले खर्च को कब्जाधारक से वसूल किया जाएगा। बतातें चलें कि एसएल-टू के अधिकांश आवासों में बीसीसीएल के कर्मचारी रह रहे हैं। 1990 के दशक में एफसीआई प्रबंधन ने पूरे एसएल-टू के लगभग 200 आवासों को बीसीसीएल प्रबंधन को लीज पर आवंटित किया था। कालांतर में लीज शर्तों के उल्लंघन के कारण एफसीआई प्रबंधन ने लीज रद्द कर दिया था। वर्तमान में एसएल-टू में बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र के कर्मचारी रह रहे हैं। क्योंकि एफसीआई और बीसीसीएल प्रबंधन ने सारी औपचारिकता कागजी तौर पर किया था। उसे कर्मचारियों पर लागू नहीं किया गया था।

'एक मुलाकात-अपनों के साथ' कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

विस चुनाव को तैयार रहें कार्यकर्ता : संतोष सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। झरिया सवीता इंटरनेशनल स्कूल में 'एक मुलाकात अपनो के साथ' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को धनबाद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा और झारखंड प्रदेश प्रवक्ता सह सचिव शमशेर आलम पहुंचे थे। झरिया नगर कांग्रेस अध्यक्ष रत्नेस यादव और प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष इम्तियाज अली के नेतृत्व में सभी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि 'एक मुलाकात अपनो के साथ' कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया जा राह है। वार्ड पंचायत और बूथ स्तर के कार्यकता ही संगठन को मजबूत बनाते है। विधानसभा चुनाव को लेकर धनबाद में बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूत नींव तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है। हमें चुनाव के लिए तैयार रहना है। उन्होंने ने कहा कि हम झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारी हैं। इस राज्य को बनाने के लिए हमलोग भी जेल गये हैं। इसलिए हमलोग विरासत के बल पर नहीं, बल्कि मेहनत करके राजनीति में आए हैं। हम आलोचनाओं से बिचलित नहीं होते। वहीं, झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सह सचिव शमशेर आलम ने कहा कि कांग्रेस में हम व्यक्ति नहीं, बल्कि पार्टी की राजनीति करतें हैं। कांग्रेस हाईकमान ने संगठन सशक्तिकरण की जिम्मेदारी दी गई हैं। हमारा लक्ष्य है कि 'ऐसा कोई गांव नहीं जहां कांग्रेस के पांव नहीं'. विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-झामुमो गठबंधन जिला के सभी सीट से चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। वहीं, कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी ने कहा कि वरिष्ठ नेताओ, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार व झारखंड आंदोलन के सेनानियों से भी हमलोग मिलेंगे। धनबाद के कार्यकताओं में काफी उर्जा है। इस बार हमलोग चुनाव जितेगें। उन्होंने मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा महिलाओं तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में झारखंड प्रदेश के आमंत्रित सदस्य मुख़्तार खान, समशेर अलाम, संतोष सिंह, राशीद रजा अंसारी, भोलानाथ सिंह, भगवान दास, भगत सिंह, वीरेंद्र गुप्ता, वीरेंद्र कुमार सिंह, रत्नेश यादव, इम्तियाज अली, मणिभूषण तिवारी, हरभजन सिंह, वीरेंद्र यादव, कुंदन कुमार मोदक आदि उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा
(rdsd.lohardaga@rediffmail.com)

ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा सूचना संख्या– **RDD/SD/LOHARDAGA/E-04/2024-25**

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्रम संख्या	कार्य का नाम	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	लोहरदगा जिला के पेषरार प्रखण्ड में सीरम पंचायत अवस्थित ग्राम सांगोडीह में दोमुहान पनघट के गाला नदी पर उच्च स्तरीय सेतु निर्माण।	**3,01,19,400.00**	**6,02,500.00**	**10,000.00**	18 माह
2	लोहरदगा जिलान्तर्गत पेषरार प्रखण्ड के रोरद एवं चांदगो के बीच (बागघर) नदी पर पुल निर्माण।	**3,51,95,100.00**	**7,04,000.00**	**10,000.00**	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 14.08.2024
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 14.08.2024 से दिनांक 04.09.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4.ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, कार्यालय ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, लोहरदगा।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.09.2024 पूर्वाह्न 11:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,लोहरदगा।
7. ई–निविदा प्रकोश्ठ का दुरभाश संख्या :– 06526–295021
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
लोहरदगा

PR 332235 (Lohardaga)24-25*D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–21/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 29.08.2024 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 30.08.2024 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.08.2024 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष रॉची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	अग्रधन की राशि (रू०)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of Main Building and Construction of Barrack of "E" Type Qtr. No. -27 at Sector-3, HEC, Dhurwa, Ranchi	23,02,000.00	5000.00	465000.00	3 Months
2	Renovation of Main Building, Out House, Garage and Raising of Barrack of E Type Qtr. No. -169 at Sector-2, HEC, Dhurwa, Ranchi	20,16,900.00	5000.00	40500.00	3 Months
3	Renovation of B type Qtr. No. -1420 (First Floor) in Sector-II at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,12,400.00	750.00	6500.00	1 Month
4	Renovation of Room No.-209, 210, 211, 212, 213 & 214 (Industries Department) at 2nd Floor of JSBCCL Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	5,77,300.00	1250.00	12000.00	1 Month
5	Renovation of Room No.-251 (US Chamber, Welfare Department) at 2nd Floor and Room No.-04 (Deputy Secretary Chamber, Revenue, Registration & Land Reforms Department) at Ground Floor, Room No.-334 (Department of Commerce Taxes) at 3rd Floor and Supply of Materials at Chief Secretary Office at First Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	11,79,000.00	2500.00	24000.00	1 Month
6	E/R to Aluminium partition work at room no.-19 at Ground Floor and Room No.-122 at First Floor of FFP Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,27,300.00	500.00	5000.00	1 Month
7	E/R to Vinyl Floor and wallpaper work at room No.-126 (CEO, JSLPS Chamber) first Floor of FFP at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,83,700.00	750.00	6000.00	1 Month

नोट : निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 332265 Building(24-25)#D

पांडियन के हेलीकॉप्टर के खर्च की जांच की जायेगी : परिवहन मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शुक्रवार को पांडियन के हेलीकॉप्टर दौरे के बारे में परिवहन मंत्री का बड़ा बयान। हेलीकॉप्टर की खर्च की जांच शुरू कर दी गयी है। जल्द ही कार्रवाई की जायेगी। वीके पांडियन के हेलीकॉप्टर खर्च की जांच की जा रही है। एक व्यक्ति के लिए सार्वजनिक रूप से खजाना लूटना कभी भी स्वीकार्य नहीं है। परिवहन मंत्री विभुति जेना ने कहा, हमारी सरकार इस मामले पर कड़ी नजर रख रही है। जांच चल रही है। जल्द ही कार्रवाई की जायेगी। यह एक प्रक्रिया है, हेलीकॉप्टर कौन ले सकता है इसकी एक सीमा है। सरकार पूरे कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बाध्य है। ऐसा घटना दोबारा नहीं होना चाहिए। हमारी सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

हर घर तिरंगा अभियान को शक्ति केंद्र से बूथ स्तर तक सफल बनायें : जैलेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली विधानसभा के राहे मंडल कार्यालय में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान के निमित्त बैठक हुई। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मेघनाथ महतो ने किया। बैठक में प्रभारी के रूप में रांची जिला ग्रामीण के पूर्व जिला अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार उपस्थित हुए। उन्होंने ने विस्तार पूर्वक हर घर तिरंगा अभियान को शक्ति केंद्र से बूथ स्तर तक कैसे सफल बनाया जाये, इस पर चर्चा की और बांग्लादेश की स्थिति से अवगत कराते हुए सभी से सावधान रहने की बात कही। गांव में नये चेहरे देखने पर उसकी जानकारी लें और प्रशासन को अवश्य सूचित करें। विशिष्ट अतिथि ओबीसी मोर्चा के प्रताप कुशवाहा, ज्योति कोइरी, मंडल महामंत्री दिलेश्वर महतो, राजू महतो, मनोज महतो लक्ष्मण महतो, महेंद्र महतो, कार्तिक माझी, भरत दास, फलिंदर हजाम राजेन अहीर उपस्थित हुए।

एससीबी द्वितीय परिसर में क्रेन गिरने से 3 कर्मचारी घायल

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को कटक बड़ मेडिकल में बड़ा हादसा। निर्माण कार्य के दौरान एससीबी में क्रेन गिर गयी। 10वीं मंजिल पर निर्माण सामग्री चढ़ाते समय क्रेन टूट गयी। क्रेन ढहने वाली जगह पर पचास से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। तीन मजदूरों की हालत गंभीर बतायी जा रही है।

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को मिलेगा भत्ता : मोहन चरण माझी

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को कुटुंब पेंशन योजना में भत्ता दिया जायेगा।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शुक्रवार को भुवनेश्वर में शहीद स्मारक स्वतंत्रता सदन में क्रांति दिवस मनाया गया। ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, कानून, पूर्ति और आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन, उच्च शिक्षा, खेल और युवा मामलों के मंत्री सूर्यवंशी सूरज, विधायक एकाम्र बाबू सिंह ने इस अवसर पर शिरकत की और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया। स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को कुटुंब पेंशन योजना में भत्ता दिया जायेगा। सरकार जल्द ही स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों की पहचान करेगी। इसकी रूपरेख भी जल्द ही तैयार की जायेगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य स्वतंत्रता सेनानी संघ द्वारा शहीद स्मारक स्वतंत्रता सेनानी हॉल में आयोजित क्रांति दिवस समारोह में भाग लिया। 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन दिवस है।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इस दिन को क्रांति दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक नवंबर से ओड़िशा दौरे पर निकलेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बीजेडी सुप्रीमो नवीन पटनायक नवंबर से ओड़िशा दौरे पर जाने वाले हैं। शुक्रवार को इस संबंध में रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गयी। हालांकि, इस संबंध में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रतिक्रिया दी है, पढ़ें उन्होंने क्या कहा। खबरों के मुताबिक, बीजेडी सुप्रीमो नवंबर से राज्य का दौरा करेंगे। नवीन पटनायक ओड़िशा के विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे। वे लोगों से जुड़ने के लिए अलग-अलग जिलों का दौरा करेंगे। वे लोगों से उनकी मुश्किलें पूछेंगे और संगठन और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने की सलाह देंगे।

नवीन पटनायक अभी भी लोगों के दिलों में : नेता देबी

बीजेडी के वरिष्ठ नेता देबी मिश्रा ने कहा कि नवीन पटनायक अभी भी लोगों के दिलों में हैं। उन्होंने आगे कहा कि ओड़िशा का विकास ही नवीन का लक्ष्य है। हालांकि, नवीन के पूरे राज्य में दौरे के मुद्दे पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि नवीन को विपक्ष के नेता के तौर पर राज्य का दौरा करना चाहिए। मनमोहन सामल ने आगे जवाब दिया है कि, नवीन को उन इलाकों का दौरा करना चाहिए, जहां वे पिछले 24 सालों के शासन में नहीं गये हैं।

जगतसिंहपुर में जेइ पर ओड़िशा सतर्कता विभाग का छापा

25,000 रुपये लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जगतसिंहपुर के नुआगांव ब्लॉक के जूनियर इंजीनियर (जेई) स्मृति रंजन नायक और बबीना दास (निजी व्यक्ति) पर ओडिशा सतर्कता विभाग ने छापा मारा। उन्हें एक ठेकेदार (शिकायतकर्ता) से उसके अंतिम लंबित बिल को मंजूरी देने के लिए चेक सौंपने के लिए 25,000/- रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में ओडिशा सतर्कता विभाग ने गिरफ्तार किया है। नायक के निदेर्शानुसार, जेई, निजी व्यक्ति बबीना दास, शिकायतकर्ता से उसकी उपस्थिति में 25,000/- रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार करते समय, सतर्कता अधिकारियों ने दोनों आरोपी व्यक्तियों नायक और दास (निजी व्यक्ति) को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली गई है। जाल के बाद, डीए एंगल से जेई नायक के दो ठिकानों पर एक साथ तलाशी चल रही है। इस संबंध में, कटक सतर्कता प्रभाग पीएस केस संख्या 21/2024 यू/एस-7/12 पीसी (संशोधन) अधिनियम, 2018 पंजीकृत किया गया है। आरोपी व्यक्तियों अर्थात नायक, जेई और दास, निजी व्यक्ति के खिलाफ जांच जारी है। विस्तृत रिपोर्ट नीचे दी गयी है।

ओड़िशा के युवाओं ने ओसीओवाइ में जलवायु कार्रवाई का नेतृत्व किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और यूएन इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त जलवायु परिवर्तन पर तीन दिवसीय ओड़िशा युवा सम्मेलन (ओसीओवाई) का आज खुर्दा में उद्घाटन किया गया। इसे यूथ4वाटर प्लस अभियान द्वारा यूनिसेफ ओड़िशा के सहयोग से आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा नेताओं को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ज्ञान, उपकरण और नेटवर्क से लैस करना है। ओसीओवाई 2024 ओड़िशा के सबसे कमजोर युवाओं की आवाज को बुलंद करने के लिए समर्पित है, जिनमें आदिवासी समुदाय, मछुआरा समुदाय, गरीब कृषक परिवार और समुद्री कटाव, चक्रवात और अन्य जलवायु संबंधी चुनौतियों से प्रभावित क्षेत्र शामिल हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, यूनिसेफ इंडिया में वाश विशेषज्ञ करीना माल्चेवस्का ने कहा, यूनिसेफ के रूप में हम जलवायु परिवर्तन और स्थिरता पर संवाद को सुविधाजनक बनाने, युवाओं की आवाज को बढ़ाने और विभिन्न हितधारकों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। हमारे प्रयासों से ठोस सफलता मिली है, जिसमें युवाओं के दृष्टिकोण से प्रभावित दिशा-निर्देश शामिल हैं। अधिकारियों के साथ आपके संवादों का समर्थन जारी रखने के लिये हम पर भरोसा करें। उन्होंने कहा, जैसा कि हम ओसीओवाई 2024 के लिए एकत्र हुए हैं, आइए हम युवा जलवायु चैंपियनों की उपलब्धियों का जश्न मनाएं और उनकी क्षमता को पोषित करने के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत करें। यूनिसेफ की पहल युवाओं को महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए संसाधन और मंच प्रदान करती है। भुवनेश्वर में यूनिसेफ फील्ड ऑफिस के पोषण विशेषज्ञ और प्रभारी अधिकारी सौरव भट्टाचार्य ने कहा, ओड़िशा के युवाओं की ऊर्जा और जुनून जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। ओसीओवाई 2024 इन युवा नेताओं को अपने विचारों को व्यक्त करने, अपने नवाचारों को साझा करने और स्थिरता की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान जलवायु परिवर्तन और कार्रवाई पर चर्चा और संवाद ओसीओवाई 2024 के मुख्य विषयों- हीटवेव, तटीय अर्थव्यवस्था, तालाब संरक्षण और हरित कौशल पर चर्चा की जायेगी। इस कार्यक्रम में राज्य भर के 150 युवाओं के साथ-साथ भारत और विदेश के 15 से 20 विशेषज्ञ और प्रशिक्षकों ने भाग लिया है। लिंग, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले विविध समूह के ये युवा जमीनी स्तर पर जलवायु कार्रवाई रणनीतियों को विकसित करने और राष्ट्रीय नीति को प्रभावित करने के लिये सहयोग करेंगे।

किस ने बनाया 5वां गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शुक्रवार को कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज किस ने एक बार फिर सबसे बड़े संगीत पाठ के लिए एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित कर-के एक और रिकॉर्ड हासिल किया है, जिसका नेतृत्व तीन बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज ने किया है। 13,944 किस के छात्रों ने सबसे बड़े एकल समूह के रूप में भारतीय राष्ट्रगान गाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने रिकी केज के साथ मिलकर राष्ट्रगान का एक स्मारकीय संस्करण तैयार किया है, जिसे आधिकारिक तौर पर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या, 14 अगस्त को जारी किया जायेगा। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों ने आज नयी दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिकॉर्ड तोड़ने वाली इस उपलब्धि की घोषणा की। राष्ट्रगान में रिकी केज शामिल होंगे, जिन्होंने संगीत का निर्देशन किया है। समूह प्रदर्शन में बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया, सरोद वादक अमन और अयान अली खान, और संतूर वादक राहुल शर्मा सहित कई अन्य प्रसिद्ध कलाकार शामिल हैं। इस उपलब्धि पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने कहा कि यह न केवल किस के लिए बल्कि ओड़िशा और भारत के लिए भी गर्व का क्षण है। किस के छात्रों ने उत्साह और खुशी के साथ गीत गाये, अपनी संगीत प्रतिभा और पर्यावरण वकालत के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम ने बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान किया और कीस के शिक्षा और सशक्तिकरण के मिशन को मजबूत किया।

भुवनेश्वर और पलासा स्टेशनों के पास और ब्रह्मपुर-गोलंथरा खंड में सुरक्षा बाड़ लगाने का काम शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रेलवे सुरक्षा बढ़ाने और ट्रेन की गति बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, पूर्व तट रेलवे ने भुवनेश्वर-पलासा रेलवे खंड में सुरक्षा बाड़ लगाने की परियोजना शुरू की है। ब्रह्मपुर-गोलंथरा रेल खंड के साथ-साथ खुर्दा रोड डिवीजन पर भुवनेश्वर और पलासा रेलवे स्टेशनों के पास दो छोटे पैच पर काम शुरू हो गया है। अब तक लगभग 07 किलोमीटर की सुरक्षा बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है। लगभग 3.9 किमी डबल डब्ल्यू मेटल बीम क्रैश बैरियर यानी पलासा स्टेशन क्षेत्र के पास 2400 मीटर और ब्रह्मपुर-गोलंथरा रेलवे खंड पर 1500 मीटर का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, भुवनेश्वर के पास 1600 मीटर की फिक्स्ड नॉट फेंसिंग बैरियर का भी निर्माण किया गया है। इन क्षेत्रों को बाड़ लगाने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है क्योंकि पालतू जानवरों और अनधिकृत पहुंच को रेलवे ट्रैक पार करने से रोकने के लिए रेल अवधारणा की ऊंचाई चलती क्षेत्र के जमीनी स्तर के लगभग बराबर है। यह सुरक्षा बाड़ न केवल सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करेगी बल्कि अनधिकृत अतिक्रमण, रेलवे पटरियों के पास मवेशी चराने और रेल लाइन के पास जंगली जानवरों की आवाजाही पर भी रोक लगायेगी। इस बाड़ लगाने के काम को सुनिश्चित करने और किसी भी गड़बड़ी से बचने के लिए रेल मंत्रालय ने पटरियों के पास अपनी सीमा के भीतर एक दीवार बनाने का फैसला किया है। वर्तमान योजना में रेलवे भूमि की सीमाओं के साथ बाड़ लगाने का निर्माण शामिल है, वास्तविक दूरी क्षेत्रीय रेलवे प्राधिकरण के स्थान, रखरखाव आवश्यकताओं, मल्टी-ट्रैकिंग संचालन, अनधिकृत पहुंच और प्रस्तावित बाड़ लगाने की समग्र कार्यक्षमता पर निर्भर करेगी। इस पहल का उद्देश्य समपारों, आरओबी आरयूबी (अंडरपास) पुलों और पहुंच नियंत्रण की आवश्यकता वाले अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पटरियों के प्रवेश को सील करना भी है। इस उपाय से न केवल रेलवे लाइन के पास मवेशियों के चरने पर रोक लगेगी, बल्कि यातायात की सुचारू आवाजाही भी होगी और पशुधन और वन्यजीवों के नुकसान को भी रोका जा सकेगा। मंत्रालय ने हाल ही में पूर्व तट रिलवे के तहत खुर्दा रोड डिवीजन के भद्रक-पलासा और खुर्दा रोड-पुरी रेलवे खंडों में पटरियों के किनारे सुरक्षा बाड़ लगाने के प्रावधान के लिए 275.01 करोड़ मंजूर किए हैं। इस परियोजना का लक्ष्य 130 किमी प्रति घंटे और उससे अधिक की गति पर ट्रेनों के सुरक्षित संचालन की सुविधा प्रदान करना है।

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**